रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:66 | सोमवार,10 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

झारखंड में आज से शीतलहर मौसम विभाग ने किया अलर्ट

संवाददाता

रांची : झारखंड में सर्दी ने दस्तक दे दी है और मौसम विभाग ने राज्य में 10 और 11 नवंबर को शीत लहर चलने का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, राज्य के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से नीचे जा सकता है, जिससे ठंड के असर में तेजी आने की संभावना है। लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिणी झारखंड के रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी और रामगढ़, उत्तर-पश्चिमी झारखंड के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला- खरसावां, तथा पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा जिलों में ठंड का असर अधिक रहेगा। वहीं देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुड़ और साहेबगंज जिलों में भी ठंड की तीव्रता महसूस की जा सकेगी।

बुढ़मू में ग्रामीण चिकित्सक की गला रेतकर हत्या

संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र में रविवार को एक प्राइवेट मेडिकल प्रैक्टिशनर सपन दास की गला रेतकर हत्या कर दी गई। 45 वर्षीय सपन पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे, जो पिछले सात सालों से बुढ़मू के मतवे गांव में किराए के मकान में रहकर डॉक्टर के तौर पर प्रैक्टिस करते थे। पुलिस के मुताबिक, रविवार सुबह करीब नौ बजे दो युवक सपन दास के घर पहुंचे। थोड़ी देर बातचीत के बाद उन्होंने अचानक उन पर हमला कर दिया। एक ने सपन दास को पकड़ा, जबकि दूसरे ने धारदार हथियार से उनका गला रेत दिया। अधिक खून बहने से सपन दास की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद दोनों आरोपी भागने लगे, लेकिन स्थानीय लोगों ने पीछा कर एक आरोपी को पकड़ लिया। बताया गया कि वह नशे की हालत में था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बुढ़मू थाना प्रभारी नवीन शर्मा ने बताया कि 'हत्या की वजह का अभी खुलासा नहीं हुआ है। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है और फरार सहयोगी की तलाश जारी है।' पुलिस ने घटनास्थल से खून से सने कपड़े और हथियार बरामद किए हैं। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, सपन दास गांव में 'बंगाली डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे।

टीएमएच ने वॉकथॉन के साथ मनाया एम्प्यूटेशन मुक्त भारत दिवस

संवाददाता

रांची :वैस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय पहल के अनुरूप, टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) ने रोके जा सकने वाले अंग विच्छेदन की रोकथाम के लिए शीघ्र निदान और उचित वैस्कुलर चिकित्सा को बढ़ावा

दूसरे चरण के अंतिम दिन एनडीए-महागठबंधन के नेताओं ने दिखाया दम, कल होगी वोटिंग, 14 को आएंगे परिणाम

अमित शाह गरजे, कहा- जरा भी गलती हुई तो फिर लौट आएंगे जंगलराज और नक्सलवाद वाले

केंद्रीय गृह मंत्री ने अरवल में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

एजेंसी

पटना:बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए प्रचार का अंतिम दिन था। 11 नवंबर को वोटिंग होगी और 14 को परिणाम आएंगे। अंतिम दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अरवल में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। कहा कि एक समय पूरा बिहार नक्सलवाद की जद में था। फिर जंगल राज आया। जरा भी गलती हुई तो नक्सलवाद और जंगलराज वाले फिर लौट आएंगे। ये लेफ्ट वाले आए तो सारे उद्योग चले जाएंगे। हम बिहार में 25 चीनी मिल लगाने वाले हैं। इन्हें पटना पहुंचने नहीं देना है। गृह मंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले राहुल बाबा ने घुसपैठियों को बचाने की यात्रा निकाली थी। कह रहे हैं लोगों का वोट कटा है, वोट तो घुसपैठियों का कटा है। उन्हें बिहार से ज्यादा बांग्लादेश के लोगों की चिंता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बाबा साहेब के नाम का इस्तेमाल चुनाव जीतने के लिए करते हैं। भीमराव अंबेडकर के जीवित रहते कांग्रेस ने उन्हें कभी सम्मान नहीं दिया।

इधर, राहुल का भी हमला, कहा- बिहार में भी 'वोट चोरी' की कोशिश कर रहे मोदी व ईसीआई

एजेंसी

पटना:रविवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने किशनगंज में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने मोदी और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा, ये लोग हरियाणा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में वोट चोरी कर के सरकार बना चुके हैं। बिहार में भी ये यही करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पूछा, आपने हरियाणा वाला हाइड्रोजन बम देखा है या नहीं। मैंने इन लोगों को बोलती बंद दी है। मैंने आरोप लगाया कि मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त वोट चोरी कर रहे हैं।राहुल

गांधी ने मैंने चार हजार किलोमीटर यात्रा की। उसका एक ही मकसद था- नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलना। संघ और बीजेपी वाले कहते हैं- नफरत फैलाना है। नरेंद्र मोदी के खून में, उनकी सोच में नफरत है। वो बांटना चाहते हैं, नफरत फैलाना चाहते हैं। मेरे खून में मोहब्बत है। हम दोनों में ये फर्क है। बीजेपी के नेता दो-दो राज्यों में वोट कर रहे हैं। देश का चुनाव आयोग चुप है। मोदी और अमित शाह चुनाव नहीं जीतते हैं। एक ही मकसद था- नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलना। संघ

नरेंद्र मोदी के खून में, सोच में नफरत, लोगों को चाहते हैं बांटना

और बीजेपी वाले कहते हैं- नफरत फैलाना है। नरेंद्र मोदी के खून में, उनकी सोच में नफरत है। वो बांटना चाहते हैं, नफरत फैलाना चाहते हैं। मेरे खून में मोहब्बत है। हम दोनों में ये फर्क है। बीजेपी के नेता दो-दो राज्यों में वोट कर रहे हैं। देश का चुनाव आयोग चुप है। मोदी और अमित शाह चुनाव नहीं जीतते हैं।वो बांटना चाहते हैं, नफरत फैलाना चाहते हैं। मेरे खून में मोहब्बत है।

घाटशिला में थम गया चुनावी प्रचार का शोर, अंतिम दिन झामुमो-भाजपा ने झोंकी ताकत

सीएम-कल्पना ने रोड शो में किया शक्ति प्रदर्शन, चम्पाई ने खेला इमोशनल कार्ड

दोनों दलों के दिग्गज नेताओं ने अपने-अपने प्रत्याशी के समर्थन में जनता से मांगे वोट

संवादाता

घाटशिला :घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव का मतदान 11 नवंबर को होना है। इसे लेकर रविवार शाम पांच बजे से चुनावी प्रचार का शोर थम गया। इससे पहले अंतिम दिन झामुमो व भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी। दोनों दलों के दिग्गज नेताओं ने अपनेअ पने प्रत्याशी के समर्थन में जनता से वोट मांगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को सुबह करीब 11 बजे हेलीकॉप्टर से मऊभंडार स्पोर्ट्स मैदान पहुंचे। मुख्यमंत्री मैदान से सीधे विभूति भूषण बंदोपाध्याय के नाम पर बने पुस्तकालय पहुंचे और विभूति बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद हेमंत सोरेन का रोड शोशुरू हुआ, जो पावड़ा स्थित पार्टी कार्यालय से काशिदा रेलवे अंडरपास होते हुए घाटशिला मुख्य सड़क, दाहीगोड़ा, मऊभंडार, टुमागडुंगरी तक गया। रोड शो में काफी भीड़ उमड़ी थी। जगह-जगह सीएम पर फूल बरसाए जा रहे थे। सीएम भी भीड़ देखकर काफी उत्साहित हुए। उन्होंने हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन किया। इस दौरान राम मंदिर चौक के सामने मारवाड़ी समाज के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस बीच मुख्यमंत्री ने रोड शो के दौरान रास्ते भर सड़क पर लगी शहीद दिलीप बेसरा सहित अन्य महापुरुषों की मूर्तियों पर श्रद्धासुमन अर्पित करते रहे। इस दौरान झामुमो के प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन भी साथ रहे। वहीं, दूसरी तरफ झामुमो की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन ने जादूगोड़ा सेमुसाबनी बस स्टैंड तक रोड शो किया।

- हेलीकॉप्टर से मऊभंडार स्पोर्ट्स
- मैदान पहुंचे हेमंत सोरेन
- विभूति भूषण बंदोपाध्याय के नाम पर बने
- पुस्तकालय पहुंचे विभूति बाबू की
- प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

हार के डर से बूथ लूटने का आरोप लगा रही भाजपा

सीएम हेमंत सोरेन ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा को हर हाल में हार का मुंह देखना पड़ेगा, हार के डर से भाजपाई हम पर ग्रामीण क्षेत्र के 45 बूथ लूटने का आरोप लगा रहे है, जबकि हम जानते ही नहीं कि कौन बूथ कहां है। यह उपचुनाव है, लेकिन भाजपा ने इसका माहौल भारत-पाकिस्तान युद्ध जैसा बना दिया है।

झामुमो ने मुझे व मेरे बेटे को कहा बैल, जनता देगी जवाब : चम्पाई

संवादाता

घाटशिला :पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने रविवार को घाटशिला में प्रेस वार्ता कर कहा कि झामुमो के नेताओं ने मुझे और मेरे बेटे बाबूलाल को बैल की संज्ञा देकर अपमानित किया है। इसका जवाब घाटशिला की जनता देगी। उन्होंने रोते हुए कहा कि जिस दिन मुझसे मुख्यमंत्री का पद वापस लिया गया, यह कहा गया कि चम्पाई को तो सिर्फ इस पद की रखवाली के लिए रखा गया था। उस दिन मुझे जितनी आत्मग्लानि हुई और मेरी आत्मा रोई, उसी दिन मैंने निर्णय कर लिया था कि जिस तरह मैंने अलग राज्य के लिए आंदोलन किया था, उसी तरह का एक और आंदोलन करना होगा।सीएम हेमंत सोरेन ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा को हर हाल में हार का मुंह देखना पड़ेगा, हार के डर से भाजपाई हम पर ग्रामीण क्षेत्र के 45 बूथ लूटने का आरोप लगा रहे है, जबकि हम जानते ही नहीं कि कौन बूथ कहां है। यह उपचुनाव है,

आध्यात्मिक शक्ति में निहित है उत्तराखंड का वास्तविक परिचय : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्लीः रविवार को उत्तराखंड की रजत जयंती आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देहरादून पहुंचे। फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआई) में उन्होंने सभी उत्तराखंडियों को राज्य गठन के 25 साल पूरे होने पर बधाई दी। कहा कि तीर्थाटन और बरामासी पर्यटन उत्तराखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, राज्य का असली परिचय उसकी आध्यात्मिक शक्ति में निहित है। ये दुनिया की स्पिरिचुअल कैपिटल के रूप में स्थापित हो सकता है। पीएम ने मंच से बटन दबाकर 8140 करोड़ की विभिन्न योजनाओं को शुरू किया। अगस्त 2014 के बाद 30वीं बार उत्तराखंड पहुंचे मोदी से पहले मंच को संबोधित करते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उनकी जमकर तारीफ की, मंच से हीउन्होंने एक कविता पढ़कर पीएम को राष्ट्रऋषि बताया। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि वेडिंग डेस्टिनेशन में भी उत्तराखंड लोकप्रिय हो रहा है। मेरा अभियान है- वेड इन इंडिया। साथियों ने देश ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया है। इसका रास्ता वोकल फॉर लोकल से पूरा होगा। मुझे खुशी है कि यहां अभियान को तेज गति मिली है। यहां 15 कृषि उत्पादों को जीआई टैग मिला है। बद्री गाय का घी पहाड़ के हर घर की शान है। बेंडू अब बाहर के बाजारों तक पहुंच रहा है। वो उत्पाद जहां जाएगा, अपने साथ उत्तराखंड की पहचान भी ले जाएगा।

- पीएम ने राज्य के 25 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित समारोह को किया संबोधित
- वोकल फॉर लोकल के रास्ते से पूरा होगा आत्मनिर्भर भारत का संकल्प
- मंच से बटन दबाकर 8140 करोड़ की विभिन्न योजनाओं को किया शुरू
- अगस्त 2014 के बाद 30वीं बार उत्तराखंड पहुंचे थे प्रधानमंत्री

पाकिस्तान से उसी भाषा में बात जो वह समझता है : भागवत

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को पाकिस्तान को चेतावनी दी कि भारत उसकी लगातार उकसावे वाली हरकतों का कड़ा जवाब देगा। भागवत ने कहा कि दिल्ली को उसी भाषा में बात करनी चाहिए जो वे समझते हैं। संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि एक दिन इस्लामाबाद समझ जाएगा कि मुकाबला करने के बजाय सहयोग करना बेहतर है। संघ प्रमुख बेंगलुरु में संघ यात्रा के 100 सालः नए क्षितिज नाम की दो दिन की लेक्चर सीरीज को संबोधित करते रहे थे। पाकिस्तान को भागवत की दो टूक : भागवत ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वे कोई दूसरी भाषा समझते हैं। हमें पाकिस्तान को समझाना होगा। इसलिए हमें उसी भाषा में बात करनी होगी जो वे समझते हैं। हमें उनकी बार-बार की कोशिशों के लिए तैयार रहना होगा। हमें उन्हें मुंहतोड़ जवाब देना होगा, उन्हें हमेशा हराना होगा, हर बार उन्हें ऐसा नुकसान पहुंचाना होगा कि उन्हें पछतावा हो। भागवत ने जोर देकर कहा कि ऐसे लगातार जवाब आखिरकार पाकिस्तान को अपना रवैया बदलने पर मजबूर कर देंगे। उन्होंने कहा, जब यह चलता रहेगा, तो एक दिन पाकिस्तान समझ जाएगा। हम चाहते हैं कि वे यह समझें और फिर हमारे बहुत शांतिपूर्ण पड़ोसी बन जाएं। हमारी तरक्की के साथ हम उन्हें भी तरक्की करवाएंगे। भारत की मंशा हमेशा रही शांतिपूर्ण भागवत ने आगे कहा कि भारत की हमेशा 'शांतिपूर्ण मंशा' रही है, लेकिन यह पाकिस्तान है जिसे हमारे साथ शांति नहीं है। जब तक पाकिस्तान को भारत को नुकसान पहुंचाने से कुछ संतुष्टि मिलती रहेगी, वह ऐसा करता रहेगा। संघ प्रमुख ने आगे कहा कि भारत लड़ाई शुरू नहीं करेगा, लेकिन शांति भंग करने वालों को बिना सजी।

सियासत

हेमंत- पार्ट 2 सरकार के पहले उपचुनाव में दोनों धड़ों की सियासी प्रतिष्ठा दांव पर

घाटशिला सीट पर असल मुकाबला 'हेमंत' बनाम 'चंपई'

संवाददाता

घाटशिला : झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार अभियान रविवार शाम पांच बजे थम गया। आखिरी दिन इंडिया गठबंधन और एनडीए दोनों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। नेताओं ने रोड शो, जनसभाओं और जनसंपर्क के जरिए मतदाताओं को लुभाने का हर प्रयास किया। इस उपचुनाव में मुख्य मुकाबला झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन और भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन के बीच है। एक ओर झामुमो अपने दिवंगत विधायक रामदास सोरेन की राजनीतिक विरासत और सरकार के कार्यों पर भरोसा जता रहा है, वहीं भाजपा संगठन की मजबूती और मोदी सरकार की योजनाओं के बल पर जीत का दावा कर रही है।

हेमंत सोरेन सरकार के दूसरे कार्यकाल का यह पहला उपचुनाव है। राजनीतिक विश्लेषक इसे केवल 'सोमेश बनाम बाबूलाल' नहीं, बल्कि 'हेमंत बनाम चंपई' की सियासी जंग के रूप में देख रहे हैं। दरअसल, चंपई सोरेन, जिन्हें कोल्हान टाइगर कहा जाता है, लंबे समय तक झामुमो में सक्रिय रहे। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद वह मुख्यमंत्री भी बनाए गए, लेकिन उनके जमानत पर बाहर आने के बाद चंपई सोरेन को यह पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद वह भाजपा में शामिल हो गए। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने खुद सरायकेला सीट से भाजपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की, लेकिन अपने बेटे बाबूलाल को घाटशिला से नहीं जिता पाए थे। इस बार भाजपा ने फिर उनके बेटे बाबूलाल को टिकट दिया है, जिससे यह चुनाव पिता- पुत्र दोनों के लिए राजनीतिक प्रतिष्ठा की परीक्षा बन गया है।

दूसरी ओर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए भी घाटशिला उपचुनाव एक साख की जंग है। अगर झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन जीतते हैं, तो

यह न केवल उनके दूसरे कार्यकाल के एक साल के कामकाज पर जनता की मुहर मानी जाएगी, बल्कि आदिवासी राजनीति में उनकी पकड़ भी और मजबूत होगी।इस बार चुनाव प्रचार में हेमंत सोरेन और चंपई सोरेन- दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप के गोले भी छोड़े। हेमंत सोरेन ने जहां चंपई सोरेन का नाम लिए बगैर कहा कि झामुमो में खाया-पिया-मोटाया बैल अब भाजपा का खेत जोतने चला गया है, वहीं चंपई सोरेन ने जवाब में कहा कि हमें वो बैल बोलता है, जबकि हमने ही उसे पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। मैंने झामुमो की जमीनको उपजाऊ बनाने में खून-पसीना बहाया, तब खाया।

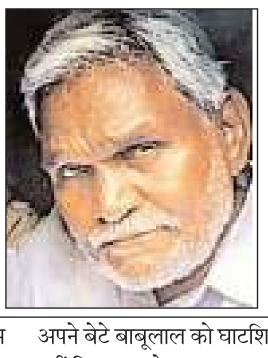

चाचा-भतीजा के बीच आरोप-प्रत्यारोप

सियासत से इतर चंपई सोरेन और हेमंत सोरेन के बीच चाचा-भतीजा का रिश्ता रहा। लेकिन पिछले साल हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद जब चंपई सोरेन की सीएम की कुर्सी वापस ली गई, तो दोनों के रिश्ते सामान्य नहीं रह पाए।

13 प्रत्याशी मैदान में

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के उम्मीदवार रामदास मुर्मू ने यहां मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश की है। इनके अलावा भारत आदिवासी पार्टी के पंचानन सोरेन और पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) की पार्वती हांसदा सहित कुल 13 प्रत्याशी मैदान में हैं।

300 बूथों पर 2 लाख 56 हजार वोटर

घाटशिला विधानसभा सीट पर 2,56,352 मतदाता हैं। मतदान के लिए 231 स्थानों पर 300 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सभी मतदान केंद्रों को मॉडल बूथ के रूप में विकसित किया गया है, जहां बिजली, पेयजल, रैंप और अन्य आवश्यक सुविधाएं।

आकाश चौधरी ने क्रिकेट के इतिहास में किया सबसे बड़ा कमाल

लगातार आठ गेंदों पर आठ छक्का, 11 बॉल पर फिफ्टी

संवादाता

सूरत : क्रिकेट के मैदान पर हर युग में कुछ पल ऐसे आते हैं जो इतिहास बन जाते हैं – और फिर सदियों तक याद किए जाते हैं। रविवार को सूरत में रणजी ट्रॉफी के एक मुकाबले में ऐसा ही पल देखने को मिला, जब मेघालय के बल्लेबाज आकाश कुमार चौधरी ने ऐसा कमाल कर दिखाया जो अब तक सिर्फ सपनों में सोचा गया था। आपने लगातार 6 छक्कों का रिकॉर्ड तो जरूर सुना होगा। 2007 टी-20 वर्ल्डकप में युवराज सिंह ने स्टुअर्ट ब्रॉड की गेंदों पर, और उससे पहले रवि शास्त्री ने रणजी में यह कारनामा किया था। लेकिन अब जो हुआ, उसने उन सभी रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ दिया। आकाश चौधरी ने न सिर्फ एक ओवर में छह छक्के मारे, बल्कि लगातार आठ गेंदों पर आठ छक्के ठोक दिए – यानी छक्कों की बरसात रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी। इतना ही नहीं, उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों पर अर्धशतक जड़कर फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में नया रिकॉर्ड बना दिया। 25 साल के इस युवा बल्लेबाज ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ14 गेंदों पर नाबाद 50 रन ठोके। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के वेन नाइट के नाम था, जिन्होंने 2012 में 12 गेंदों पर फिफ्टी बनाई थी। आकाश ने नाइट का रिकॉर्ड तोड़ा और श्रीलंका के क्लाइव इनमैन (1965, 13 गेंदों पर फिफ्टी) को भी पीछे छोड़ दिया। यह पारी सिर्फ तेज नहीं, तूफानी थी – मात्र 9 मिनट में 50 रन पूरे! इनमैन ने यह काम 8 मिनट में किया था, यानी आकाश उनसे बस एक मिनट पीछे रहे। आकाश अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगाने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह कारनामा सर गैरी सोबर्स ने 1968 में और रवि शास्त्री ने 1984-85 में किया था।

पेडिकॉन 2025 का समापन : चिकित्सकीय योगदान के लिए डॉ. सुनीता कात्यायनी को सम्मान

रांची, संवाददाता

रांची। 24वां झारखंड पेडिकॉन-2025 का रविवार की शाम समापन हो गया. इंडियन एकेडमिक ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) की रांची शाखा द्वारा ओरमांझी स्थित रिसॉर्ट में इसका आयोजन किया गया. इस तीन दिवसीय कार्यशाला एवं कांफ्रेंस में झारखंड और देशभर के 300 शिशु रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया. कॉन्फ्रेंस के दौरान नवजात, शिशु एवं बाल रोगों के चिकित्सा के क्षेत्र में आ रहे नए नए बदलाव पर अपने-अपने विचार रखें. देश के कई शिशु एवं नियोनेटल स्पेशलिस्ट ने अपने-अपने व्याख्यान में युवा चिकित्सकों को चिकित्सा के नवीनतम पद्धतियों से अवगत कराया. विशेषज्ञों ने आधुनिकतम चिकित्सा पद्धतियों से संबंधित अनुभवों को भी साझा किया. पेडिकॉन 2025 के अंतिम दिन आज रविवार को रांची की वरिष्ट शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनीता कात्यायनी को उनके चिकित्सकीय योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया.

पेडिकॉन 2025 का समापन

वहीं कॉन्फ्रेंस के आयोजन सचिव डॉ राजेश कुमार 'बालपन' ने देशभर से आए शिशु रोग विशेषज्ञों का स्वागत किया. इस कॉफ्रेंस में इंडियन एकेडमिक ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) के नेशनल प्रेसिडेंट डॉ बसंत कलतकर, डॉ नीलम मोहन, जयपुर से डॉ शिवराज सिंह, पटना से डॉ विकास राज समेत कई वरिष्ट शिशु रोग विशेषज्ञ बच्चों के स्वास्थ्य संबंधित अपने-अपने विचार रखें. शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत साबोत ने झारखंड में बच्चों के स्वास्थ्य और राज्य के चाइल्ड अस्पतालों की सराहना की. उन्होंने बताया कि झारखंड में बच्चों के स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतर काम किया जा रहा है. जिसका परिणाम आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा. राजस्थान की राजधानी जयपुर से आए डॉ रजत मालोत ने बच्चों के हड्डी रोगों पर अपना व्याख्यान दिया. उन्होंने बताया कि बहुत सारी ऐसी बीमारियां हैं जिनका इलाज संभव है पर डॉक्टर और घरवालों की जानकारी के अभाव में इलाज नहीं करवा पाते हैं.

डॉ राजेश कुमार ने बताया कि टेक्नोलॉजी और बच्चों के स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने में दूसरे राज्य झारखंड से आगे हैं. लेकिन अपना झारखंड भी स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है. डॉ राजेश कुमार ने कॉन्फ्रेंस में भाग ले रहे युवा चिकित्सकों से कहा कि आने वाले दिनों में नवजात, शिशुओं बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाने के लिए आप तैयार हो रहे हैं. उन्होंने बताया कि 24वां झारखंड पेडिकॉन-2025 से झारखंड के चिकित्सकों को आने वाले दिनों में बहुत लाभ मिलेगा. इस तरह के आयोजन से बच्चों के बेहतर इलाज में डॉक्टरों को काफी मदद मिलती है. इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन में आईएपी के अध्यक्ष डॉ. पीके गुप्ता, रिम्स एसएनसीयू के हेड डॉ. राजीव मिश्रा, सेक्रेटरी डॉ. राजेश कुमार, ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ. शैलेश चंद्रा, डॉ. श्याम सिडाना, डॉ. अनिताभ कुमार, डॉ. परमानंद काशी, डॉ. किरण शंकर दास समेत कई चिकित्सकों ने अहम भूमिका निभाई.

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंटः झारखंड के तीन खिलाड़ी श्रीलंका में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

रांची, संवाददाता

झारखंड के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है. झारखंड राज्य के तीन दिव्यांग क्रिकेटर पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं. यह खिलाड़ी श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट महासंग्राम में हिस्सा लेंगे, जो 13 नवंबर से 17 नवंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा. इन खिलाड़ियों में रामगढ़ के अतहर अली, बोकारो के महावीर मोदी और साहिबगंज के नाजिर शामिल हैं. तीनों खिलाड़ी झारखंड राज्य दिव्यांग क्रिकेट टीम के नियमित सदस्य रहे हैं और अपने प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय चयनकताओं का ध्यान आकर्षित किया है. अब ये खिलाड़ी भारतीय टीम का हिस्सा बनकर श्रीलंका की धरती पर तिरंगा लहराने को तैयार हैं. तीनों खिलाड़ी रांची रेलवे स्टेशन से रवाना होकर चेन्नई पहुंचेंगे, जहां से वे हवाई मार्ग से कोलंबो के लिए उड़ान भरेंगे. रवाना होने से पहले रेलवे स्टेशन पर परिवारजनों, खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने इन खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं. कई लोगों ने कहा कि यह पल न केवल खिलाड़ियों के लिए, बल्कि पूरे झारखंड के लिए गौरव का क्षण है. राज्य दिव्यांग क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि झारखंड के इन खिलाड़ियों ने पिछले वर्षों में कई राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में शानदार प्रदर्शन किया है. रामगढ़ के अतहर अली को उनकी गेंदबाजी के लिए जाना जाता है, जबकि बोकारो के महावीर मोदी एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं. साहिबगंज के नाजिर अपनी तेजतर्रार फील्डिंग और सटीक बल्लेबाजी के लिए मशहूर हैं. संघ के सचिव ने कहा कि यह उपलब्धि दिखाती है कि अगर मन में जज्बा हो, तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती. इन खिलाड़ियों ने साबित किया है कि सीमाएं केवल शरीर की नहीं, सोच की होती हैं. टीम चयन की घोषणा के बाद पूरे झारखंड में खुशी की लहर दौड़ गई है. सोशल मीडिया पर खेल प्रेमी लगातार बधाइयां दे रहे हैं. रांची, रामगढ़, बोकारो और साहिबगंज में स्थानीय संगठनों ने जश्न भी मनाया. स्कूलों और कोचिंग सेंटर्स में इन खिलाड़ियों की सफलता को प्रेरणा के रूप में साझा किया जा रहा है.

झारखंड में घर-घर दस्तक देगा शिक्षा विभाग, 15 नवंबर से शुरू होगा हाउसहोल्ड सर्वे

रांची : झारखंड सरकार शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए 15 नवंबर राज्य स्थापना दिवस के दिन से एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है. राज्य भर में शिक्षा विभाग के कर्मचारी और शिक्षक घर-घर पहुंचकर बच्चों की पढ़ाई की स्थिति का सर्वेक्षण करेंगे. इस हाउसहोल्ड सर्वे का उद्देश्य ऐसे बच्चों की पहचान करना है जो किसी कारणवश स्कूल नहीं जा रहे हैं या बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं. सर्वे की प्रक्रिया 10 जनवरी 2026 तक चलेगी. इस दौरान हर जिले में स्कूलवार डेटा तैयार किया जाएगा ताकि आगामी सत्र में किसी भी बच्चे को स्कूल से बाहर न रहना पड़े. शिक्षा विभाग ने इसके लिए एक मोबाइल ऐप तैयार किया है, जिसके जरिए शिक्षक फील्ड से तुरंत जानकारी अपलोड करेंगे. शिक्षकों को तय क्षेत्रों में जाकर प्रत्येक घर की स्थिति दर्ज करनी होगी. इसके साथ ही स्थानीय पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्कूल प्रबंधन समितियों को भी इस प्रक्रिया में जोड़ा जा रहा है. विभाग का लक्ष्य है कि सर्वे से मिले आंकड़ों के आधार पर बच्चों का दोबारा नामांकन तुरंत शुरू किया जा सके. पिछले साल हुए सर्वे में झारखंड में करीब 59 हजार बच्चे स्कूल से बाहर पाए गए थे. इस बार शिक्षा विभाग ने लक्ष्य रखा है कि किसी भी गांव या वार्ड में एक भी बच्चा ड्रॉपआउट की श्रेणी में न रहे. सर्वे रिपोर्ट सीधे राज्य स्तर के पोर्टल पर जाएगी, जहां रोजाना अपडेट की निगरानी होगी. प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्र से संबंधित सभी विवरण समय पर अपलोड करें. वहीं, जिला शिक्षा अधीक्षक को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी स्कूल का डेटा लंबित न रहे. शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार ने कहा कि हाउसहोल्ड सर्वे सिर्फ औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह झारखंड के हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ने का एक ठोस कदम है. हमारी कोशिश है कि किसी बच्चे की पढ़ाई गरीबी, दूरी या संसाधन की कमी से बाधित न हो. इस बार फील्ड स्तर पर सत्यापन और मॉनिटरिंग दोनों को और मजबूत किया गया है. उन्होंने आगे कहा कि समुदाय की भागीदारी से ही यह अभियान सफल होगा. शिक्षक, अभिभावक और पंचायत प्रतिनिधि एक साथ जुड़ें तो कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर नहीं रहेगा. सर्वे से जो आंकड़े सामने आएंगे, वे आने वाले वर्षों में राज्य की शिक्षा नीति की दिशा तय करेंगे. यह सर्वे 2026 के नए सत्र के लिए आधार तैयार करेगा और शिक्षा विभाग की नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

दक्षिणी छोटानागपुर पुलिस खेल प्रतियोगिता का समापन, रांची टीम ओवरऑल चैंपियन

रांची, संवाददाता

तीन दिवसीय दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया. रांची पुलिस इस बार ओवरआल चैंपियन बनी. रांची पुलिस लाइन में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई थी.

खूंटी दूसरे नंबर पर

रांची में आयोजित तीन दिवसीय दक्षिणी छोटानागपुर पुलिस खेल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया. पूरी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रांची जिला ओवरऑल चैंपियन बना है, जबकि खूंटी दूसरे स्थान पर रहा. प्रतियोगिता में सिमडेगा टीम का फुटबॉल में जलवा देखने को मिला फुटबॉल में सिमडेगा पहले स्थान पर रहा. जबकि हॉकी, बास्केटबॉल, कबड्डी, हैंडबॉल और वॉलीबॉल में रांची की टीम चैंपियन बनी. इस प्रतियोगिता में रांची, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी और गुमला जिले की पुलिस टीमों ने भाग लिया था. तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में पुलिसकर्मियों ने खेल के क्षेत्र में अपना जौहर दिखाया.

किसको कितने अंक मिले

प्रतियोगिता में पहला स्थान पर रांची 60 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियन बनी,जबकि 15 अंकों के साथ खूंटी दूसरे स्थान पर रहा. वहीं 15 ही अंकों के साथ ही सिमडेगा तीसरे स्थान पर, चौथे स्थान पर गुमला और पांचवें स्थान पर लोहरदगा जिला रहा.

एक दर्जन प्रतियोगिता आयोजित

दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, बॉस्केटबॉल, फुटबॉल, हैंडबॉल, हॉकी, कबड्डी, कराटे और दौड़ के साथ लगभग दर्जन से अधिक खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई थी. प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले पुलिसकर्मियों को पुलिस नेशनल गेम में खेलने का मौका मिलेगा.

आईजी रहे मुख्य अतिथि

प्रतियोगिता के समापन के मौके पर रांची रेंज के आईजी मनोज कौशिक ने कहा कि खेलकूद न सिर्फ शारीरिक और मानसिक क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि तनाव भी कम करता है. आईजी ने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए तनाव एक ओर जहां चुनौती है, वहीं दूसरी ओर इससे पार पाने के लिए फिट रहना जरूरी है. ये सिर्फ खेल के द्वारा ही संभव हो सकता है. प्रतियोगिता में सफल होने वाले पुलिसकर्मियों को भविष्य में बेहतर मौका मिलेगा.

चेंबर में लगेगा 15 दिनों के अंतराल पर बैंकिंग समाधान कैंप

रांची, संवाददाता

झारखण्ड चेंबर ऑफ कॉमर्स की बैंकिंग उप समिति की ओर से प्रत्येक 15 दिनों के अंतराल पर बैंकिंग समाधान कैंप का आयोजन किया जायेगा। इसकी सहमति बैंकिंग उप समिति की चेम्बर भवन में रविवार को हुई बैठक में बनी। बैठक में उप समिति की अध्यक्ष निधि झुनझुनवाला ने बताया कि प्रथम समाधान कैंप 22 नवंबर को चैंबर भवन में आयोजित किया जायेगा। इसमें व्यापारियों की बैंक से जुड़ी समस्या, लोन से संबंधित शिकायत, तकनीकी कठिनाइयों की जानकारी प्राप्त कर, संबंधित बैंक को रिपोर्ट देकर समाधान का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में व्यापारिक गतिविधियों के सुचारू संचालन में बैंकों की बड़ी भूमिका है। बिना बैंकिंग सहयोग के आर्थिक विकास को गति देना संभव नहीं है। बैठक में साइबर क्राइम की बढ़ती घटनाओं पर भी चिंता जताई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कहा गया कि इस विषय पर बैंकिंग अधिकारियों से वार्ता कर यह सुनिश्चित किया जायेगा कि व्यापारी वर्ग को साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता और तकनीकी सहयोग प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर चैंबर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया और राम बांगड ने संयुक्त रूप से कहा कि बैंक और व्यापारी समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। कैंप के माध्यम से व्यापारियों की वास्तविक समस्याओं का समाधान संभव हो सकेगा। बैठक में चैंबर प्रवीण लोहिया, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश अग्रवाल, तुलसी पटेल और उप समिति की अध्यक्ष निधि झुनझुनवाला सहित अन्य उपस्थित थे।

चोरी कांड का खुलासाः महिला चोर सहित तीन गिरफ्तार, गहने बरामद

रांची : जिला के सदर इलाके से पुलिस ने एक महिला चोर सहित तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों ने सदर थाना क्षेत्र में रहने वाले पवन कुमार के यहां बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था. रांची पुलिस के द्वारा जारी की गई रिलीज के अनुसार रांची के सदर थाना क्षेत्र के सुंदर बिहार तिरिल कोकर के रहने वाले पवन साह के यहां 7 नवंबर की रात बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था. इस मामले को लेकर पवन साह के द्वारा घर पर हुई चोरी के संबंध में 8 नवंबर को सदर थाना में लिखित आवेदन दिया. जिसके आधार पर सदर थाना कांड संख्या-544/ 25 दिनांक 8/ 11/ 25 धारा -305 /331(4) दर्ज कर त्वरित अनुसंधान प्रारंभ करते हुए सदर थाना पुलिस के द्वारा चोरी कांड का सफलता के साथ खुलासा किया गया और चोरी गए गहने और सामान को बरामद किया गया है. रांची के सदर थाना प्रभारी कुलदीप ने बताया कि चोरी की वारदात को अंजाम देने में लक्ष्मी नाम की युवती भी शामिल थी. वह गुमला की रहने वाली है. वहीं इस मामले में ज्वेलर्स दुकान के मालिक अनीश सोनी को भी गिरफ्तार किया गया है. सोनी चोरी के गहने को खपाने का काम किया करता था. सोने की चेन- 01 अदद, सोने का कान का टॉप- 02 जोड़ा, सोने की बाली- 01 जोड़ा, सोने का जितिया- 01 अदद, चांदी की पायल- 03 जोड़ी, चांदी की बिछिया- 03 अदद, चांदी का सिन्दूर का किया- 01 अदद शामिल है. इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में राजा वर्मा उर्फ हर्ष वर्मा, ये सदर थाना से पूर्व में आर्म्स एक्ट में जेल जा चुका है. लक्ष्मी कुमारी उर्फ सुप्रिया उर्फ छोटंकी, गुमला की रहने वाली है. इसके अलावा अनीस सोनी, इसका खेलगांव थाना स्थित न्यू खटंगा में निर्मला ज्वेलर्स सोना चांदी की दुकान है. यह चोरी के गहने खपाने का काम किया करता था.

झारखंड पेडिकॉन संपन्न, डॉ सुनीता को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

रांची, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) रांची शाखा की ओर से ओरमांझी स्थित विनायक इको रिसोर्ट में आयोजित तीन दिवसीय 24वां झारखंड पेडिकॉन कार्यक्रम रविवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन में देशभर से आए 300 से अधिक शिशु रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया और आधुनिकतम चिकित्सा पद्धतियों एवं शोध कार्यों पर अनुभव साझा किया। इस अवसर पर रांची की वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ सुनीता कत्यायणी को उनके उत्कृष्ट चिकित्सकीय योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। मौके पर डॉ राजेश कुमार (बालपन) ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि झारखंड बच्चों के स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। डॉ रजत मालोत ने बच्चों के हड्डी रोगों पर जागरूकता की आवश्यकता बताई, वहीं डॉ प्रशांत साबोत ने राज्य में बेहतर स्वास्थ्य ढांचे की सराहना की। सम्मेलन में डॉ बसंत कलतकर, डॉ नीलम मोहन, डॉ शिवराज सिंह, डॉ विकास राज, डॉ. रजत मालोत, डॉ प्रशांत साबोत सहित कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने बच्चों के स्वास्थ्य और उपचार पद्धतियों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईएपी अध्यक्ष डॉ पीके गुप्ता, डॉ राजीव मिश्रा, सेक्रेटरी डॉ राजेश कुमार (बालपन) सहित कई चिकित्सकों ने अहम भूमिका निभाई।

बाबूलाल सोरेन को बैल कहना केवल मेरे बेटे का नहीं, पूरे आदिवासी समाज का अपमान : चंपाई सोरेन

रांची, संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम जिले की घाटशिला विधानसभा सीट पर उपचुनाव का शोर रविवार शाम थम गया। अब प्रत्याशी केवल घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क साध सकेंगे। इस चुनाव का परिणाम भले ही झारखंड सरकार की स्थिरता पर असर न डाले, लेकिन यह मुकाबला राजनीतिक प्रतिष्ठा की लड़ाई में बदल चुका है। एक ओर स्वयं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पत्नी कल्पना सोरेन हैं तो वहीं भाजपा प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन हैं, जो झामुमो से अलग होकर भाजपा में शामिल हुए है।

चुनावी प्रचार के अंतिम दिन घाटशिला में एटमॉस्फियर रिसॉर्ट में भावुक होते हुए चंपाई सोरेन ने प्रेस वार्ता में कहा कि यह चुनाव उनके बेटे बाबूलाल सोरेन का नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा का संघर्ष है। उन्होंने कहा, हमैंने अपनी जिंदगी का हर पल उस पार्टी (झामुमो) को मजबूत करने में लगाया, जिसके लिए हमने जंगलों में संघर्ष किया। लेकिन आज उसी पार्टी के मुखिया ने हमारे समाज, हमारी अस्मिता का अपमान किया है। बाबूलाल सोरेन को हाबैलड़ कहना केवल मेरे बेटे का नहीं, पूरे आदिवासी समाज का अपमान है।

पूर्व मुख्यमंत्री की आंखें भर आईं जब उन्होंने कहा, हहम आदिवासी हैं, हमारे पास दिल है, सम्मान है, भावनाएं हैं। सत्ता के नशे में कोई भी व्यक्ति यह भूल जाए कि हम अपमान सह लेंगे, यह उसकी भूल होगी। मैं घाटशिला की जनता से अपील करता हूं कि वे इस अपमान का जवाब वोट की चोट से दें। चंपाई सोरेन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में आदिवासी बेटियों की सुरक्षा खतरे में है, जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है, परंतु सत्ता में बैठे लोग इन गंभीर मुद्दों पर मौन हैं। हवे जनता की समस्याओं का समाधान करने की बजाय दूसरों को नीचा दिखाने में व्यस्त हैं। उन्होंने जनता से भावुक अपील करते हुए कहा, हयह चुनाव मेरे लिए राजनीति का प्रश्न नहीं, बल्कि अपने स्वाभिमान और आदिवासी अस्मिता की रक्षा का प्रश्न है। मैं जनता से विनती करता हूं कि वे झारखंड की आत्मा की रक्षा के लिए मतदान करें।

रांची में सजा हैंडलूम एक्सपो, मेले में दिख रही एक भारत-श्रेष्ठ भारत की झलक

रांची, संवाददाता

एक्सपो मेला

राजधानी रांची इन दिनों देश की विविध कला, संस्कृति और परंपरा का अनोखा संगम बनी हुई है. हरमू मैदान में आयोजित राष्ट्रीय हस्तशिल्प एक्सपो में देश के कोने-कोने से आए लोग अपनी अनूठी कारीगरी और पारंपरिक उत्पादों से लोगों को आकर्षित कर रहे हैं.

150 से अधिक स्टॉल लगाए गए

इस एक्सपो में तमिलनाडु, तेलंगाना, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों के 150 से अधिक दुकानदारों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए हैं. कश्मीर से कन्याकुमारी तक के कलाकारों की भागीदारी इसे सचमुच एक भारत, श्रेष्ठ भारत की झलक दे रही है.

24 नवंबर तक चलेगा हैंडलूम

रांची में हैंडलूम एक्सपो 24 नवंबर तक चलेगा. आयोजन का उद्देश्य हस्तनिर्मित वस्तुओं और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना है. वोकल फॉर लोकल के तहत स्थानीय उद्यमियों और कारीगरों को मंच देने पर विशेष ध्यान दिया गया है. झारखंड के पारंपरिक हस्तशिल्प जैसे तसर सिल्क, डोकरा कला, बांस और लकड़ी से बने उत्पादों के साथ अन्य राज्यों की खास कलाकृतियां भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं. मेले में सजे स्टॉलों पर तरह-तरह की चीजें देखने को मिल रही हैं. खादी और हैंडलूम के परिधान, पारंपरिक फर्नीचर, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, श्रृंगार सामग्री, बच्चों के खिलौने, सजावटी सामान और स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगे हैं. जम्मू-कश्मीर से आए शिल्पकार अपने प्रसिद्ध ऊनी शॉल और ड्राइ फ्रूट्स लेकर पहुंचे हैं, तो केरल से आए व्यापारी यहां के लोगों को अचार, पापड़ और मसालों के स्वाद से परिचित करा रहे हैं. बिहार और बंगाल की पारंपरिक साड़ियों के साथ दक्षिण भारत के पीतल के बर्तनों की चमक भी लोगों का ध्यान खींच रही है.

मेले में हर वर्ग के लोगों के लिए खास

यह एक्सपो सिर्फ खरीदारी का ही नहीं, बल्कि अनुभव का भी मेला है. आयोजन स्थल पर हर वर्ग और हर उम्र के लोगों के लिए कुछ न कुछ खास है. बच्चों के लिए झूले और मनोरंजन की व्यवस्था है. वहीं फूड लवर्स के लिए फूड कोट में देशभर के व्यंजनों का स्वाद उपलब्ध है. साथ ही, लोक कलाकारों के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पूरे माहौल को जीवंत बना रहे हैं. शिल्पकारों का कहना है कि रांची की मिट्टी, यहां का मौसम और लोगों की गर्मजोशी उन्हें बहुत भा रही है. कश्मीर के एक स्टॉल धारक ने बताया कि झारखंड के लोगों का कला और हस्तशिल्प के प्रति लगाव देखकर उन्हें बहुत अच्छा लगा. वहीं केरल से आए व्यापारी ने कहा कि यहां के ग्राहक हस्तनिर्मित वस्तुओं के प्रति जागरूक हैं और पारंपरिक कला को सराह रहे हैं. आयोजक समिति का कहना है कि इस तरह के आयोजन न केवल कारीगरों को आर्थिक सहयोग देते हैं, बल्कि उन्हें अपने हुनर को नई पहचान दिलाने का मौका भी देते हैं. यह मंच देश के विभिन्न हिस्सों की परंपराओं को जोड़ने का कार्य कर रहा है.

एक्सचेंज पर रोक से बढ़ी मुश्किलें ! रिम्स और सदर अस्पताल में ब्लड की कमी, रक्तदान से स्थिति में सुधार की उम्मीद

रांची। विभागीय स्तर पर झारखंड के ब्लड बैंकों में 'ब्लड एक्सचेंज' पर रोक लगा दी गई है. दरअसल, यह रोक चाईबासा ब्लड बैंक से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को लक्ष्न पॉजिटिव ब्लड चढ़ाने की घटना के बाद लगाई गई है. विभाग ने मरीजों की जरूरत के अनुसार, रक्त की व्यवस्था के लिए ब्लड डोनेशन कैंप पर जोर देने की बात कही है लेकिन अभी डोनेशन कैंप से जरूरत के हिसाब से ब्लड कलेक्ट नहीं हो पा रहा है.

अंजुमन फरोग-ए-उर्दू द्वारा उर्दू दिवस समारोह का आयोजन

रामगढ़ उपायुक्त ने ज़िले के 72 उर्दू छात्रों को प्रमाण पत्र और सम्मान प्रदान किए

भाषा का कोई धर्म नहीं होताः फैज अक के अहमद मुमताज

संवाददाता । रांची

रामगढ़ः अंजुमन फरोग-ए-उर्दू, ज़िला इकाई रामगढ़ द्वारा नई सराय ईदगाह मेन रोड, रामगढ़ में ज़िला स्तरीय उर्दू दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ज़िले के कुल 72 चयनित छात्रों को रामगढ़ उपायुक्त द्वारा प्रमाण पत्र और सम्मान प्रदान किए गए। समारोह की अध्यक्षता मजलिस के अध्यक्ष और मुख्य संयोजक हाजी रईस खान ने की और संचालन उत्तरी छोटानागपुर के प्रभारी डॉ. शाहनवाज खान ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संयुक्त संयोजक फख्र-ए-आलम ने किया।

विशिष्ठ अतिथि, रामगढ़ के उपायुक्त श्री फैज अक के अहमद मुमताज ने कहा कि भाषा का कोई धर्म नहीं होता। उपायुक्त ने कहा कि उर्दू प्रतियोगिता में जिला स्तर पर अव्वल आने वाली संजना कुमारी और सिमरन कुमारी ने भी यह साबित कर दिया कि उर्दू भाषा या कोई भी भाषा किसी धर्म विशेष के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए है। उर्दू भाषा में मिठास है, हमें इस भाषा को पढ़ने, लिखने और बोलने में गर्व महसूस करना चाहिए लेकिन यह हमारा दुर्भाग्य है कि हम उर्दू से दूर होते जा रहे हैं। अंजुमन फरोग-ए-उर्दू द्वारा उर्दू के विकास के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

विशेष वक्ता वरिष्ठ कांग्रेस नेता शहजाद अनवर ने कहा कि उर्दू भारत की भाषा है, यह यहीं पैदा हुई और यहीं पली-बढ़ी और आज पूरे भारत के लोग इसे बोलते, लिखते और पढ़ते हैं, भले ही उनकी संख्या कम हो गई हो। डॉ. शाहनवाज खान और उनकी टीम अंजुमन फरोग-ए-उर्दू के बैनर तले रामगढ़ जिले में जो प्रयास कर रही है, जिसे हम सब देख रहे हैं, जब ऐसा कार्य किया जाएगा तो एक दिन सफलता अवश्य मिलेगी।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए उत्तरी छोटानागपुर के प्रभारी डॉ. शाहनवाज खान ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य मातृभाषा उर्दू पढ़ने-लिखने के प्रति जागरूकता पैदा करना और पाठकों को प्रोत्साहित करना है। इसीलिए अंजुमन फरोग-ए-उर्दू रामगढ़ जिला इकाई ने पूरे जिले में जागरूकता अभियान चलाया, प्रतियोगिताएं आयोजित कीं और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक हाजी रईस खान और संयुक्त संयोजक हाजी फख्र-ए-आलम ने बताया कि प्रखंड स्तर पर छह प्रखंडों पतरातू, गोला, मांडू, रामगढ़, डालमी और छतरपुर में उर्दू प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छह प्रखंडों में कुल 1125 छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें से कुल 72 छात्रों का चयन किया गया। जिनका चयन दो प्रकार की लेखन प्रतियोगिताओं, उर्दू सूचना प्रतियोगिता और उर्दू सुलेख प्रतियोगिता के लिए लिया गया। छात्रों को आयु के आधार पर दो समूहों में विभाजित किया गया था। 10 से 15 साल के बच्चों को जूनियर ग्रुप में और 16 से 20 साल के बच्चों को सीनियर ग्रुप में रखा गया।

कार्यक्रम को डीएवी भरूच नगर के प्राचार्य निशांत कर, रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे, दानेश्वर मंच के अध्यक्ष प्रदीप करमाली, इंजीनियर जीतेंद्र दास, गिरि शंकर महतो, डॉ कफील अहमद कैफी, रिसर्च स्कॉलर जेबा शाहीन, मुफ्ती अब्दुल कुद्दूस, मुफ्ती इजहार, मौलाना मरगूब मिस्बाही, मौलाना मुजीब आलम, मौलाना कलीमुद्दीन, किशोर जहां और संजना करमाली ने भी संबोधित किया.

अब्दुल रशीद, सलीम खान, आरिफ कुरेशी, आसिफ इकबाल, रफीकुल्लाह, दिलदार अंसारी, रमीजुर रहमान, अकदस नदीम, मुहम्मद शाहिद रजा, सोहेल अख्तर, इमरान रजा खान, मौलाना मुहम्मद रजा, विक्की खान और राजा खान। इस कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र और जनता उपस्थित थी।

हेमंत सरकार विकास और पारदर्शिता के रास्ते पर, भाजपा केवल भ्रम फैलाने में व्यस्त : विनोद पांडेय

संवाददाता । रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाए गए हालिया आरोपों को पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा है कि भाजपा नेताओं को झारखंड की निरंतर प्रगति रास नहीं आ रही है, इसलिए वे लगातार झूठे आरोपों और भ्रम फैलाने की राजनीति कर रहे हैं।

झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार जनहित, पारदर्शिता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर काम कर रही है। भाजपा का एकमात्र एजेंडा है – झूठी कहानियां गढ़कर जनता का ध्यान भटकाना। लेकिन, झारखंड की जनता अब सब जानती है कि कौन काम कर रहा है और कौन केवल बयानबाजी में व्यस्त है।

भाजपा ने अपने शासन में जिन अफसरों का गुणगान किया अब उन्हें बता रहे पक्षपातीझामुमो प्रवक्ता पांडेय ने कहा कि पुलिस किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि संविधान की शपथ लेकर कार्य करती है। कहा - मरांडी जी यह भूल गए हैं कि किसी भी मामले में कार्रवाई साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया के तहत होती है। भाजपा जब सत्ता में थी, तब उन्हीं अधिकारियों की सेवा का गुणगान करती थी – आज वही अधिकारी उन्हें अचानक ह्यपक्षपातीह्न लगने लगे हैं। यह राजनीति नहीं, अवसरवाद है। झामुमो ने आरोप लगाया कि भाजपा जब भी किसी प्रभावशाली व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई होती देखती है, वह उसे ह्यराजनीतिक प्रतिशोधह्न बताकर जनता को गुमराह करने की कोशिश करती है।

बढ़ता वन, इको-टूरिज्म जैसी उपलब्धियां भाजपा को नहीं पच रही झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि वन विभाग में पदस्थापन और दायित्व वितरण पूरी तरह प्रशासनिक आवश्यकता और कार्य-सुविधा के अनुरूप है। किसी अधिकारी को अतिरिक्त जिम्मेदारी देना अनियमितता नहीं बल्कि काम की निरंतरता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है। अगर किसी अधिकारी के पास एक से अधिक दायित्व हैं, तो इसका अर्थ है कि सरकार उसकी दक्षता और अनुभव का उपयोग करना चाहती है। भाजपा को झारखंड में बढ़ते वनावरण, इको-टूरिज्म और हरित विकास की उपलब्धियां पच नहीं रही हैं, इसलिए वह अधिकारियों और विभागों की छवि धूमिल करने में लगी है।

भाजपा पुलिस बल के मनोबल को गिराने का प्रयास कर रही

झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि पुलिस पदक देने की प्रक्रिया गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय की अनुशंसा से तय होती है। मुख्यमंत्री का इसमें कोई सीधा हस्तक्षेप नहीं होता। किसी जवान का नाम सूची में आने पर उस पर राजनीतिक बयान देना अनुचित और असंवेदनशील है। उन्होंने सवाल किया कि - मरांडी जी मेहनती पुलिसकर्मियों की सेवा भावना का अपमान कर रहे हैं।

झामुमो प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा का ध्यान राज्य के विकास से नहीं, बल्कि झूठे आरोपों और मीडिया सुर्खियों पर है। जब-जब हेमंत सरकार जनहित में ठोस निर्णय लेती है, भाजपा अनर्गल आरोपों की बौछार करने लगती है। लेकिन, जनता अब भ्रमित नहीं होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड आत्मनिर्भरता, हरित विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

घाटशिला उपचुनाव में राजद ने जेएमएम प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष में जनसंपर्क

संवाददाता । रांची

आज दिनांक 9/11/25 को प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव के नेतृत्व में घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में महागठबंधन से जेएमएम प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष मे लोगों से जनसमर्थन मांगा !

इस दौरान यादव के साथ कांके से कांग्रेस विधायक सुरेश बैठा राजद प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती शारदा देवी महासचिव सुनीता चौधरी सुरेश यादव सहित कई लोग मौजूद थे !

यादव ने लोगों से कहा कि घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ कोई एंटी इनकंबेंसी नहीं है ! हेमंत के नेतृत्व में राज्य में जनप्रिय सरकार चल रही है ! इंडिया गठबंधन का उम्मीदवार तत्कालीन शिक्षा मंत्री दिवंगत रामदास सोरेन के निधन होने पर उनके बेटे सोमेश सोरेन मजबूत उम्मीदवार है इनके सामने भाजपा के डम्मी उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन है ! इसलिए लड़ाई काफी कमजोर है !

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में जेएमएम प्रत्याशी सोमेश सोरेन भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे !

मरकजी जमीअतुल मोमिनीन हिंदपीढ़ी, राँची पहले इजलास में लिया गया अहम फैसला

बैठक में समाज और संगठन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया और निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किए गए

संवाददाता । रांची

रांची ।हिंदपीढ़ी, राँची` दिनांक 7 नवंबर 2025मरकजी जमीअतुल मोमिनीन हिंदपीढ़ी, राँची की एक महत्वपूर्ण बैठक जनाब अतिकुर्रहमान साहब के मकान पर आयोजित की गई, जिसकी सदारत स्वयं जनाब अतिकुर्रहमान साहब ने की।

बैठक में समाज और संगठन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया और निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किए गए –

1. मासिक बैठकः प्रत्येक महीने के आखिरी रविवार को नियमित बैठक आयोजित की जाएगी।
2. सदस्य योगदानः प्रत्येक सदस्य महीने में तय रकम मरकजी फंड में जमा करेगा। यह नियम मजलिस-ए-शूरा के निर्णय के बाद लागू होगा।
3. सामाजिक अपीलः मरकजी समाज के लोगों से अपील करती है कि जिनकी मासिक आमदनी ?10,000 या उससे अधिक है, वे अपनी आय का कम से कम 1% (?100) मस्जिद, मदरसा, अंजुमन, कब्रिस्तान या अन्य सामाजिक संस्थाओं के सदस्यता हेतु अदा करें।
4. नए पंचायत की मान्यता के नियमः किसी भी नई पंचायत को मान्यता प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित में से कोई एक शर्त पूरी होना आवश्यक है –

4.1) पंचायत राज्य या सेंट्रल स्तर पर रजिस्टर्ड हो।

4.2) पंचायत में 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुष सदस्यों की संख्या 50 से अधिक हो।

4.3) पंचायत में 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुष सदस्यों की संख्या 20 से अधिक हो तथा उस क्षेत्र के 1 किलोमीटर के दायरे में कोई अन्य पंचायत न हो।

4.4) यदि पंचायत में 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुष सदस्यों की संख्या 20 से कम है, तो उसे केवल मजलिस-ए-शूरा की मंजूरी से मान्यता प्राप्त होगी।

- मासिक बैठक : प्रत्येक महीने के आखिरी रविवार को नियमित बैठक आयोजित की जाएगी।
- पंचायत में 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुष सदस्यों की संख्या 20 से अधिक हो तथा उस क्षेत्र के 1 किलोमीटर के दायरे में कोई अन्य पंचायत न हो।

मजलिस-ए-शूरा को यह अधिकार होगा कि वह चारों नियमों के अनुसार

- किसी भी पंचायत की मान्यता रद्द करे,
- दो पंचायतों का विलय करे, या
- एक पंचायत को दो में विभाजित कर सके।

मोमेंट्स मेकर 2025ः एनएसयूआई, मारवाड़ी कॉलेज, रांची विश्वविद्यालय समिति ने दिया फ्रेशर्स को शानदार स्वागत

संवाददाता । रांची

रांची ।भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) मारवाड़ी कॉलेज, रांची विश्वविद्यालय समिति के तत्वावधान में ह्लमोमेंट्स मेकरह्व (फ्रेशर्स पार्टी) का भव्य आयोजन वेन्डर मार्केट स्थित द रॉयल हाइट्स हॉल में अत्यंत सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मारवाड़ी कॉलेज एनएसयूआई अध्यक्ष इमदाद अंसारी के नेतृत्व तथा रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष कैफ अली के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में कली कुमारी, श्रृष्टि सिंह, जन्नत परवीन, आफताब अंसारी, आरिफ इकबाल, गुलाम अहमद सहित पूरी एनएसयूआई टीम का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम में रैपर तुषार राम और नगपुरी गायक पंकज नाग ने अपनी प्रस्तुतियों से पूरे माहौल को उत्साह और जोश से भर दिया। विद्यार्थियों ने रैम्प वॉक, सिंगिंग और डांसिंग के माध्यम से अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया और ह्लमोमेंट्स मेकरह्व को वास्तव में यादगार बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे रांची महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. श्री कुमार राजा, तथा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष (तेली समाज) श्री अरुण साहू।

विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे एनएसयूआई झारखंड प्रदेश अध्यक्ष श्री बिनय उराँव, प्रदेश महासचिव मुशर्रफ हुसैन, रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष कैफ अली, तथा एनएसयूआई रांची महानगर अध्यक्ष सतीश केसरी।

अपने संबोधन में डॉ. श्री कुमार राजा ने कहा ह्लविद्यार्थियों के बीच आकर कॉलेज के दिनों की यादें ताजा हो गईं। युवा ऊर्जा और उनकी प्रतिभा देखकर प्रसन्नता हुई।श्री बिनय ओराँव ने कहा ह्लएनएसयूआई सदैव छात्र हितों की आवाज रही है। ह्लमोमेंट्स मेकरह्व जैसे कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास, भाईचारे और सकारात्मकता को बढ़ावा देते हैं।एनएसयूआई रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष कैफ अली ने कहा ह्लमोमेंट्स मेकर सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नए छात्रों का स्वागत करने और उन्हें कॉलेज की रचनात्मक संस्कृति से जोड़ने का मंच है। एनएसयूआई छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा समर्पित रहेगी।अंत में एनएसयूआई ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

दो चोरी की मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया

संवाददाता । रांची

राँचीःकोतवाली थाना क्षेत्र से दो मोटरसाइकिल चोर 1. मृत्युंजय साव गुरारू गया,2.सिंटू कुमार इस्लामपुर नालंदा दोनों को है ।इनके पास से मोटर साइकिल खोलने का औजार भी मिला है ।ये दोनों वर्तमान में तिलता चौक रिंग रोड में रहते है।

उर्दू दिवस पर झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ की बैठक संपन्न, अल्लामा इकबाल को श्रद्धांजलि अर्पित, तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

संवाददाता । रांची

रांची, 09 नवंबर, 2025.उर्दू दिवस के अवसर पर झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ की एक विशेष बैठक आयोजित की गई. इस अवसर पर महान शायर, दार्शनिक और चिंतक डॉक्टर अल्लामा मोहम्मद इकबाल को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनकी साहित्यिक और वैचारिक सेवाओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई.संघ के महासचिव अमीन अहमद ने कहा कि अल्लामा इकबाल ने अपनी शायरी के माध्यम से पूरी उम्मत को जागरूक करने का काम किया. उन्होंने युवाओं को अपनी पहचान, आत्मविश्वास और कर्मशीलता की राह दिखाई. उनकी नज्में आज भी इंसान को बुलंद हौसले और खुदी के सिद्धांत पर चलने की प्रेरणा देती हैं. खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले, खुदा बंदे से खुद पूछे बता तेरी रजा क्या है, जैसी पंक्तियां हमेशा इंसान को मेहनत, ईमान और आत्मनिर्भरता का संदेश देती हैं. बैठक में पारित तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव

संघ की ओर से बैठक में तीन प्रमुख प्रस्ताव पारित किए गए1. एसए-1 परीक्षा में उर्दू विषय का प्रश्नपत्र उर्दू भाषा में देने की मांगःआगामी 16 दिसंबर से आयोजित होने वाले एसए-1 परीक्षा में वर्ग 1 से 5 तक के छात्रों के लिए उर्दू विषय का प्रश्नपत्र उर्दू भाषा में तैयार किए जाने की मांग की गई, ताकि विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा में परीक्षा देने का अवसर मिल सके. पूर्व में प्रश्न पत्र नहीं दिए गए हैं.2. अवकाश सूची पर असंतोषःसंघ ने इस बात पर गहरा खेद व्यक्त किया कि लिखित आश्वासन के बावजूद अब तक उर्दू विद्यालयों के लिए अलग से वार्षिक अवकाश सूची जारी नहीं की गई.संघ ने जेसीईआरटी से अपील की कि वर्ष 2026 की अवकाश तालिका में सामान्य विद्यालयों और उर्दू विद्यालयों की अवकाश सूची अलग-अलग जारी की जाए, ताकि उर्दू शिक्षकों और छात्रों को स्पष्टता मिल सके.3. आलिम व फाजिल की डिग्री को लेकर आपत्तिःसंघ ने जैक द्वारा मदरसा बोर्ड अंतर्गत आलिम एवं फाजिल की डिग्री जारी किए जाने को गलत करार दिया और कहा कि यह कार्य रांची विश्वविद्यालय का अधिकार है.संघ ने राज्य सरकार से विशेष कैबिनेट बुलाकर रांची विश्वविद्यालय को आलिम व फाजिल परीक्षा संचालित करने और डिग्री जारी करने की स्वीकृति प्रदान करने की मांग की.

ब्रीफ न्यूज

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए खादगढ़ा बस स्टैंड रांची में रक्तदान-महादान शिविर में 15 यूनिट रक्तदान सदर अस्पताल रांची को समर्पित हुआ.

संवाददाता ।

आज लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची एवं खादगढ़ा बस स्टैंड परिवार के द्वारा पहली बार बिरसा मुंडा बस टर्मिनल में रक्तदान- महादान शिविर टर्मिनल भवन में सम्पन्न हुआ।

रक्तदान-महादान शिविर में 15 यूनिट रक्तदान सदर अस्पताल ब्लड बैंक रांची समर्पित हुआ।

खादगढ़ा बस टर्मिनल के टीओपी प्रभारी सुनील कुमार ने रक्तदान किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची के सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि रक्तदान आयोजन बेहद सरहनीय एवं मानवीय संवेदना का लाजवाब प्रयास है,जो जारी रहना चाहिए जिसकी हर समय जरूरत है।थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की दवा सदर अस्पताल रांची से निःशुल्क मिलती है जो दवा आपलोगों को दूसरे राज्य से शुल्क देकर होम डिलीवरी कर मंगवानी होती है वह सदर अस्पताल से हर संभव प्रयास कर सभी दवाएं निःशुल्क मिलेगी।जल्द ही सदर अस्पताल रांची में बोन मैरो ट्रांसप्लांट होगा,12 से 28 नवंबर तक रक्तदान-महादान शिविर अभियान में आप सभी लोग रक्तदान शिविर आयोजित करने में सहयोग करें।

विशिष्ट अतिथि श्री महावीर मंडल रांची अध्यक्ष जयसिंह यादव एवं सेंट्रल मोहर्रम कमेटी रांची के महासचिव अखिलूर रहमान ने कहा कि हमलोगों के द्वारा सभी संगठनों को जोड़कर झारखंड सरकार के 12 से 28 तक के रक्तदान शिविर अभियान में श्रीमान डीसी रांची साहब के साथ चर्चा कर शिविर आयोजित होगा।

लहू बोलेगा एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन के द्वारा रक्तदान-महादान अभियान एवं प्रोत्साहन कार्यक्रम थैंक्यू अंकल अभियान के तहत जारी रहेगा। जिसमें थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों एवं दिव्यंजनों के लिए 25 नवंबर को चैरिटेबल कार्यक्रम सुर संगम सांध्य का आयोजन रांची में मेरी आवाज-मेरी पहचान के समन्वय से होगा।

कार्यक्रम में सभी अतिथियों एवं रक्तदाताओं को गुलाब पुष्प थैलेसीमिया पीड़ितों ने दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंट्रल मोहर्रम कमेटी रांची/केंद्रीय शांति समिति रांची के अकिलूर रहमान ने किया जबकि संचालन लहू बोलेगा के नदीम खान एवं धन्यवाद ज्ञापन बस टर्मिनल के निगम प्रभारी शंकर महतो ने किया।

रक्तदान करने में सुनील महतो,आशीष हांसदा,अशोक महतो,तन्मय रौशन,दिनेश महतो,इंजीनियर शाहनवाज,मो बब्बर, अमजद खान,सुधीर कुमार,निखिल कुमार, दीपक सिंह,निशांत शर्मा,पिंटू शर्मा एवं मुकेश कुमार शामिल थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, विशिष्ट अतिथि महावीर मंडल रांची के अध्यक्ष जयसिंह यादव,सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के महासचिव अकीलुर रहमान,बस टर्मिनल टीओपी प्रभारी सुनील जी,मौलाना डॉ ओबैदुल्लाह कासमी, बस टर्मिनल के निगम प्रभारी शंकर महतो, पूर्व पार्षद 12 के कुलभूषण डुंगडुंग,शिक्षक औरेन्जेब खान,समाजसेवी मो फिरोज, बस मालिक मुन्ना,जेएमएम नेता आफताब आलम,थैलेसीमिया पीड़ित परिजन संजय महतो,जगरनाथ महतो,संजय टोप्पो,देवकी देवी,शकुंतला,पीड़ित सोनम कुमारी,प्रगति, लहू बोलेगा के नदीम खान,इंजीनियर शाहनवाज अब्बास,मो बब्बर,आरटीआई एक्टिविस्ट अकरम राशिद,पत्रकार बुलंद अख़्तर आदि शामिल थे।

एकता कमेटी ने जरूरतमंद लोगों को भोजन कपड़े और वाटर बोतल वितरण किया

संवाददाता ।

रांची ।सामाजिक संस्था भारतीय एकता कमेटी के तरफ से आज रविवार को मुख्य कार्यालय करबला टैंक रोड के पास जरूरतमंद लोगों को कपड़े खाने का डब्बा और साथ में वाटर बोतल भी दिया गया ।इस शुभ कार्य में संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा मानवता इंसानियत के लिए शुभ कार्य नेक काम को करते रहे ।जिस दिन दुनिया से इंसानियत मानवता खत्म हो गई तो दुनिया भी खत्म हो जाएगा ।इसलिए इंसानियत मानवता को हमेशा जिंदा रखिए ।जो लोग भारतीय एकता कमेटी के चाहने वाले इस दुनिया से चले गए उसके लिए जरूर दुआ प्रार्थना कीजिए ।सचिव रामेश्वर राम ने कहा कि भारतीय एकता कमेटी का कार्य शुरू से सराहनीय है ।हम सभी को मिलजुल कर संस्था को सहयोग करनी चाहिए इस शुभ अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा सचिव रामेश्वर राम, प्रोफेसर मोहम्मद वसीम, मोहम्मद शमशाद, मोहम्मद अशफाक, मोहम्मद खुर्शीद, मोहम्मद इब्राहिम, मोहम्मद परवेज, जुनैद खान, मोहम्मद सुफियान, अहमद अली, मोहम्मद अयान, दुक्कु और कई लोग उपस्थित थे ।

फल गोदाम में रविवार को देर शाम भीषण आग

संवाददाता ।

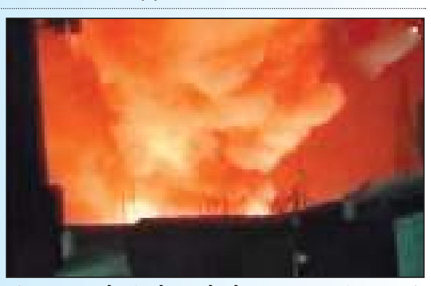

राँची। जिले के रातू के फुटकलटोली स्थित कमल कॉलोनी रोड नंबर 6 में फल गोदाम में रविवार को देर शाम भीषण आग लग गई। आग लगते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का प्रयास कर रही है।आग की लपटें तेज हो जाने के कारण काबू नहीं पाया जा सका। इस दौरान आसपास के कई घरों और दुकानों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी होगी। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को हटाने का प्रयास कर रही है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बरहरवा में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का भव्य आयोजन, बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लोगों को मिला मुफ्त इलाज और परामर्श

साहिबगंज, संवाददाता।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा में रविवार को प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वास्थ्य कर्मियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पाकुड़ विधायक निसात आलम ने दीप प्रज्वलित कर किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि विजय हांसदा, बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष अशोक दास, जिला अध्यक्ष बरकत खान, प्रखंड अध्यक्ष झामुमो अब्दुल गफूर, प्रखंड प्रमुख सुसीला हांसदा, उपप्रमुख कादिर, अंचलाधिकारी अनोज कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी दास, सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ. रामदेव पासवान तथा प्रखंड अध्यक्ष कांग्रेस रंजीत टुडू मंचासीन थे।स्वास्थ्य मेले का संचालन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. पंकज कर्मकार के नेतृत्व में किया गया। मेले में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों से आए ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।मेले में विभिन्न स्वास्थ्य जाँच एवं उपचार केंद्र लगाए गए थे, जिनमें प्रमुख रूप से एनएनसी (नवजात शिशु देखभाल केंद्र), राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके), कैंसर स्क्रीनिंग केंद्र, परिवार नियोजन परामर्श एवं साधन वितरण केंद्र, मलेरिया एवं कालाजार उपचार केंद्र, नेत्र जाँच केंद्र, दंत चिकित्सक काउंटर, जनरल ओपीडी एवं दवा वितरण केंद्र, रक्त जाँच एवं टी.बी. उपचार केंद्र, टीकाकरण केंद्र, कुष्ठ उपचार एवं परामर्श केंद्र, आयुष्मान भारत कार्ड एवं आभा आईडी निबंधन केंद्र, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) काउंटर। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों और सहिया दीदियों ने लोगों को विभिन्न बीमारियों से बचाव, पोषण, टीकाकरण, स्वच्छता और परिवार नियोजन से जुड़ी जानकारी दी। बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने स्वास्थ्य जाँच करवाई तथा आवश्यक दवाइयाँ मुफ्त में प्राप्त की। मुख्य अतिथि निसात आलम ने कहा कि सरकार की मंशा है कि स्वास्थ्य सेवाएं अब हर गाँव और आमजन तक पहुँचे। ऐसे मेले ग्रामीणों के लिए अत्यंत उपयोगी है, जहां एक ही जगह पर सभी चिकित्सा सुविधाएं मिल जाती हैं। सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि जिले के सभी प्रखंडों में इसी तरह के स्वास्थ्य मेले आयोजित कर आम जनता को लाभ पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में सहिया, एएनएम, डॉक्टर, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट तथा विभिन्न योजनाओं के प्रतिनिधि सक्रिय रूप से उपस्थित रहें। स्वास्थ्य मेला देर शाम तक चला और लोगों में इस पहल को लेकर उत्साह देखने को मिला।

पटवारी धर्मशाला में दस दिवसीय नवीन आचार्य प्रशिक्षण शिविर का विधिवत उद्घाटन

साहिबगंज, संवाददाता।

रविवार को पटवारी धर्मशाला बरहरवा में एकल अभियान उत्तर झारखंड संभाग के संताल प्रगना भाग का साहिबगंज अंचल में 10 दिवसीय नवीन आचार्य प्रशिक्षण शिविर का विधिवत उद्घाटन हुआ। उत्तर झारखंड संभाग के अभियान प्रमुख जीत लाल हसदा ने एकल अभियान के स्थापना काल से वर्तमान कालखंड का वृत्त प्रस्तुत किया, राष्ट्र के प्रति संकल्पित कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने सभी आयामों की वृहद चर्चा की और संचालित प्रकल्प जिनके द्वारा राष्ट्र उत्थान की दिशा में ग्राम उत्थान, ग्राम विकास, गौसंवर्धन, स्वावलंबन, पर्यावरण एवं ई- शिक्षा और सुदूर ग्रामीण पहाड़ क्षेत्र में कैसे शिक्षा का अलख जगाया जाए इस पर चर्चा की। मौके पर साहिबगंज अंचल के अध्यक्ष प्रमोद कुमार आजाद, कोषाध्यक्ष जवाहरलाल भगत, संताल प्रगना भाग के प्रमुख विनोद कुमार एवं साहिबगंज अंचल के अभियान प्रमुख झंडू नाग, गतिविधि प्रमुख हराधन भंडारी तथा प्रशिक्षण प्रमुख बिरुजी उपस्थित रहें। प्रशिक्षण शिविर में 50 की संख्या में नवीन आचार्य प्रशिक्षण लेने के लिए आए हैं। जिसमें से 30 बहनें एवं 20 पुरुष है। सभी का आवासीय प्रशिक्षण 10 दिन तक चलेगा।

हजारीबाग प्रेस क्लब में पत्रकारों के बीच भोज का सफल आयोजन

हजारीबाग, संवाददाता।

हजारीबाग प्रेस क्लब के वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण गुप्ता के सौजन्य से क्लब परिसर में सभी पत्रकार बंधुओं के लिए एक भोजन का आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम हर्षोल्लास और भाईचारे की भावना के साथ संपन्न हुआ, जिसमें क्लब के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी हजारीबाग प्रेस क्लब में सभी त्योहारों को उत्साहपूर्वक मनाया जाता रहा है। पिछले लगभग तीन वर्षों से यह भोज कार्यक्रम निरंतर आयोजित किया जा रहा है, जो क्लब के पत्रकार जगत की एकता और परंपरा को दर्शाता है। हजारीबाग प्रेस क्लब को पत्रकारिता के क्षेत्र में स्थापित हुए लगभग 40 वर्ष हो चुके हैं, और यह आयोजन क्लब की समृद्ध विरासत का प्रतीक है। इस अवसर पर उपस्थित सभी पत्रकारों ने कृष्ण गुप्ता के प्रयासों की सराहना की और एक-दूसरे के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। कार्यक्रम में सभी ने मिलकर भोजन का आनंद लिया और आपसी सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया। क्लब के अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल सदस्यों के बीच संबंधों को मजबूत करते हैं, बल्कि पत्रकारिता के मूल्यों को भी जीवंत रखते हैं।

कृष्ण गुप्ता ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी। भोज में स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया गया, जिसमें पकौड़े, चाट, दाल-चावल, सब्जी और मिठाई शामिल थीं। माहौल में हंसी-ठिठोली और पुरानी यादों का सिलसिला चलता रहा। युवा पत्रकारों ने वरिष्ठों से अनुभव साझा करने का अवसर पाया, जबकि वरिष्ठों ने नई पीढ़ी को प्रोत्साहित किया। हजारीबाग प्रेस क्लब लंबे समय से शहर की पत्रकारिता का केंद्र रहा है। यहां से कई प्रमुख खबरें और मुद्दे उठाए गए हैं। यह भोज न केवल एक सामाजिक आयोजन था, बल्कि पत्रकारों के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को बढ़ाने का माध्यम भी बना। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक साथ फोटो खिंचवाई और अगले आयोजन की योजना पर चर्चा की। यह शाम हजारीबाग के पत्रकार समुदाय के लिए यादगार बन गई।

स्वास्थ्य जागरूकता के लिए आयुष विभाग ने आमजन को दिया योग का प्रशिक्षण

पाकुड़, संवाददाता।

स्वस्थ शरीर ही सफल जीवन की आधारशिला है।इसी भाव को साकार करते हुए आयुष विभाग, पाकुड़ द्वारा जिलेभर में योग एवं आयुष चिकित्सा पद्धति को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।आयुर्विद्या कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित इस पहल का मुख्य उद्देश्य आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जीवनशैली में सुधार लाना एवं प्राकृतिक उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देना है। रविवार को पाकुड़, पाकुड़िया, हिरणपुर, महेशपुर, लिट्टीपाड़ा, अमड़ापाड़ा सहित अन्य 10 स्थानों पर योग प्रशिक्षकों द्वारा नागरिकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकों ने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के लाभों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

आयुष विभाग के पदाधिकारी ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से न केवल रोग-प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है, बल्कि मानसिक संतुलन और सकारात्मक सोच भी विकसित होती है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे प्रतिदिन योग का अभ्यास कर स्वस्थ समाज निर्माण में सहभागी बनें।

प्रयास इंडिया द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

सिंदरी /धनबाद।बीआईटी सिंदरी के छात्रों द्वारा संचालित सामाजिक संगठन प्रयास इंडिया के अंतर्गत 9 नवम्बर 2025 को डी.ए.वी. स्कूल, तासरा में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर की शुरूआत सुबह 7:30 बजे हुई, जिसमें छात्रों, युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसका उद्देश्य रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों की मदद और रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। शिविर का शुभारंभ घनश्याम सर की उपस्थिति में हुआ। के एम मेमोरियल हॉस्पिटल बोकारो, अशरफी हॉस्पिटल, धनबाद और एशियन द्वारकादास जलान सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल धनबाद की चिकित्सा टीम की देखरेख में स्वास्थ्य जांच के बाद सुरक्षित रूप से 189 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

ट्रेन की चपेट मे आने से एक व्यक्ति की मौत

साहिबगंज, संवाददाता।

मालदा मंडल के साहिबगंज-तालझारी रेलवे स्टेशन के बीच महाराजपुर स्टेशन के पोल संख्या 217/03 के समीप शनिवार की देर शाम को एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। शाम करीब 8:00 सूचना मिली कि रेलवे ट्रैक पर शव पड़ा हुआ है। घटना की सूचना रेल निरीक्षक के साथ आरपीएफ इंस्पेक्टर को दे दी गई। मामले को लेकर हिंदू धर्म रक्षा मंच के प्रदेश महासचिव बजरंगी महतो ने बताया कि घटना स्थल पर पहुंचे तो देखा कि एक व्यक्ति का शव डाउन लाइन रेलवे लाइन के बीच में पड़ा है। कर्मियों द्वारा शव को रेल लाइन से हटकर लाइन को क्लियर किया गया। इसके पश्चात स्टेशन मास्टर घटनास्थल पर पहुंचे व शव की तलाशी ली। उसके पास से कोई यात्रा टिकट नहीं मिला परंतु उसके पर्स से आधार कार्ड, पैन कार्ड, और एक रेल कार्ड मिला है। आधार कार्ड पर जटन मंडल, पिता गंगाराम मंडल, घर कुली दीपचंद्रपुर, जिला मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल लिखा है। वही शव को रेलवे पुलिस ने अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। रेलवे पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। शव के पैकेट से कुछ कागजात मिली है जांच की प्रक्रिया की जा रही है।

एसडीओ व सीओ ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व बल्लेबाजी कर किया उद्घाटन

साहिबगंज, संवाददाता।

जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में रविवार से सिदो-कान्हू स्टेडियम में अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूनार्मेंट का शुभारंभ हुआ। मुख्यतिथि सदर एसडीओ अमर जॉन आइन्द व विशिष्ट अतिथि सदर सीओ बास्कीनाथ टूडू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व बल्लेबाजी कर टूनार्मेंट का उद्घाटन किया। इसके पूर्व जिला क्रिकेट संघ की ओर से एसडीओ का बुके देकर स्वागत किया गया। इस दौरान एसडीओ ने कहा कि सभी खेल भावना के साथ अपने हुनर का प्रदर्शन करें। कहा कि खिलाड़ी पढ़ाई के साथ क्रिकेट व अन्य खेल में भी दिलचस्पी लें। क्रिकेट व अन्य खेलों में कैरियर की बेहतर संभावना है। एसडीओ ने खिलाड़ियों को भविष्य में जिला, राज्य व देश का नाम रोशन करने की शुभकामना दी।

संत जेवियर स्कूल ने जीता पहला मैच

उद्घाटन मैच माही स्पोर्ट्स ब्लू बनाम संत जेवियर स्कूल बी टीम के बीच खेला गया। माही स्पोर्ट्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 72 रन बना कर ऑल आउट हो गई। मो अयान वसीम ने 17 रनों की पारी खेली। संत जेवियर के गेंदबाज जुनैद परवेज ने 4, अभिज्ञान ने 3, अभिषेक व हर्ष ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी बाजी करने उतरी संत जेवियर स्कूल की टीम ने एक विकेट के नुकसान पर 8.2 ओवर में 76 रन बना कर 9 विकेट से मैच जीत लिया। आदित्य ज्ञान ने नाबाद 31 व अनुराग साहिल ने 25 रनों की पारी खेली। माही स्पोर्ट्स के गेंदबाज सूरज ने 1 विकेट लिया। संत जेवियर स्कूल के खिलाड़ी मो जुनैद परवेज को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा ने जुनैद को मैन ऑफ दी मैच ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम व चंदन यादव व स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया। मौके पर जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा, आफताब आलम, सतीश सिन्हा, चतुरानंद पांडेय, अशोक चौधरी, संतोष सिंह, डॉ तुफैल अहमद, डॉ कमल महावर, राकेश गुप्ता, गोपाल सिंह, राकेश कुमार रोशन व अन्य मौजूद थे। टूनार्मेंट इंचार्ज अशफाक आलम ने बताया कि 10 नवंबर को संत जोसेफ स्कूल बनाम माही स्पोर्ट्स येलो के बीच मैच खेला जाएगा।

राजमहल एवं उधवा प्रखंड के सभी सहिया साथी का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

साहिबगंज, संवाददाता।

अनुमंडल अस्पताल राजमहल में रविवार को असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी साहिबगंज के अध्यक्षता में राजमहल एवं उधवा प्रखंड के सभी सहिया साथी का एक दिवसीय स्वास्थ्य विभाग में समस्त कार्यक्रमों का उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमें आगामी एकीकृत रोग खोज पकवाड़ा पर विशेष रूप से जोड़ देते हुए स्वास्थ्य विभाग के समस्त कार्यक्रमों की जानकारी प्रखंड के एक-एक घर को देने का निर्देश दिया गया। मौके पर उपाधीक्षक अनुमंडल अस्पताल राजमहल, जिला सहिया समन्वयक संदीप कुमार, एसटीटी सदानंद यादव प्रखंड लेखा प्रबंधक अमित कुमार, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विकास फ्रांसिस खालको, प्रखंड डाटा मैनेजर नितिन मुर्मू आदि उपस्थित रहे।

पलामू- बिहार विधानसभा सभा आम चुनाव : गया जी और औरंगाबाद जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू

पलामू, संवाददाता।

बिहार विधानसभा सभा आम चुनाव 2025 को लेकर आगामी 11 नवंबर को बिहार के औरंगाबाद और गया जी जिले में मतदान होना है।विदित हो कि पलामू जिला के नौडीहा बाजार एवं मनातू से गया जी और हुसैनाबाद, हरिहरगंज एवं पिपरा से औरंगाबाद की सीमाएं लगी हुई हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में किसी तरह की कोई बाधा उत्पन्न ना हो इसे लेकर पलामू जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस ने उपर्युक्त वर्णित सीमावर्ती क्षेत्र के अंतर्गत पलामू जिला की सीमा से 3 किलोमीटर की परिधि में बिहार के संबंधित जिलों में चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक निषेधाज्ञा लागू रखने का आदेश दिया है।

निषेधाज्ञा के तहत

01. किसी भी व्यक्ति / राजनैतिक दल / संगठन के द्वारा राजनैतिक प्रयोजन से संबंधित किसी भी प्रकार की सभा, जुलूस, धरना या प्रदर्शन तथा ध्वनिविस्तारक यंत्र का प्रयोग बिना सक्षम पदाधिकारी की पूवार्नुमति के आयोजित नहीं किया जायगा। साथ ही अनुमति की शर्तों के प्रतिकूल कोई भी कार्य नहीं किया जायेगा।
02. झारखंड लाउडस्पीकरों के उपयोग और बजाने पर नियंत्रण अधिनियम, 1955 के रिकार्ड ध्वनि विस्तारक यंत्र का रात्रि प्रयोग प्रातः 10.00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक रहेगा।
03. कोई भी व्यक्ति अथवा राजनैतिक दल/संगठन किसी प्रकार का पोस्टर, पर्चा, आलेख, फोटो आदि अथवा किसी व्यक्ति विशेष के विरूद्ध आपत्तिजनक पर्चा, आलोक, फोटो आदि का प्रकाशन नहीं करेंगे। इस संबंध में किसी प्रकार का आपत्तिजनक, विधि विरूद्ध संदेश, हँ३२स्त्रस्त्र या रटर अथवा अन्य ईलेक्ट्रॉनिक्स माध्यम से आदान-प्रदान नहीं करेंगे।
04. कोई भी व्यक्ति किसी धार्मिक स्थल का प्रयोग राजनैतिक प्रचार के लिए नहीं करेंगे एवं साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काने का कार्य नहीं करेंगे।
05. भारतीय दण्ड संहिता में परिभाषित किसी भी अपराध करने तथा शांति भंग करने के उद्देश्य से पाँच या उससे अधिक व्यक्ति किसी भी स्थान पर एकत्रित नहीं होंगे।
06. कोई भी व्यक्ति / राजनैतिक दल / संगठन / मतदाताओं को डराने-धमकाने एवं किसी भी प्रलोभन में लाने का प्रयास नहीं करेंगे।
07. प्रदूषण फैलाने वाले प्रचार सामग्रियों का इस्तेमाल राजनैतिक प्रचार-प्रसार के लिए नहीं किया जायेगा।
08. कोई भी व्यक्ति आग्नेयास्त्र, तीर-धनुष, लाठी, भाला, गड़ासा एवं मानव शरीर के लिए घातक कोई भी हथियार का प्रदर्शन नहीं करेंगे।
09. किसी भी राजनैतिक दल / व्यक्ति / संगठन के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आर्दश आचार संहिता के संदर्भ में समय-समय पर जारी दिशा-निर्देश के विपरित कोई कार्य नहीं किया जाये।
10. यह आदेश पूर्व अनुमति प्राप्त सभा/जुलूस, शादी, बारात पार्टी, शव यात्रा, हाट बाजार, अस्पताल में ले जा रहे मरीज के साथ जाने वाले व्यक्तियों, विधालय एवं महाविधालयों में जाने वाले छात्र-छात्राओं एवं कर्त्तव्य पर तैनात सरकारी कर्मचारी/पुलिस बल पर लागू नहीं होगा।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह जिला प्रबंधक ने महेशपुर सहित विभिन्न प्रखंडों के गोदामों एवं पीडीएस दुकानों का किया औचक निरीक्षण

खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था, पंजी संधारण, वितरण प्रणाली एवं दाल भात केंद्र की हुई समीक्षा

पाकुड़, संवाददाता।

पाकुड़ : जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह जिला प्रबंधक, पाकुड़ अभिषेक कुमार सिंह द्वारा आज महेशपुर एवं अन्य प्रखंडों स्थित झारखंड राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लिमिटेड के गोदामों का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के क्रम में खाद्यान्न के सुरक्षित भंडारण, विभिन्न अभिलेख एवं पंजी के संधारण की स्थिति, गोदाम आधुनिकीकरण के तहत उपलब्ध कराई गई सामग्री तथा गोदामों के जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण से संबंधित कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।निरीक्षण के दौरान पाई गई त्रुटियों के समाधान हेतु संबंधित सहायक गोदाम प्रबंधक को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए।इसके अतिरिक्त, जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा महेशपुर प्रखंड अंतर्गत जन वितरण प्रणाली के कुछ विक्रेताओं की दुकानों का भी निरीक्षण किया गया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को निर्देश दिया कि लाभुकों का e-KYC कार्य शीघ्र पूर्ण करें तथा ह्लआहार दिवसह्व के दिन लाभुकों को खाद्यान्न वितरण हर हाल में सुनिश्चित करें।इसके अलावा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने पाकुड़िया प्रखंड के पाकुड़िया पंचायत भवन परिसर स्थित दाल भात केंद्र का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता, लाभुक उपस्थिति एवं वितरण प्रक्रिया की जाँच की गई तथा केंद्र संचालन से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी दाल भात केंद्रों में पारदर्शिता, स्वच्छता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि जरूरतमंदों को सुलभ दर पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो सके।

साइलेंस पीरियड शुरू, प्रशासन सतर्क मोड में

पूर्वी सिंहभूम। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने रविवार शाम 5 बजे से साइलेंस पीरियड लागू कर दिया। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि मतदान शुरू होने से 48 घंटे पहले प्रचार पूरी तरह बंद रहेगा। इस अवधि में किसी भी प्रकार का रोड शो, जुलूस या माइक से प्रचार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बाहरी राजनीतिक कार्यकताओं को क्षेत्र छोड़ने का निर्देश दिया गया है, अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। साइलेंस पीरियड लागू होते ही पुलिस ने घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के होटल, लॉज, मैरिज हॉल और वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी है। एसएसपी पीयूष पांडे के अनुसार, नकदी, नशीले पदार्थ और अवैध असलहों की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बस में युवती से की दोस्ती, फिर सैन्यकर्मी ने शादी का झांसा देकर किया यौन उत्पीड़न

बरेली, एजेंसी। बरेली की युवती ने मथुरा निवासी सैन्यकर्मी युवक व उसके दो भाइयों के खिलाफ बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। युवती ने बताया कि बस में सफर के दौरान मथुरा निवासी देशराज से मुलाकात हुई। दोनों में दोस्ती हो गई। फिर उनके परिजनों ने देशराज के परिवार से शादी के लिए बात हुई। इस पर उन्होंने बताया कि देशराज सेना में जम्मू में तैनात है, जल्द ही मैदानी इलाके में तैनाती होगी और तब उससे शादी कर लेंगे। युवती का आरोप है कि देशराज उसके साथ संबंध बनाने लगा। वह छुट्टी पर आता तो बरेली में उनके घर पर ही रुकता था। उसके भाइयों सोनी व रजपुरिया ने दहेज के नाम पर काफी रकम ले ली और अब इन लोगों ने शादी से इन्कार कर दिया है। इन लोगों ने अपने मोबाइल नंबर भी बंद कर लिए हैं। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि युवती की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

दिन निकलते ही 400 के पास पहुंच गया एयर क्वालिटी इंडेक्स, सांस लेना दूभर, अब गिरेगा पारा

मेरठ, एजेंसी। छुट्टी के दिन मेरठ का एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पास पहुंच गया। सुबह के समय स्मॉग इतना ज्यादा था कि एक्यूआई बढ़ता चला गया। एनसीआर में हालात खराब बने हुए हैं। फिलहाल मेरठ की हवा सांस लेने लायक नहीं है। एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण का लेवल लगातार बढ़ता जा रहा है। सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन हो रही है। रविवार की सुबह स्मॉग के कारण शहरवासी हलकान दिखाई दिए। शहर में अलग-अलग क्षेत्र में प्रदूषण का लेवल बढ़ा नजर आया। एनसीआर क्षेत्र में एयर क्वालिटी इंडेक्स लाल श्रेणी में दर्ज किया जा रहा है। वहीं अन्य दिनों की अपेक्षा मौसम में ठंड का असर बढ़ा दिखाई दिया। तापमान में कमी होने के चलते लगातार ठंड बढ़ती जा रही है। रात का पारा भी गिर रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के कारण मैदानी क्षेत्रों में सर्दी में आने वाले तीन-चार दिन में और इजाफा होगा। 2 से 3 डिग्री तक तापमान में गिरावट होने की संभावना बनी हुई है।

पीलीभीत में विश्व हिंदू परिषद का संगठन मंत्री गिरफ्तार, एडीएम ने दर्ज कराया मुकदमा; लगाए ये आरोप

पीलीभीत, एजेंसी। पीलीभीत शहर से सटी एक कॉलोनी की धारा-80 से जुड़ी झूठी शिकायत के जरिये वसूली और डराने-धमकाने के आरोप में पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के शाहजहांपुर विभाग संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। यह मुकदमा एडीएम वित्त एवं राजस्व ऋतु पूनिया की तहरीर पर दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एडीएम ने कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया है कि प्रिंस गौड़ ने मंडलायुक्त को एक पत्र भेजा था, जिसमें उनके खिलाफ तथ्यहीन और भ्रामक आरोप लगाए गए। पत्र में लिखा गया था कि एडीएम ने शहर से सटी कॉलोनी की धारा-80 की कार्रवाई की है, जबकि यह अधिकार क्षेत्र एसडीएम का होता है।

यूपी में युवक का गला काटा: घर जाते वक्त हुआ था विवाद, बेटे की लाश देख बेसुध हुई मां; पिता ने दी नामजद तहरीर

बलिया, एजेंसी। बलिया के मनियर थाना क्षेत्र के महलीपुर निवासी चंदन राजभर (24) की बीती रात अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना की खबर लगते ही क्षेत्र में खलबली मच गई। सूचना पर पहुंचे उच्चाधिकारियों ने मामले की जानकारी किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज मामले की छानबीन में जुट गई। गांव में तनाव को देखते हुए दो थानों की पुलिस तैनात है। महलीपुर गांव निवासी गणेश राजभर का बेटा चंदन राजभर देर शाम डेरा से घर पर खाना खाने जा रहा था। मनियर-बड़गांव मार्ग के महली पुर पुलिया के पास कुछ बदमाश पहले से बैठे हुए थे। चंदन को देख गाली-गलौज देते हुए धारदार हथियार से हमला कर दिया युवक बुरी तरह से घायल होकर जमीन पर बेसुध होकर गिर पड़ा। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां स्वास्थ्यकर्मी ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इमरजेंसी में चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक के पिता ने पुलिस को तीन लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर हत्या का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी कौशल पाठक ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम को भेज आगे की कार्रवाई में जुट गई है। पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। हत्या के पीछे युवकों के दो गुटों का विवाद बताया जा रहा है।

यूपी में एसआईआर: दो दिनों में 2003 की मतदाता सूची से मिलान का काम, बीएलओ से बुक से कर सकते हैं कॉल

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश में हो रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर शनिवार को सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। रिणवा ने निर्देश दिए कि जिन मतदाताओं के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में शामिल है, उनकी वर्तमान मतदाता सूची से मैपिंग (मिलान) का काम अगले 2 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाए। समीक्षा में यह पाया गया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों ने राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर उन्हें एसआईआर की प्रक्रिया की जानकारी दे दी है। उनसे बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने का अनुरोध भी किया गया है, जो पुनरीक्षण कार्यों में बीएलओ का सहयोग करेंगे।

गणना प्रपत्र वितरण में धीमी प्रगति वाले जिलों प्रयागराज, मेरठ, हरदोई, बहराइच, वाराणसी, बलरामपुर, सोनभद्र, गाजीपुर, देवरिया, अमरोहा, जौनपुर, फतेहपुर, गाजियाबाद, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कासगंज, आगरा, उन्नाव, बदायूं, बांदा और हापुड़ को वितरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को 15 नवंबर तक गणना प्रपत्र शत-प्रतिशत वितरित कराने के निर्देश दिए गए। सभी बीएलओ को यह निर्देश जारी करने के लिए कहा गया कि वे बीएलओ एप का एडवांस वर्जन-8.7 प्ले स्टोर से डाउनलोड कर लें। जिन मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किया जा रहा है, उनको बीएलओ एप पर मार्क करते रहें, जिससे कि वितरण की प्रगति ऑनलाइन अपडेट हो सके।

बीएलओ से संपर्क के लिए बुक करें कॉल : मतदाताओं की सुविधा के लिए बुक ए कॉल विद बीएलओ की सुविधा दी गई है। कोई भी मतदाता 1श्ङ्कद्दद्य.द्गष्द्य.द्दश1.द्बठ्ठ पोर्टल के माध्यम से अपने बीएलओ से बात करने का अनुरोध डाल सकता है। बीएलओ को अगले 48 घंटों के भीतर आवेदक से संपर्क कर समस्या का निदान करना होगा।

लापरवाही पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी : एसआईआर के दौरान सभी जिलों में जिला संपर्क केंद्र (डीसीसी) शुरू हो चुके हैं। डीसीसी में कॉल करने के लिए उस जिले के एसटीडी कोड के साथ 1950 डायल करना होगा। यह भी निर्देश दिए किसी भी भ्रामक पोस्ट पर तत्काल तथ्यपरक उत्तर दिया जाए। एसआईआर के दौरान किसी भी स्तर पर काम में लापरवाही और निर्देशों की अवहेलना पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। सीईओ ने राजनीतिक दलों से भी सहयोग मांगा।

माता-पिता के साथ सिर्फ इन परिवारिक लोगों के ब्योरे होंगे मान्य, बीएलओ को दिए गए निर्देश

मतदात सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में माता-पिता और दादा-दादी का ब्योरा ही मान्य होगा। यूपी में किसी अन्य रक्त संबंधी की डिटेल बीएलओ नहीं लेंगे। इस संबंध में सभी बीएलओ को निर्देश दे दिए गए हैं।

इन दिनों एसआईआर के लिए गणना फॉर्म वितरित करने का काम चल रहा है। गणना फॉर्म मतदाताओं को बांटने और इन्हें भरवाकर वापस लेने का काम 4 नवंबर को प्रारंभ हुआ था, जो 4 दिसंबर तक चलेगा। गणना फॉर्म में यह व्यवस्था की गई है कि अगर वर्ष 2003 की मतदाता सूची में किसी व्यक्ति का नाम है, तो उसे उस विधानसभा क्षेत्र की संख्या, भाग संख्या और क्रम संख्या का ब्योरा देना होगा। इसके बाद उससे कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा।

गणना फॉर्म एक कॉलम में यह व्यवस्था भी की गई है कि अगर उस व्यक्ति का खुद का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं है, पर उसके संबंधी (रिलेटिव) का नाम 2003 की सूची में है, तो वह अपने उस संबंधी का ब्योरा दे सकता है। बाद में आयोग की सुनवाई के दौरान उस संबंधी से अपना रिश्ता साबित करने के लिए उसे कोई एक मान्य दस्तावेज लगाना होगा।

यहां सवाल यह है कि संबंधी की श्रेणी में कौन-कौन आएगा। चुनाव आयोग के स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि इसमें सिर्फ माता-पिता, दादा-दादी और नाना-नानी की डिटेल ही भरी जा सकती है। जब कोई मतदाता अपना गणना प्रपत्र ऑनलाइन भरता है, तो उसमें इसे स्पष्ट भी किया जा रहा है। इसलिए किसी अन्य रक्त संबंधी यानी चाचा-ताऊ की डिटेल स्वीकार नहीं की जाएगी। यहां बता दें कि पश्चिमी बंगाल में रक्त संबंधियों में चाचा-ताऊ (अंकल) को शामिल करने की मांग उठ रही है।

20 साल में पुरुषों में बढ़ा 30 फीसदी नपुंसकता, विशेषज्ञ बोले- सोशल मीडिया नुस्खों से घट रहा स्पर्म काउंट

कानपुर, एजेंसी। पुरुषों में नपुंसकता की समस्या बढ़ रही है। 20 वर्षों में पुरुष नपुंसकता के रोगी 30 फीसदी बढ़े हैं। इनमें शुक्राणुओं की संख्या कम हो रही है। शुक्राणुओं की क्वालिटी भी गिरती जा रही है। एसोसिएशन सर्जंस ऑफ इंडिया की यूपी एएसआईकॉन-2025 में विशेषज्ञों ने बताया कि तनाव से नपुंसकता की समस्या बढ़ी है। सोशल मीडिया पर बताए जा रहे यौनवर्धक नुस्खों के सेवन से युवाओं में शुक्राणुओं का प्रतिशत घट रहा है।

बिठूर के एक होटल में आयोजित यूपी एएसआईकॉन के दूसरे दिन डॉ. मो. असलम ने बताया कि मस्तिष्क में हाइपोथैलेमस के नीचे पिट्यूटरी ग्रंथि होती है। इसके हार्मोंस के रिसाव का प्रभाव अंडकोष पर आता है और शुक्राणुओं का निर्माण होता है। अत्यधिक मानसिक तनाव के प्रभाव से पिट्यूटरी ग्रंथि का रिसाव प्रभावित होता है। इससे शुक्राणुओं की क्वालिटी और संख्या प्रभावित होती है।

29 फीसदी केस में हो जाता है गर्भधारण : अंडकोष के कार्य को टेस्टोस्टेरोन, एफएसएच, एलएच हार्मोन प्रभावित करते हैं। इनका संतुलन बिगड़ने से स्पर्म काउंट घट जाता है। ऐसे में अगर किसी दंपती के बच्चे नहीं हो रहे हैं, तो पति और पत्नी दोनों को जांच करानी चाहिए। उन्होंने बताया कि लो स्पर्म काउंट के मामले में विशेष तकनीक अपनाने पर 29 फीसदी केस में गर्भधारण हो जाता है।

बांझपन का शिकार लोग इलाज से ठीक हो जा रहे हैं : पिट्यूटरी ग्रंथि में ट्यूमर, जेनेटिक डिसऑर्डर से भी स्पर्म काउंट प्रभावित होता है। अपने मन से मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खाने वालों, गांजा, धूम्रपान और दूसरे नशे लेने वालों का भी स्पर्म काउंट नीचे आ जाता है। नशा स्पर्म की क्वालिटी को घटा देता है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के नुस्खों का इस्तेमाल करने से बांझपन का शिकार लोग इलाज से ठीक हो जा रहे हैं।

कोडीन सिरप के जरिए पूरे प्रदेश में फैला नशे का कारोबार, नेपाल और बांग्लादेश तक हुई सप्लाई

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में पकड़ी गई कोडीन युक्त कफ सिरप की आपूर्ति उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में हुई। यहां से सीमावर्ती जिलों और बिहार के रास्ते नेपाल भेजी गई है। पश्चिम बंगाल के जरिए बांग्लादेश तक दवाओं की आपूर्ति हुई है। इसके पुख्ता सबूत मिलने के बाद शनिवार को कंपनियों के निदेशकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। विभाग की जांच में यह पता चला कि लखनऊ फर्म अर्पिक फार्मासिस्यूटिकल और ईधिका लाइफसाइंसेज ने कोडीन युक्त सिरप अवैध बिल के जरिए तमाम फर्मों तक पहुंचाया। इसमें कुछ फर्म अवैध रूप से चल रही हैं तो कुछ का अस्तित्व ही नहीं है। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि इस कंपनी ने दवाओं की बिक्री उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ ही बिहार और पश्चिम बंगाल में भी किया है। आपूर्ति संबंधी बिल के सत्यापन के लिए कंपनी को नोटिस जारी किया गया, लेकिन कंपनी ने कोई जवाब नहीं दिया।

फर्जी बिल, गलत लाइसेंस नंबर से हुई दवाओं की आपूर्ति : लखनऊ मंडल से सहायक आयुक्त ब्रजेश कुमार ने बताया कि दोनों फर्मों के दस्तावेजों की जांच के दौरान यह बात भी सामने आई कि दोनों फर्मों ने फर्जी बिलों एवं काल्पनिक लाइसेंसधारी व गलत लाइसेंस नंबर के आधार पर भी कोडीनयुक्त सिरप की आपूर्ति और विक्रय किया। पहले भी इस कंपनी के खिलाफ कोडीनयुक्त सिरप को नशे के रूप में बेचने के मामले सामने आ चुके हैं। जांच में पता चला कि यह सिरप नशे के लिए ही उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और अन्य राज्यों में भेजा जा रहा है। इसका संगठित गिरोह है। इसे औषधि के रूप में प्रयोग करने के बजाय नशे के रूप में ही बेचा जा रहा है।

संदिग्ध मेडिकल स्टोर की सघन जांच जारी : आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ रोशन जैकब ने बताया कि प्रदेश में निरंतर जांच अभियान चल रहा है। जिन राज्यों में दवाओं की आपूर्ति होने के सबूत मिले हैं, वहां भी अवगत कराया गया है। अब तक 115 नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। 16 एफआईआर दर्ज कर 6 को गिरफ्तार किया गया है। 25 मेडिकल स्टोर्स पर कोडीन युक्त सिरप एवं नॉरकोटिक औषधियों की बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है।

भाजपा की एकता यात्रा में शामिल होंगे सीएम, शहर में बदला रहेगा यातायात- यहां किया गया बदलाव

गोरखपुर, एजेंसी। नगर निगम में सोमवार को सामूहिक वंदेमातरम और भाजपा की एकता यात्रा के चलते यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में शामिल होने के चलते ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन किया है। यह डायवर्जन सोमवार सुबह 07:00 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावी रूप से लागू रहेगी।

एंबुलेंस व अन्य इमरजेंसी वाहनों पर यह लागू नहीं रहेगा। एसपी ट्रैफिक ने आम जनमानस से अपील है कि अपने गंतव्य पर समय से पहुंचने के लिए एक घंटे पूर्व अपने स्थान से निकलना सुनिश्चित करें।

यह किया गया बदलाव : टीपीनगर से टीडीएम अहलादपुर होकर बेतियाहाता की तरफ आने वाले कामर्शियल वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। ये वाहन रुस्तमपुर चौराहा पैडलेगंज चौराहा होकर अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

शास्त्री चौराहा से कचहरी चौराहा की तरफ सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। यह वाहन शास्त्री चौराहा आंबेडकर चौराहा होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

घोष कंपनी से टाउनहाल की तरफ आने वाले वाहन शास्त्री चौराहा की तरफ डायवर्ट रहेंगे।

अग्रसेन तिराहा से टाउनहॉल की तरफ आने वाले वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। ये वाहन जुबली तिराहा बक्शीपुर होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

विजय चौराहा से गणेश चौराहा की तरफ आने वाले वाहन सुमेर सागर की तरफ डायवर्ट रहेंगे।

कालीमंदिर से गणेश चौराहा की तरफ आने वाले वाहन पुलिस लाइन तिराहा की तरफ डायवर्ट रहेंगे।

तमकुही तिराहा से कचहरी की तरफ आने वाले वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहन आंबेडकर चौराहा एवं हरिओम नगर तिराहा होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

पोस्ट ऑफिस तिराहा से किसी भी प्रकार के वाहन गणेश चौक की तरफ नहीं आएंगे। ये वाहन हरिओमनगर नगर तिराहा व आंबेडकर चौराहा से अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

आयकर भवन तिराहा से हरिओमनगर तिराहा की तरफ आने वाले वाहन पुराना आरटीओ तिराहा की तरफ डायवर्ट रहेंगे।

आंबेडकर चौराहा से तमकुही तिराहा की आने वाले वाहन छात्र संघ रुस्तमपुर होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

असुरन चौराहा से काली मंदिर की तरफ सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। ये वाहन कौवा बाग मोहद्दीपुर होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

हड्डी माई तिराहा से टाउन हॉल की तरफ सभी प्रकार के वाहन का जाना प्रतिबंधित रहेगा। ये वाहन अग्रसेन तिराहा से होकर अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

पुजारी आप ही हैं..., पूछकर बदमाशों ने छलनी कर दिया सीना

आवाज सुन पहुंचे परिजन, बदमाश भागे; रपट दर्ज

गाजीपुर, एजेंसी। गाजीपुर के शादियाबाद थाना क्षेत्र के सौरी ग्राम सभा में बीती रात लगभग एक बजे कुछ अज्ञात बदमाशों ने गांव निवासी बब्लू राय उर्फ लोखा पर जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने उन पर गोली चला दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

गोली की आवाज सुनते ही परिवार के लोग नींद से जाग गए और मौके की ओर दौड़े। इसी दौरान दोनों हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। घायल बब्लू राय जो पूजा-पाठ का कार्य करते हैं, को परिजनों ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति गंभीर देख ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया।

परिजनों में मचा कोहराम

सूचना मिलते ही सीओ भड़कुड़ा चोब सिंह और थानाध्यक्ष शादियाबाद श्यामजी यादव पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। थाना प्रभारी श्यामजी यादव ने बताया कि घटना की तहरीर दो अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मिली है, जिनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

घायल बब्लू राय ने बताया कि जब उन्होंने दो लोगों को आपस में बातचीत करते देखा और उनसे पूछा कि कौन हैं?, तो उनमें से एक ने कहा कि पुजारी आप ही हैं?, इतना कहते ही हमलावर ने दो गोलियां चला दीं। दोनों हमलावर पास में खड़ी बाइक से फरार हो गए। पुलिस ने पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया है और बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है।

दीप्ति का होगा ऐतिहासिक स्वागत...महिला आयोग की अध्यक्ष बोलीं- आगरा की बेटी ने बढ़ाया देश का मान

आगरा, एजेंसी। महिला क्रिकेट विश्वकप विजेता टीम की सदस्य दीप्ति शर्मा के आगरा आगमन की तारीख अभी तय नहीं हो सकी है। मगर, खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने दीप्ति के स्वागत को ऐतिहासिक बनाने की रूपरेखा तैयार कर ली है। वह इस दिशा में जुट भी गए हैं। उनका दावा है कि 8 साल पहले के रोड शो से बड़ा जश्न इस बार करेंगे। वहीं दीप्ति के स्वागत के लिए जगह-जगह होर्डिंग्स और बैनर लग गए हैं। मंटोला से लेकर संजय प्लेस, एमजी रोड, शाहगंज और बल्केश्वर तक के मुख्य चौराहों पर होर्डिंग नजर आ रहे हैं।

शहर की विभिन्न संस्थाएं और खेल प्रेमी इन दिनों दीप्ति शर्मा के भाई सुमित से लगातार संपर्क में हैं। वर्ष 2017 में जब दीप्ति शर्मा, पूनम यादव और हेमलता काला इंग्लैंड में खेले गए महिला विश्वकप (24 जून से 23 जुलाई) की उपविजेता टीम के रूप में भारत लौटी थीं, तब आगरा में उनका स्वागत किसी त्योहार से कम नहीं था। 28 जुलाई 2017 को भगवान टॉकीज से एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम तक आयोजित हुआ रोड शो आज भी लोगों की स्मृतियों में दर्ज है। अब जब दीप्ति विश्वकप विजेता बनकर लौट रही हैं तो शहर में वही उत्साह फिर लौट आया है। पूर्व क्रिकेटर हरविजय सिंह वाहिया, ताज मोटर स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष राजीव गुप्ता, महिला शक्ति सेना की अध्यक्ष डॉ. वत्सला प्रभाकर, लीडर्स आगरा के महासचिव सुनील जैन आदि इसके लिए लोगों से भी संपर्क कर रहे हैं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बोलीं, आगरा की बेटी ने बढ़ाया देश का मान

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के अवधपुरी स्थित आवास पर शनिवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान पहुंचीं। उन्होंने दीप्ति के पिता श्रीभगवान शर्मा, माता सुशीला शर्मा और भाई सुमित का मुंह मीठा कराया और कहा कि दीप्ति ने देश का मान बढ़ाया है।

डॉ. चौहान ने कहा कि आगरा से निकलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाना प्रेरणा का प्रतीक है। वह नई पीढ़ी की बेटियों के लिए आत्मविश्वास की मिसाल हैं। बेटी को आगे बढ़ाने में परिवार का सहयोग और विश्वास सबसे बड़ी पूंजी है। शर्मा परिवार ने यह साबित किया है कि समर्पण और समर्थन से कोई भी बेटी नई ऊंचाइयां छू सकती है। परिजन ने भी डॉ. बबीता चौहान का स्वागत किया।

शादी समारोह में युवक की हार्टअटैक से मौत, कार में इस हाल में मिली लाश; मच गई चीखपुकार

आगरा, एजेंसी। आगरा के एकता थाना क्षेत्र के एक होटल में शादी समारोह में शामिल होने आए युवक को कार में हार्ट अटैक आ गया। पता चलते ही साथी उसे अस्पताल ले गए लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। युवक प्रयागराज से आया था। परिजन शुक्रवार रात पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर चले गए।

प्रयागराज के गोपालगंज निवासी नवीन केशरवानी (22) व्यापारी सुगम अग्रवाल के साथ आगरा आए थे। सुगम अग्रवाल ने बताया कि तोरा चौकी के पास एक होटल में उनके साले की बेटी की शादी थी। उनके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी थे। नवीन खाना खाकर रात करीब 10 बजे कार में आकर सो गया।

वह शादी समारोह के समापन के बाद रात करीब दो बजे कार के पास आए। नवीन गहरी नींद में था। उन्होंने नवीन को होटल में जाकर सोने के लिए बोला लेकिन उसने मना कर दिया। वह होटल में लौट गए। सुबह करीब 8 बजे कार के पास अन्य लोग अपनी कार ले जाने के लिए आए। उन्होंने नवीन के शरीर में कोई हलचल न होने की सूचना दी।

सुगम ने बताया कि कार का शीशा आधा खुला था। नवीन आगे वाली सीट पर लेटा था। जल्दी से एंबुलेंस बुलाई और नवीन को अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर आई पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। ताज सुरक्षा एसीपी पीके राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया हार्टअटैक को मौत का कारण माना जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ सकेगी।एसएन मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग विभागाध्यक्ष डॉ. बसंत गुप्ता ने बताया कि सर्दी में नसें सिकुड़ जाती हैं। इससे कार्डियक अरेस्ट का खतरा बढ़ जाता है।

उच्च रक्तचाप और हृदय रोगी धूप खिलने के बाद घर से बाहर जाएं। चिकित्सक से मिलकर दवाएं भी एडजस्ट करवाएं। खास बात बिस्तर से उठने के बाद शरीर को वार्मअप जरूर कर लें। पसीना आना, घबराहट, भारीपन, सांस फूलना, सीने में भारीपन दिखे तो चिकित्सक को दिखाने में देरी न करें।

रबी फसलों के स्थान पर औषधीय एवं मसाला लगायें चन्द्रशूर

चन्द्रशूर एक ऐसी रबी औषधीय फसल है, जो विभिन्न प्रकार की भूमियों में बहुत ही कम संसाधनों में व सीमित सिंचाई साधनों के साथ उगाई जा सकती है।

वानस्पतिक विवरण

चन्द्रशूर का वानस्पतिक नाम लेपीडियम सटाइवम है एवं यह कुसीफेरी कुल का सदस्य है। मध्यप्रदेश में इसकी खेती सफलतापूर्वक व्यावसायिक स्तर पर की जा रही है।

चन्द्रशूर के अन्य नाम

असारिया, हालिम आली आरिया आदि।

चन्द्रशूर का पौधा 30–60 सेमी ऊंचा होता है जिसकी उम्र 3–4 माह होती है। इसके बीज लाल भूरे रंग के होते हैं जो 2–3 मिमी लंबे बारीक तथा बेलनाकार होते हैं। पानी लगने पर बीज लसलसे हो जाते हैं। इसकी खेती रबी के मौसम में की जाती है। इसका पौधा अलसी से मिलता जुलता होता है।

औषधीय उपयोग

चन्द्रशूर लम्बाई बढ़ाने एवं सुदृढ़ता के लिये बच्चों को दूध के साथ दिया जाता है महिलाओं की प्रसव के उपरांत दूध न उतरने पर इसका सेवन अत्यंत उपयोगी माना गया है, पाचन संबंधी विकार, नेत्र पीड़ा, बांत, मूत्र शुद्धि एवं प्रसव उपरांत टानिक के रूप में भी इसका प्रयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा में किया जाता है। पशु आहार में चन्द्रशूर के उपयोग से दुधारु पशुओं में दुग्ध उत्पादन बढ़ जाता है।

अधिक उत्पादन के प्रमुख बिन्दु

भूमि

चन्द्रशूर वैसे तो सभी प्रकार की मिटटी में उगाया जा सकता है लेकिन उत्तम जल निकास वाली बुलई, दोमट मिट्टी जिसका पी.एच.मान सामान्य हो उपयुक्त होती है।

खेत की तैयारी

खेत में 3–4 बार जुताई कर पाटा से खेत को समतल कर लें। अंतिम जुताई में 6 टन गोबर खाद प्रति हैक्टेयर डाले यदि खरीफ की फसल में गोबर खाद डाली हो तो खाद डालने की आवश्यकता नहीं है।

बुआई समय

असिंचित क्षेत्रों में सितम्बर से अक्टूबर में तथा सिंचित क्षेत्रों में अक्टूबर–नवम्बर माह में बोनी की जाती है।

बीज दर एवं विधि

बीज दर 8 से 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से प्र्याप्त होता है। कतारों से कतारों के बीच की दूरी 20 से 30 से.मी एवं बीज 1 से 1.5 से.मी. की गहराई पर डालें।

बीज उपचार

2 ग्राम थायरम . 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज के मान से बीज को उपचारित करें।

रसायनिक खाद

20 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम

स्फुर एवं 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टर के मान से बीज बुआई के पूर्व खेत में मिलायें।

खरपतवार रोकथाम

20 –25 दिन बाद खुरपी से खरपतवार निकालें।

सिंचाई

चन्द्रशूर की फसल असिंचित भूमि में ली जा सकती है किन्तु यदि 2 –3 सिंचाई उपलब्धता के आधार पर क्रमश: एक माह, दो माह, एवं ढाई माह पर सिंचाई करें तो यह लाभकारी होता है।

कटाई एवं गहाई

चन्द्रशूर की फसल 90 से 120 दिन के अंदर पक कर कटाई के लिये तैयार हो जाती है। पत्तियां जब हरे से पीली पड़ने लगे एवं फल में बीज लाल रंग का हो जाये तो यह समय कटाई के लिये उपयुक्त रहता है। हंसिये या हाथ से इसे उखाड़कर खलिहान में 2–3 दिन सूखने के लिये डाल दें फिर डंडे से पीटकर या ट्रैक्टर घुमाकर गहाई कर बीज को साफ कर लें।

उपज

असिंचित भूमि में 10–12 क्विंटल तथा सिंचित भूमि में 14–16 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज प्राप्त होती है।

विपणन

नीमच, रतलाम, एवं मंदसौर, की मंडियों में यह बिक जाता है।

चन्द्रशूर की प्रमुख विशेषताएं

- चन्द्रशूर विभिन्न प्रकार की भूमियों में उगाया जा सकता है।
- फसल की यदि 1–2 बार ही सिंचाई की जाये तो भी अच्छी उपज प्राप्त हो जाती है।
- चन्द्रशूर की खड़ी फसल को पशु नहीं चरते।
- चन्द्रशूर की खाद/उर्वरक की मांग भी अत्यंत सीमित है।
- चन्द्रशूर को सामान्यत: कीट–बीमारी कम लगती है।
- चन्द्रशूर के पौधों की वृद्धि तेजी से होती है, अत: नींदा कम पनप पाता है।
- कम लागत में अपेक्षाकृत अधिक लाभ देने वाली फसल है।
- किसान भाईयों को रतलाम, नीमच, मन्दसौर तथा इंदौर में बाजार होने से विपणन की समस्या नहीं।
- चन्द्रशूर मालवरोध, चोट, अपच जैसी बीमारियों/ विकारों में भी उपयोगी दवा है।

अधिक उत्पादन के प्रमुख बिन्दु

जलवायु

ठंडा सूखा वातावरण तथा खुले मौसम में ईसबगोल की फसल अच्छी होती है। फसल पकने के समय बादल नमी युक्त वातावरण अच्छा नहीं होता है ईसबगोल ऐसे समय में बोना चाहिये ताकि वह खुले मौसम में कट जावें अन्यथा पानी गिरने से इसका बीज खराब हो जाता है।

भूमि-

ईसबगोल सभी प्रकार की भूमि में पैदा किया जा सकता है परंतु उत्तम जल निकास वाली रेतीली दोमट भूमि इसके लिए उपयुक्त रहती है, जिसका पी एच मान 7 से 8 के बीच हो।

भूमि की तैयारी-

गोबर खाद भूमि में मिलाकर मिट्टी को बारीक भुरभुरी समतल निथार युक्त बनाकर सिंचाई की सुविधानुसार क्यारियों का आकार रखना चाहिये। बोनी लाईनों में या छिड़काव पद्धति से कर सकते हैं। लाइन से लाइन की दूरी 20 से मी रखना चाहिये।

उन्नत जातियां-

गुजरात ईसबगोल – 1, गुजरात ईसबगोल – 2 ये जातियां मध्यप्रदेश में 110 से 120 दिन में पककर तैयार होती हैं तथा 12 –14 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज देती है। जवाहर ईसबगोल–4। यह 15 –17 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज देती है।

बीज की मात्रा

4 से 5 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से प्र्याप्त होता है। कतारो से कतारो के बीच की दूरी 20 से 30 से.मी एवं बीज 1 से 1.5 से.मी. की गहराई पर बोएं।

बीज उपचार

2 ग्राम थायरम, 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज से बीजोपचार किया जाता है।

बोनी का समय

ईसबगोल अक्टूबर में बोना चाहिये। बोनी पश्चात हल्की सिंचाई करना चाहिये ताकि बीज अपने स्थान से न हटे। 6 से 10 दिन में अंकुरण हो जाता है।

खाद की मात्रा

गोबर खाद 15 टन प्रति हेक्टेयर आखिरी जुताई के साथ भूमि में मिलायें।

रसायनिक खाद

50 किलोग्राम नत्रजन (50 प्रतिशत बोते समय एवं 50 प्रतिशत एक माह बाद खड़ी फसल में प्रथम सिंचाई के समय), 40 किलोग्राम स्फुर, 20 किलोग्रान पोटाश प्रति हेक्टर बुआई के समय दें।

सिंचाई

पहली सिंचाई अंकुरण के लिये, द्वितीय सिंचाई 21 दिन बाद तथा तीसरी सिंचाई बालिया बनते समय देना चाहिये। ईसबगोल फसल मे कुल 3–4 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। ध्यान रहे कि पानी खेत में न भरे अन्यथा फसल मर जायेगी।

निंदाई

खरपतवार नष्ट करने के लिये 1–2 निंदाई करवाना आवश्यक है अन्यथा उपज में कमी आ जाती है।

कीड़े एवं बीमारी की रोकथाम

ईसबगोल मे मुख्य रुप से मोला (माहू) कीट का प्रकोप फूल अवस्था पर देखा गया है। कीट की रोकथाम के लिये मिथाइल डेमेटान 1 से 1.25 मिली दवा / लीटर पानी मे घोलकर छिड़काव करना चाहिये।

बीमारी

पावडरी मिल्ड्यू की रोकथाम के लिये 2 प्रतिशत घुलनशील सल्फर दो या तीन बार 15 दिन के अंतर से छिड़काव करें।

डउनी मिल्ड्यू बीमारी की रोकथाम के लिये 0.1 प्रतिशत बाविस्टीन का जैसे ही बीमारी दिखे छिड़काव करें तथा 8-10 दिन के अंतर से छिड़काव करें।

कटाई एवं गहाई

ईसबगोल फसल करीब 4-5 माह में पककर तैयार हो जाती है। जैसे ही पत्तियां पीली पड़े और बालियां हरे रंग से भूरे रंग की हो जाये तो फसल पक गई। फसल सुबह के समय काटना चाहिये जिससे उसके दाने गिरते नहीं है। फसल काटने के बाद 1 से 2 दिन सुखा कर गहाई करना चाहिये। बीज और छिलका को अलग करने के लिये ग्रेडिंग मशीन का उपयोग करना चाहिये। उपज में लगभग 30 प्रतिशत भूसी निकलती है जो औषधि के काम आती है।

उपज

ईसबगोल की उपज करीब 12 -15 क्विंटल प्रति हेक्टयर आती है।

ईसबगोल

ईसबगोल एक औषधीय पौधा है। इसकी खेती सबसे अधिक भारत में पैदा की जाती है। राज्यों में – गुजरात पंजाब और उत्तर प्रदेश प्रमुख है जहां ईसबगोल एक नगद फसल के रूप में पैदा की जा रही है।

ईसबगोल एक छोटा तना रहित शाकीय पौधा होता है इसके बीज का छिलका (भूसी) का उपयोग औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है। इसके बीज में क्यूसीलेज और एल्बोमीनियम पदार्थ सुरक्षित एवं अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बीमारियों जैसे आमशय की जलन, मूत्र रोग, स्थाई कब्ज, आंव व दस्त, बवासीर आदि रोगों की रोकथाम के काम आते हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक साझेदारी को नई दिशा देने की तैयारी, पीयूष गोयल पहुंचे ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में एक अहम दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के व्यापार व पर्यटन मंत्री सीनेटर डॉन फैरेल और कौशल व प्रशिक्षण मंत्री एंड्रयू जाइल्स से मुलाकात की। इस द्विपक्षीय बैठक का उद्देश्य भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाई देना था। बैठक में भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता पर विस्तार से चर्चा हुई। यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, इस बातचीत में सीईसीए वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा की गई और यह तय किया गया कि कैसे दोनों देश मिलकर व्यापारिक संबंधों को और मजबूत बना सकते हैं। खासतौर पर वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, निवेश और पारस्परिक लाभ के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले से ही मजबूत रणनीतिक संबंध हैं, लेकिन इस समझौते से इन संबंधों को और गहराई मिलेगी। दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि आर्थिक साझेदारी की पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

डॉलर की तेजी के कारण सोने में तीसरे सप्ताह गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट जारी रही। जानकारों का मानना है कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की सतर्क टिप्पणियों का निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की प्रतीक्षा और निगरानी की नीति के कारण सुरक्षित निवेश वाली इस परिसंपत्ति की मांग कम हुई है। दूसरी ओर, छुट्टियों के कारण छोटे कारोबारी सप्ताह में सर्राफा बाजार की कीमतें सीमित दायरे में बनी रहीं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव पिछले सप्ताह 165 रुपये यानी 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ शुक्रवार को 1,21,067 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

सितंबर में लोन की औसत ब्याज दर 0.24 फीसदी घटी

रेपो दरों में कटौती का दिखा असर

● 0.25 प्रतिशत सस्ते सरकारी बैंकों के कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी।
त्योहारी मौसम में बैंकों के कर्ज बढ़ाने और इस साल रेपो दर में एक फीसदी की कटौती से सितंबर में लोन की औसत ब्याज दर 0.24 फीसदी घट गई। हालांकि, लगातार पांच महीनों तक जमा पर ब्याज में कटौती के बाद बैंकों ने सितंबर में मामूली बढ़ोतरी कर दी। फरवरी से सितंबर के दौरान कर्ज की ब्याज दरों में 0.83 फीसदी और जमा ब्याज में 1.02 फीसदी की कटौती की गई।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के मुताबिक, भविष्य में ऋण दरों में सीमित कटौती की उम्मीद है। दिसंबर तिमाही में ये बढ़ भी सकती है। यह संभावना ऋण मांग में मौसमी वृद्धि और जमा राशि जुटाने में सुस्ती की उम्मीदों से बनी है। सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के नए ऋणों की औसत ब्याज दर सितंबर में तेजी से गिरकर 8.5 प्रतिशत हो गई। यह अगस्त की तुलना में 0.24 फीसदी कम है। उम्मीद से ज्यादा बड़ा यह सुधार ग्राहकों के लिए त्योहारी सीजन का तोहफा प्रतीत होता है।

उदाहरण के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा ने 28 अगस्त से खुदरा ऋण दरों में 0.25 से 0.70 फीसदी की कटौती की थी। आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई जैसे प्रमुख ऋणदाताओं ने सितंबर में कई ऑफर पेश किए। विभिन्न बैंकों ने कुछ निश्चित अवधियों पर सीमांत निधि आधारित उधार दर (एमसीएलआर) में 0.05 से 0.15 फीसदी तक कटौती की। इस कारण सितंबर में उधार दरों में भारी कमी आई।

सितंबर में सरकारी बैंकों के कर्ज औसतन 0.25 फीसदी सस्ते हुए। निजी क्षेत्र के बैंक स्थिर गति से आगे बढ़ रहे हैं। जून में उधार कटौती के बाद जुलाई में दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की। उसके बाद से उन्होंने लगातार दरें कम की हैं। सितंबर में निजी बैंकों के कर्ज की औसत ब्याज दरें 0.10 फीसदी कम हो गई। कुल मिलाकर, सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के नए कर्जों में मौजूदा ढील चक्र के दौरान 0.83 फीसदी की गिरावट आई है। यह जनवरी के 9.3 प्रतिशत से घटकर 8.5 प्रतिशत हो गया है। कर्ज की मांग बढ़ी तो घट गई नकदी कर्ज की मांग में तेजी से बैंकिंग सिस्टम की नकदी में गिरावट आ गई है। अगस्त में रोजाना की औसत नकदी 2.9 लाख करोड़ रुपये थी, जो सितंबर में कम होकर 1.6 लाख करोड़ रुपये रह गई। अक्तूबर में यह और घटकर एक लाख करोड़ रुपये हो गई। यह तब हुआ, जब आरबीआई ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में दो बार कटौती की थी। सीआरआर वह अनुपात है, जिस अनुपात में बैंकों को एक तय नकदी आरबीआई के पास रखनी होती है। तो पड़ सकता है ब्याज दरों पर दबाव

अक्तूबर में गिरते रुपये को सहारा देने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में सक्रिय रूप से आरबीआई हस्तक्षेप कर रहा है। अगर आरबीआई को और अधिक हस्तक्षेप करना पड़ा, तो इससे बैंकिंग प्रणाली की तरलता पर और दबाव पड़ सकता है। इससे उधारी पर कम हो रही ब्याज दरें आगे चलकर प्रभावित हो सकती हैं।

फरवरी में लंबे समय बाद घटी थी रेपो दर

फरवरी, 2025 में आरबीआई ने लंबे समय बाद पहली बार रेपो दर में कटौती की। बैंकों ने हर महीने कर्ज पर औसत ब्याज दर को 9 फीसदी तक घटाया। जून में यह कमी बढ़कर 0.58 फीसदी तक पहुंच गई। ऐसा इसलिए, क्योंकि आरबीआई ने रेपो दर में फिर से 0.50 फीसदी की कमी की। हालांकि, जुलाई में सरकारी बैंकों ने इसके उलट कर्ज की औसत ब्याज दरें 0.19 फीसदी तक बढ़ा दी। निजी क्षेत्र के बैंकों ने दर कटौती का चक्र जारी रखा। अगस्त में ढील फिर से शुरू हुई।

5.6 प्रतिशत पर पहुंची जमा पर ब्याज दरें

रिपोर्ट के अनुसार, जमा पर औसत ब्याज दरें अगस्त में कई वर्षों के निचले स्तर 5.56 फीसदी पर आ गई थी। हालांकि सितंबर में यह मामूली बढ़कर 5.6 फीसदी पर पहुंच गई। लेकिन फरवरी से लेकर सितंबर तक के दौरान इसमें 1.02 फीसदी की भारी गिरावट आई है। यह इसलिए हुआ क्योंकि उधारी पर भी ब्याज दरें इस दौरान तेजी से घटती रहीं और इससे बैंकों की लागत की दरें कम हो गई।

ग्रामीण भारत ने शहरी इलाकों को पछाड़ा

बढ़ती आय, आसान कर्ज और अच्छी बारिश से बढ़ा उपभोग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में उपभोग की रफ्तार अब शहरों से ज्यादा गांवों में देखने को मिल रही है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की ताजा इकोस्कोप रिपोर्ट रूरल रूल्स, अर्बन फॉलोज के मुताबिक, आय में बढ़ोतरी, कर्ज की आसान उपलब्धता और बेहतर मानसून के कारण ग्रामीण भारत में खपत तेजी से बढ़ी है। सरकार ने शहरी उपभोग को बढ़ाने के लिए आयकर में कटौती और जीएसटी सुधार जैसे कदम उठाए, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण इलाकों में खपत ज्यादा बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही से ग्रामीण खपत में लगातार इजाफा हो रहा है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में यह 7.7 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ी। यह पिछली 17 तिमाहियों में सबसे तेज है। हालांकि शहरी इलाकों में भी कुछ सुधार देखने को मिला है, लेकिन वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में वहां की खपत धीमी रही। त्योहारों के मौसम से पहले पेट्रोल की मांग और गैर-कृषि आयात जैसे संकेतकों में सुधार देखा गया है, जिससे उम्मीद है कि तीसरी तिमाही में शहरी खपत में तेजी आएगी। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण मांग आने वाले समय में भी मजबूत बनी रह सकती है। इसकी वजह है बढ़ती मजदूरी, अच्छी रबी फसल की संभावना और कम महंगाई। वहीं, त्योहारों के चलते शहरी मांग में भी सुधार की उम्मीद है।

संकटों से घिरी दुनिया में किसानों का कमाल, अनाज उत्पादन तोड़ेगा रिकॉर्ड

दुनिया के कई हिस्सों में खाद्य मुद्रास्फीति, जलवायु संकट और आपूर्ति व्यवधानों से लोग जूझ रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
संकटों से जूझ रही दुनिया में किसान अपना काम चुपचाप करते रहे। इसी का असर है कि इस साल वैश्विक अनाज उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना है। अनुमान है कि कुल उत्पादन 4.4 फीसदी बढ़कर 299 करोड़ टन तक पहुंच सकता है, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर होगा। यह वृद्धि उस समय हो रही है जब दुनिया के कई हिस्सों में खाद्य मुद्रास्फीति, जलवायु संकट और आपूर्ति व्यवधानों से लोग जूझ रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर मौसम, उन्नत कृषि तकनीक और निर्यात प्रतिबंधों में ढील ने इस सकारात्मक रुझान को संभव बनाया है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मक्का, गेहूं और चावल तीनों प्रमुख अनाजों की पैदावार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की उम्मीद है। सबसे अधिक उछाल मक्का की फसल में देखा जा सकता है, जबकि चावल की वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम रहेगी, लेकिन यह भी अपने इतिहास के उच्चतम स्तर तक पहुंचने की संभावना रखता है। इसके अलावा जौ जैसे अन्य अनाजों के उत्पादन में भी इजाफे की उम्मीद है।

अनुमान है कि 2025 के अंत तक वैश्विक अनाज भंडार 5.7 फीसदी बढ़कर 91.6 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाएगा। यह 2017-18 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर होगा। यानी वर्ष 2025-26 में दुनिया के पास जितना अनाज उपभोग के लिए आवश्यक होगा, उसका लगभग 31.1 प्रतिशत अतिरिक्त भंडार पहले से मौजूद रहेगा। यह अनुपात जितना ऊंचा होगा।

आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल ने बढ़ाया उत्पादन

2025 में चरम मौसमी घटनाओं के बावजूद वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड अनाज उत्पादन इसलिए संभव हो पा रहा है, क्योंकि कई देशों ने जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों और उन्नत बीजों का बड़े पैमाने पर उपयोग शुरू कर दिया था। वह आधुनिक सिंचाई प्रणालियां और सैटेलाइट आधारित फसल निगरानी तकनीक से उपज बढ़ा रहा है। वहीं, अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित कृषि पूर्वानुमान प्रणालियों और जलवायु-सहनशील फसलों के उपयोग ने उत्पादन को स्थिर बनाए रखा।

हर मंगलवार 5 बजे ऑफिस छोड़ने से मिला फायदा, वर्क लाइफ बैलेंस पर नेटफ्लिक्स के को-फाउंडर

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉर्पोरेट जगत में वर्क लाइफ बैलेंस को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। इस बीच नेटफ्लिक्स के सह संस्थापक मार्क रैंडोल्फ का नया बयान है। नेटफ्लिक्स के सह-संस्थापक मार्क रैंडोल्फ ने अपने व्यस्त जीवन में एक ऐसा नियम अपनाया, जिसने उन्हें तीन दशकों तक संतुलित और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाए रखा। रैंडोल्फ का यह नियम बेहद सरल है, हर मंगलवार शाम 5 बजे ऑफिस से निकल जाना, चाहे कुछ भी हो जाए।

कैसे बनाए रखा यह नियम: रैंडोल्फ ने एक पुराने लिंक्डइन पोस्ट में अपने इस रूटीन को याद करते हुए बताया कि यह आदत उन्होंने अपने काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए अपनाई थी। उन्होंने लिखा कि 30 साल से ज्यादा वक्त तक, मैं हर मंगलवार बिल्कुल 5 बजे ऑफिस से निकल जाता था बारिश हो या धूप, कभी भी देर नहीं की। उस शाम को मैं अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ बिताता था। हम कभी फिल्म देखने जाते, कभी डिनर करते या बस शहर में टहलते।

रैंडोल्फ के मुताबिक, उस समय कोई मीटिंग, कॉन्फ्रेंस कॉल या जरूरी काम भी इस रूटीन को नहीं रोक सकता था। उन्होंने कहा कि अगर किसी को मुझसे मंगलवार को 4:55 बजे बात करनी होती, तो उसे पार्किंग लॉट तक चलते हुए करना पड़ता था। अगर कोई संकट भी होता, तो हम उसे 5 बजे तक निपटा लेते थे।

भारत बना वैश्विक स्टार्टअप्स की पसंद: सिंगापुर और कनाडा की कंपनियां दिखा रहीं गहरी रुचि

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम अब विदेशी उद्यमियों को आकर्षित कर रही है। सिंगापुर और कनाडा के कई अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप्स ने भारत में अवसर तलाशने के लिए उत्सुक हैं। इन कंपनियों ने अपनी यह इच्छा ईपीआईसी 2025 ग्लोबल पिच प्रतियोगिता के दौरान व्यक्त की, जो हांगकांग साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क्स कॉर्पोरेशन (एचकेएसटीपी) की ओर से आयोजित की गई थी।

इस कार्यक्रम में 70 से अधिक अर्थव्यवस्थाओं से आए 1,200 आवेदनों में से 100 स्टार्टअप्स को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिनमें दो भारतीय कंपनियां भी शामिल थीं। इन्हें तीन कैटेगरी डिजिटल हेल्थ टेक, फिनटेक और ग्रीनटेक में चुना गया। यह वार्षिक आयोजन दुनिया भर के स्टार्टअप्स को निवेशकों, कॉर्पोरेट पार्टनर्स और उभरते बाजारों से जोड़ने का प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। एचकेएसटीपी के चेयरमैन सनी चाई ने कहा कि हम हांगकांग की वैश्विक कनेक्टिविटी को अवसर में बदल रहे हैं, ताकि आइडियाज सीमाओं के पार बढ़ें और विस्तार पा सकें।

भारत में स्टार्टअप्स के लिए बेहतरीन इकोसिस्टम: सिंगापुर स्थित एनईयू बैटरी मैटेरियल्स के संस्थापक और सीईओ ब्रायन ओह ने कहा कि उनकी कंपनी बैटरी रीसाइक्लिंग के क्षेत्र में वैश्विक समाधान देना चाहती है। उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ा बाजार है, जहां स्टार्टअप्स के लिए बेहतरीन इकोसिस्टम है। दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बड़ी संख्या भारत को बैटरी रीसाइक्लिंग के लिए उपयुक्त बनाती है। हम यहां की सरकारी नीतियों और पहलों के बारे में अधिक जानना चाहते हैं। वहीं सिंगापुर की बेली कंपनी के प्रोडक्ट इंजीनियर जेडन लू ने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था निवेशकों के लिए बड़ी संभावना पेश करती है। उन्होंने कहा कि भारत में विशाल जनसंख्या और मजबूत स्टार्टअप नींव के चलते निवेशकों के लिए बड़ा अवसर है। मैं भारत में स्टार्टअप्स का उज्ज्वल भविष्य देखता हूं। कनाडा स्थित केए इमेजिंग के अध्यक्ष और सीईओ अमोल एस कर्णिक ने कहा कि वे भारत में प्रवेश के अवसर तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत में सही साझेदार और निवेशक ढूंढ रहे हैं ताकि अपने काम को तेजी से आगे बढ़ा सकें।

अमेरिका के प्रतिबंधों का तोड़ निकालेंगे भारत, रूस

● डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने रूसी ऊर्जा कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर है। लेकिन हाल में रूसी कंपनियों पर लगे प्रतिबंधों के कारण भारत के लिए मुश्किल हो गई है।

ट्रंप प्रशासन ने रूसी ऊर्जा कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं, क्योंकि उनका दावा है कि ये कंपनियां रूसी युद्ध के लिए पैसा जुटा रही हैं। भारत की तेल सप्लाई में इन कंपनियों की करीब 60 फीसदी हिस्सेदारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार यह दावा कर रहे हैं कि भारत ने रूसी तेल का आयात काफी कम कर दिया है। लेकिन भारत में राजदूत डेनिस अलिपोव का कहना है कि रूस ने भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए एक भरोसेमंद साथी साबित किया है।

अलिपोव ने बताया कि दोनों देश रूसी तेल कंपनियों पर लगे एकतरफा प्रतिबंधों के बीच रास्ता निकालने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रूस भारत को सबसे अच्छी कीमत और गुणवत्ता वाले तेल के विकल्प दे रहा है। अलिपोव ने कहा, "रूस हाल ही में भारतीय बाजार में कच्चे तेल का एक बड़ा सप्लायर बन गया है। यह भारत के तेल आयात का एक तिहाई से ज्यादा हिस्सा पूरा करता है। रूस ने खुद को एक मजबूत साथी के तौर पर साबित किया है, जो सबसे अच्छी कीमत और गुणवत्ता वाले विकल्प दे सकता है।" प्रतिबंधों का असर

उन्होंने आगे कहा, "हमारी लगातार बातचीत भारत की जरूरतों को पूरा करती है और उसकी ऊर्जा क्षमता को बढ़ाती है। भले ही अतीत में हमारे साझेदारी को तोड़ने की कई कोशिशें हुई हों। इसलिए, हम निश्चित रूप से एक नया रास्ता निकालने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि हमारे दोस्ताना देशों के लोगों के फायदे के लिए द्विपक्षीय ऊर्जा संवाद जारी रहेगा। जब उनसे पूछा गया कि प्रतिबंधों का भारत-रूस संबंधों पर क्या असर होगा तो अलिपोव ने कहा, "अवैध एकतरफा प्रतिबंध आर्थिक विकास में बाधा डालते हैं, आम नागरिकों को प्रभावित करते हैं।"

पराग पारिख म्यूचुअल फंड ने बढ़ाई इन कंपनियों में हिस्सेदारी, लिस्ट में एचडीएफसी भी

नई दिल्ली, एजेंसी। चर्चित म्यूचुअल फंड कंपनी पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड ने 10 कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाया है। पीपीएफएएस म्यूचुअल फंड की तरफ से मासिक तौर पर जारी की जाने वाले रिपोर्ट के अनुसार आईटीसी, एचडीएफसी बैंक सहित 8 कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी को पिछले महीने बढ़ाया है। इस म्यूचुअल फंड कंपनी ने आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, सिप्ला, डॉ रेड्डी लैबोरेटरीज, ईआईडी पैरी इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया में हिस्सेदारी को बढ़ाया है। पराग पारिख ने आईटीसी के 30.50 लाख शेयर खरीदे हैं। जिसके बाद उनके कुल शेयरों की संख्या 13.87 करोड़ हो गई है। अक्टूबर से पहले म्यूचुअल फंड के पास 13.57 करोड़ शेयर थे। फ्लेक्सी कैप फंड ने एचसीएल टेक्नोलॉजी के 5.35 लाख शेयर खरीदे थे।

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणाली: मौतों का भयावह यथार्थ

ललित गर्ग

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ 'सफलता' का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है।

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिश्योक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा?

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ 'सफलता' का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को 'प्रदर्शन की प्रतियोगिता' बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है। एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में

डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-'पढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया।' आज की शिक्षा बच्चों को केवल 'जानकार' बना रही है, 'ज्ञानी' नहीं। विद्यालयों में रट्टामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा 'प्रतियोगिता का उद्योग' पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं।

साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी। नीति में 'होलिस्टिक लर्निंग', 'जॉयफुल एजुकेशन', 'रिड्यूस्ड बोर्ड प्रेशर' जैसे शब्द तो हैं, पर व्यवहारिक स्तर पर हालात में कोई ठोस परिवर्तन नहीं आया। स्कूलों में परीक्षा का दबाव जस का तस है, कॉलेजों में बेरोजगारी का डर और कोचिंग की होड़ बढ़ी है। शिक्षा नीति के भीतर आत्महत्या जैसे मानसिक स्वास्थ्य संकट पर कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। जब तक शिक्षा नीति का केंद्र मानव-निर्माण नहीं होगा, तब तक यह प्रणाली केवल आंकड़े बढ़ाएगी-आत्महत्याओं के भी और बेरोजगारों के भी। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निदेशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे।

शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है? महात्मा गांधी ने कहा था-'शिक्षा का अर्थ है शरीर, मन और आत्मा का सम्यक विकास।' स्वामी विवेकानंद ने भी कहा 'शिक्षा वह है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबल भर दे।' परंतु आज की शिक्षा न शरीर को स्वस्थ रख पा रही है, न मन को शांत, न आत्मा को ऊँचा। बच्चों को किताबों के बोझ तले दबा दिया गया है, पर जीवन की समझ नहीं दी गई। उन्हें बताया गया कि असफलता अपराध है, जबकि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक तो असफलता ही होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों को यह समझना होगा कि बच्चा कोई प्रोजेक्ट नहीं, एक जीवित आत्मा है। उसे सफलता के साँचे में ढालने से पहले उसे अपने ढंग से खिलने का अवसर देना जरूरी है। शिक्षक यदि केवल अंक देने वाले बन जाएँ और अभिभावक केवल रिपोर्ट कार्ड से बच्चे की योग्यता मापें, तो बच्चे का आत्मसम्मान कुचलना निश्चित है। जरूरी है कि घर और स्कूल दोनों जगह एक भावनात्मक संवाद स्थापित हो-जहाँ बच्चा अपनी असफलता, डर और उलझन को बिना भय के साझा कर सके।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। अधिकांश स्कूलों में काउंसलिंग सिस्टम या तो है ही नहीं या नाममात्र का है। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जाता कि 'तनाव से कैसे निपटें', 'असफलता को कैसे स्वीकारें' या 'भावनाओं को कैसे व्यक्त करें।' जिन्हें हम 'टॉपर' कहते हैं, वे अक्सर भीतर से टूटे हुए होते हैं। आत्महत्या करने वाले बच्चों के पीछे अक्सर यह मनोवैज्ञानिक सत्य होता है कि उन्होंने कभी किसी से अपनी व्यथा कही ही नहीं। शिक्षा को केवल सूचना-प्राप्ति का माध्यम नहीं, जीवन-समझ का साधन बनाना होगा। जब तक बच्चों को यह नहीं सिखाया जाएगा कि जीवन अंक-पत्र से बड़ा है, तब तक यह संकट बना रहेगा। विद्यालयों में ध्यान, योग, संवाद, कला, संगीत और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, संवेदना-केंद्रित संस्कृति गढ़नी होगी।

देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता। यह प्रश्न अब टालने योग्य नहीं रहा कि क्या हम बच्चों को पढ़ा रहे हैं या उन्हें धीरे-धीरे तोड़ रहे हैं? शिक्षा यदि आत्महत्या का कारण बन जाए, तो उससे बड़ा विडंबनापूर्ण पराजय कोई नहीं। जरूरत है ऐसी शिक्षा की जो बच्चों को जीवन से प्रेम करना सिखाए, न कि जीवन से भागना। महर्षि अरविंद ने कहा था-'सच्ची शिक्षा वह है जो भीतर की दिव्यता को प्रकट करे।' समय आ गया है कि हम शिक्षा की दिशा को पुनर्परिभाषित करें, जहाँ परीक्षा नहीं, व्यक्तित्व महत्वपूर्ण हो; रैंक नहीं, रचनात्मकता का मूल्य हो; और सफलता नहीं, संतुलन एवं सुख शिक्षा का लक्ष्य बने। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा-14,000 से बढ़कर, हमारी सामूहिक संवेदनहीनता की जीवित कब्र बन जाएगा। निस्संदेह, देश के स्कूली छात्रों में आत्मघात की प्रवृत्ति राष्ट्र की गंभीर क्षति है, जिसे संवेदनशील ढंग से दूर करने की तत्काल जरूरत है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन का कहर

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का मानवीय जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का शोर तो लंबे समय से सुनाई दे रहा है, लेकिन इसकी घातकता का अंदाजा कुछ समय पहले प्रकाशित प्रमाणिक वैश्विक सर्वेक्षण से सामने आया है। सर्वे बताता है कि भारत में पिछले साल बीस दिन लू का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन कारकों से अधिक गर्म हवाएं चलीं। यह भी कि वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 247 अरब घंटों का नुकसान हुआ, जिसके चलते श्रम क्षमता में कमी आने से 194 अरब डॉलर का नुकसान देखा गया। ह्यद लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025ह्ल रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन की विफलता से लाखों लोगों की जिंदगियां, स्वास्थ्य और आजीविका खतरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को मापने वाले 20 में से बारह संकेतक अब तक के सबसे उच्चतम स्तर तक जा पहुंचे हैं। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि ह्यद लांसेटह्ल की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं।

चिंतन-मनन

निष्ठावान बने रहें

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रूपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया।

किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है। सत्य के आधार पर असत्य और अहिंसा के आधार पर हिंसा चल रही है। सारे हिंसक बन जाएं, तो हिंसा अघिक नहीं चल सकती। हम गहराई से चिन्तन करें कि सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है निष्ठा, पराविद्या की निष्ठा। भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बना रहे। हम परम को भी देखें, अपरम को भी देखें। सत्यनिष्ठा रचनात्मक दृष्टिकोण की उपलब्धि ही तो है।

हर मोर्चे पर पिटती पाक सेना और मुनीर को तमगे

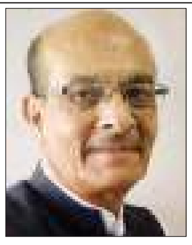

सनत जैन

पाकिस्तान की राजनीति और सेना के बीच का रिश्ता हमेशा से सत्ता संघर्ष और आपसी हितों की खींचतान में उलझा रहा है। मगर हालिया घटनाओं ने इस रिश्ते की जटिलता को और गहरा कर दिया है। जिस वक्त पाकिस्तान की सेना तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे संगठनों से बल्कि प्रत्येक मोर्चे पर लगातार पराजय झेल रही है, उसी वक्त शहबाज सरकार ने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को नई शक्तियां देने का रास्ता निकाल लिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संविधान में संशोधन का 27वां बिल संसद में पेश कर रक्षा बलों के प्रमुख का नया पद सृजित किया है और इस पद पर नियुक्ति का ताज असीम मुनीर के सिर सजने वाला है। यह संशोधन महज एक प्रशासनिक कदम नहीं कहा जा सकता बल्कि इसे सत्ता-संतुलन के खेल का अहम हिस्सा माना जाना चाहिए। यह कौन नहीं जानता कि पाकिस्तान में सेना की मर्जी के बगैर कोई भी लोकतांत्रिक सरकार चार दिन भी नहीं चल सकती है। सेना का प्रभाव इतना गहरा है कि सरकारें उसकी छाया में ही महफूज रहती हैं। ऐसे में रक्षा बलों के प्रमुख का नया पद बनाकर सरकार ने यह संकेत दे दिया है कि सैन्य तंत्र को अब संवैधानिक रूप से भी सर्वोपरि दर्जा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की सलाह पर यह नियुक्ति होगी, परंतु यह सलाह वस्तुतः औपचारिक्ता वाली रह जाएगी। सेना अब न केवल रक्षा नीति बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का भी निर्णायक चेहरा बनने की ओर अग्रसर है। दिलचस्प बात यह है, कि यह फैसला उस समय आया है जबकि पाकिस्तान की सेना अंदर और बाहर दोनों मोर्चों पर लगातार नाकाम साबित हो रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में एफ-16 समेत कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों के ध्वस्त होने के बाद पाकिस्तान को युद्धविराम की गुहार लगानी पड़ी थी। इस पराजय के तुरंत बाद असीम मुनीर को फील्ड मार्शल का तमगा देकर पुरस्कृत किया गया और अब उन्हें तीनों सेनाओं का सर्वोच्च प्रमुख बनाए जाने की तैयारी है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या पराजय को ढंकने के लिए सम्मान और पदोन्नति का यह खेल खेला जा रहा है? खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले की एक ताजा घटना ने पाक सेना की अक्षमता को और भी बेहतर ढंग से उजागर करने का काम किया है। दरअसल खबर है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लड़ाकों ने सेना की एक चौकी पर कब्जा कर सैनिकों को भागने पर मजबूर कर दिया। चौकी पर तालिबानी झंडा फहराया गया और पाकिस्तानी सेना के जवानों के हथियारों को कब्जे में ले लिया गया। यह वही इलाका है जहां कभी पाकिस्तानी सेना आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाने और अनेक लड़ाकों को मारने जैसे दावे करती थी। अब हालात इतने बिगड़ गए हैं कि तालिबानी संगठन खुलेआम अपनी चेकपोस्टें बना रहे हैं और स्थानीय इलाकों पर नियंत्रण कायम कर रहे हैं। पेशावर और बन्नू जैसे इलाकों में सरकार और सेना का प्रभाव घटता जा रहा है। इसे विडंबना ही कहा जा सकता है, कि जब पाकिस्तान की सीमाओं के भीतर उसकी सेना अपना नियंत्रण खोती जा रही है, तब वही सेना देश के भीतर सत्ता की बागडोर और मजबूत पकड़ बनाने में व्यस्त है। इससे साफ झलकता है कि पाकिस्तानी नेतृत्व की प्राथमिकता राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं, बल्कि सत्ता संरक्षण है। मुनीर को दिया जा रहा यह ह्यसुपर-सीओएसह्ल पद राजनीतिक व्यवस्था पर सेना के स्थायी कब्जे की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। उधर, आतंकवाद का पुराना चेहरा हाफिज सईद और उसके संगठन लश्कर-ए-तैय्यबा की पड़ोसी देशों में बढ़ती गतिविधियां एक बार फिर चिंता का सबब बनी हैं। एक वायरल वीडियो में लश्कर कमांडर सैफुल्लाह सैफ यह दावा करता नजर आया कि हाफिज सईद बांग्लादेश के रास्ते भारत पर हमले की योजना बना रहा है। इस दावे में सच्चाई चाहे जितनी भी हो, परन्तु यह साफ संकेत है कि पाकिस्तान की भूमि एक बार फिर आतंकवादी लॉन्चपैड के रूप में इस्तेमाल होने के लिए तैयार है। इससे दो बातें स्पष्ट होती हैं पहली, पाकिस्तानी शासन आतंकी ढांचों पर प्रभावी नियंत्रण खो चुका है और दूसरी, वह आतंकी समूहों को अपने रणनीतिक उपकरण की तरह अब भी इस्तेमाल करने से बाज नहीं आ रहा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह स्थिति पाकिस्तान के लिए घातक साबित हो सकती है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि मौजूदा हालात में पाकिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। बढ़ती बेरोजगारी और डॉलर की कमी से पाकिस्तान सरकार आईएमएफ की शर्तों को मानने पर बाध्य है, वहीं दूसरी ओर आतंकवाद के पुनरुत्थान और सैन्य वर्चस्व ने उसकी विश्वसनीयता को दुनियां के अधिकांश देशों के सामने और गिरा दिया है। इस पृष्ठभूमि में मुनीर को नया पद देकर शक्ति सौंपना लोकतंत्र को कमजोर करने की दिशा में एक और कदम है। पाकिस्तान की इस स्थिति को देखते हुए भारत को सीमा पर और अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। क्योंकि पाकिस्तान का हाल इन दिनों कुछ ऐसा ही नजर आ रहा है, कि हम तो डूबे हैं सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे। यह अलग बात है कि इस मामले में भी पाकिस्तान को मुंह की ही खानी पड़ेगी, क्योंकि पाकिस्तान की सेना आज भी दो मोर्चों पर पिट रही है, एक ओर आतंकी संगठनों से, दूसरी ओर अपनी ही असफल नीतियों से। बावजूद इसके, मुनीर को यूं तमगों से नवाजा जाना, पाकिस्तानी आवाम के गले से भी नीचे नहीं उतर रहा है। आम जनता भी यही कह रही है कि जब हर मोर्चे पर सेना हार रही है तो फिर ये तमगे क्योंकर और कैसे?

दो टूक : रेल सुरक्षा: सुधार की पटरियों पर कब चढ़ेगा सिस्टम?

योगेश कुमार गोयल

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है, जिसने सुरक्षा को केवल एक चुनावी 'घोषणापत्र' सरीखा बनाकर रख दिया है। बिलासपुर के लालखदान में हुआ हालिया रेल हादसा इसी गहरी लापरवाही का ताजा उदाहरण है, जहां एक मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए। इंजन मालगाड़ी के गार्ड केबिन पर चढ़ गया और वह मंजर किसी युद्धस्थल से कम नहीं था।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी 'कागज पर कवच' से ज्यादा कुछ नहीं है। इस हादसे की भयावहता के साथ ही जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं, तो एक सिहरन सी उठती है। महाराष्ट्र के ठाणे में जून 2025 में चार यात्रियों की मौत केवल इसलिए हुई थी क्योंकि भीड़भाड़ वाली दो लोकल ट्रेनों में पायदान पर लटकते यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए थे। बिहार के कटिहार में जून 2025 में अवध असम एक्सप्रेस रेलवे ट्रॉली से टकरा गई, जिससे एक ट्रॉलीमैन की मौत और चार कर्मचारी गंभीर घायल हुए। मार्च में ओडिशा के कटक जिले में बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। अप्रैल 2025 में झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई। जुलाई 2025 में उसी जिले के बरहड़वा में बिना लोको पायलट की 14 बोगियां तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी मालगाड़ी से जा टकराईं।

बिलासपुर का हादसा तो इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार रेल मंत्रालय बयान देता है, 'दोषियों पर कार्रवाई होगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', 'जांच समिति गठित की गई है', और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल 'प्रतिक्रिया देने वाला तंत्र' बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है?

भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत बड़ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी कि या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं।

इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। बीते वर्षों से 'कवच' सिस्टम को लेकर खूब प्रचार किया गया, कहा गया कि यह एक ऐसा स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम है, जो दो ट्रेनों को टकराने से बचाएगा लेकिन आज की हकीकत यह है कि देश के केवल 4 प्रतिशत रेल नेटवर्क पर ही कवच लागू हुआ है, बाकी 96 प्रतिशत ट्रैक आज भी मानव सतर्कता पर निर्भर हैं और यही सबसे बड़ा खतरा है। रेल प्रशासन का रवैया भी उतना ही असंवेदनशील है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है लेकिन यह मुआवजा न किसी बच्चे को उसका पिता लौटा सकता है, न किसी पत्नी को उसका पति, न किसी मां को उसका बेटा। जरूरत मुआवजे की नहीं, जवाबदेही की है।

यह दुर्भाग्य है कि जिस भारतीय रेलवे को 'विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था' कहा जाता है, वहां अब भी अधिकांश ट्रैक ब्रिटिश कालीन तकनीक पर चल रहे हैं। ट्रेन ड्राइवरों को 8 से 12 घंटे तक बिना विश्राम रेल चलाने की मजबूरी, सिग्नलिंग उपकरणों की खराबी और निरीक्षण प्रणाली की औपचारिकता, ये सब मिलकर दुर्घटना की जमीन तैयार करते हैं। ऐसी किसी भी घटनां के बाद हर बार राजनीतिक बयानबाजी शुरू होती है, रेल मंत्री हादसे की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान करते हैं और कुछ हफ्तों बाद कोई नई परियोजना या वंदे भारत उद्घाटन के बीच वह घटना जनता की स्मृति से मिट जाती है लेकिन जो परिवार अपनों को खो चुके होते हैं, उनके लिए वह हादसा जीवनभर की सजा बन जाता है।

भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50,000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है। नवंबर 2024 तक कवच सिस्टम लगभग 1,548 किलोमीटर ट्रैक पर लागू हो चुका था और उसके बाद से धीमी गति से इसका विस्तार जारी है। ऐसे में 2027 तक 50,000 किलोमीटर कवच से लैस करने का लक्ष्य प्राप्त करना अभी बहुत चुनौतीपूर्ण दिख रहा है और लक्ष्य से काफी पीछे है। विस्तृत कवच नेटवर्क के लिए काफी संसाधन और समय की आवश्यकता है। सवाल यह भी है कि जब देश अंतरिक्ष में चंद्रयान उतार सकता है तो पटरियों पर सुरक्षित यात्रा क्यों नहीं सुनिश्चित कर सकता? यह केवल तकनीक का नहीं, प्राथमिकता का प्रश्न है। जब तक सुरक्षा को मुनाफे से ऊपर नहीं रखा जाएगा, जब तक रेल बजट में सुरक्षा खंड को लागत नहीं बल्कि निवेश नहीं माना जाएगा, तब तक यह रक्तरंजित यात्रा जारी रहेगी।

बहरहाल, अब समय आ गया है, जब रेल हादसों को मात्र दुर्घटनाएं कहकर टाला नहीं जा सकता क्योंकि ये घटनाएं अब प्रशासनिक अपराधों का रूप ले चुकी हैं। हर साल निर्दोष नागरिकों की जानें जाती हैं और जिम्मेदारी जांच रिपोर्टों की धूल में दबी रह जाती है। देश को अब उस मानसिकता से बाहर निकलना होगा, जहां 'हादसे के बाद कार्रवाई' ही नीति बन चुकी है। आवश्यकता है ऐसी व्यवस्था की, जो दुर्घटनाओं से पहले सतर्कता और रोकथाम सुनिश्चित करे। यात्रियों की सुरक्षा कोई दया नहीं, उनका संवैधानिक अधिकार है, जो केवल कागज पर नहीं, पटरियों पर भी सुरक्षित होना चाहिए। जब तक हर ट्रेन यात्रा भय से नहीं, विश्वास से शुरू और समाप्त नहीं होती, तब तक भारतीय रेल प्रगति की नहीं, असंवेदनशीलता की प्रतीक बनी रहेगी। सच्चा विकास तभी होगा, जब हर गंतव्य तक पहुंचने वाली ट्रेन हर यात्री को सुरक्षित जीवन की गारंटी दे सके।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

मेरे लिए दर्शक ही सबसे बड़ा पुरस्कार

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'हक' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। 'हक' अपनी रिलीज के करीब है और यामी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। 'विकी डोनर' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली यामी गौतम ने अपने करियर में कई सराहनीय भूमिकाएं भी निभाई हैं। अब यामी ने कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बावजूद उन्हें जीत न पाने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि नॉमिनेशन मिलने के बाद अवॉर्ड न मिलने पर उन्हें कैसा महसूस होता है।

यामी ने भगवत गीता का किया जिक्र

बातचीत के दौरान यामी ने कोई बड़ा अवॉर्ड न जीत पाने पर कहा कि इन पुरस्कारों को खोना उन्हें परेशान नहीं करता। इस दौरान भगवत गीता का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जितना मैंने भागवत गीता को समझा है, भगवान कृष्ण ने अर्जुन से जो कहा वह सच है। ऐसा नहीं है कि मैं सबसे आदर्श इंसान की तरह इतनी अलग हो गई हूं, लेकिन अगर आपमें सफलता और हारने के डर से अलग होने या किसी और के नजरिए से मान्यता पाने की क्षमता है, तो आप ठीक हैं। मैंने किसी से किसी भी तरह की मान्यता लेना बंद कर दिया है। अगर अवॉर्ड मिलता है तो मैं बहुत अच्छी एक्ट्रेस हूं, वरना शायद नहीं हूं। ऐसा मेरे साथ बिल्कुल भी नहीं है।

दर्शक मुझे प्यार करते हैं, और क्या चाहिए

साल 2013 में आई अपनी पहली फिल्म 'विकी डोनर' के लिए यामी ने बेस्ट डेब्यू फीमेल के कई अवॉर्ड जीते थे। लेकिन उसके बाद कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बाद भी, यामी उन्हें जीत नहीं पाईं। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि अब वह दर्शकों की प्रतिक्रिया से अपनी मान्यता लेती है। मेरे दर्शक मुझे प्यार करते हैं, कुछ निर्देशक और निर्माता मुझ पर दांव लगाने को तैयार हैं, इससे बड़ा पुरस्कार मेरे लिए क्या है। बाकी सब आना जाना है। लेकिन अगर यह किसी को खुश करता है, तो बढ़िया।

शाह बानो केस पर आधारित है 'हक'

जल्द ही इमरान हाशमी के साथ कोर्ट रूम ड्रामा 'हक' में नजर आएंगी। शाह बानो केस से प्रेरित इस फिल्म में यामी एक मुस्लिम महिला की भूमिका में हैं, जो देश के कानून को चुनौती देती है और तलाक के बाद अदालत में अपने लिए गुजारा भा मांगती है।

'होमबाउंड' को फ्लॉप नहीं मानते ईशान

नेशनल अवॉर्ड विनर निर्देशक नीरज घेवान की पिछली फिल्म 'होमबाउंड' को दुनियाभर से प्रशंसा मिली। फिल्म को कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में भी सराहा गया। यही नहीं 'होमबाउंड' भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए भी भेजी गई है। लेकिन इस सबके बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और औंधे मुंह गिरी। अब फिल्म के लीड एक्टर ईशान खट्टर ने 'होमबाउंड' के फ्लॉप कहे जाने और बॉक्स ऑफिस नंबर्स को लेकर प्रतिक्रिया दी है। बातचीत के दौरान ईशान ने होमबाउंड को लेकर बात की और कहा कि इसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। अभिनेता ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह फिल्म असफल है। मुझे लगता है कि फिल्मों का सफर अलग होता है। जहां तक बॉक्स ऑफिस की बात है, मुझे लगता है कि यह फिल्म लंबे समय तक चलेगी। मैं बॉक्स ऑफिस नंबर्स को इनकार करने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। मुझे आंकड़े बहुत अच्छी तरह पता हैं। लेकिन हमारी उम्मीद है कि यह फिल्म ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे। इसमें मैं अपनी कोशिशों में कोई कमी नहीं आने दूंगा।

एक समय ऐसी फिल्में भी करेंगी अच्छी कमाई

बॉक्स ऑफिस पर छोटी फिल्मों के न चल पाने और अच्छी कमाई करने की जरूरत पर ईशान ने कहा कि एक समय ऐसा आएगा जब ऐसी फिल्में भी किसी बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म जितनी कमाई करेंगी। इससे चीजें बदल जाएंगी। इससे एक ऐसा माहौल बनेगा जहां ऐसी फिल्मों को पनपने व ज्यादा बनने का मौका मिलेगा। अभी बदकिस्मती से आपको ऐसी फिल्में कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं। लेकिन इसमें बदलाव लाने के लिए दर्शकों को भी सहयोग करना होगा।

नीरज घेवान ने किया है निर्देशन

कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान दो प्रवासी मजदूरों की सच्ची कहानी पर आधारित है। फिल्म में एक मुस्लिम और दलित की बचपन की दोस्ती दिखाई गई है, जो पुलिस की नौकरी पाने के लिए प्रयासरत हैं। जिन्हें लगता है कि यह नौकरी उन्हें वह सम्मान दिलाएगी, जो उन्हें अपनी-अपनी पृष्ठभूमि के कारण लंबे समय से नहीं मिल पाया है। धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

सनी लियोनी संग शो 'स्प्लिट्सविला' होस्ट करेंगे करण कुंद्रा

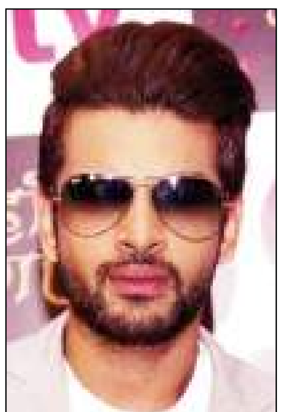

सीरियल 'कितनी मोहब्बत है' से करण कुंद्रा को पॉपुलैरिटी मिली। इसके बाद वह कई टीवी सीरियल का हिस्सा बने। आगे चलकर रियलिटी शो के होस्ट के तौर पर भी नजर आए। एमटीवी के 'रोडीज' और 'लव स्कूल' को करण कुंद्रा होस्ट कर चुके हैं। जल्द ही वह 'स्प्लिट्सविला X6' को होस्ट करेंगे। शो में उनकी को-होस्ट सनी लियोनी हैं। 'स्प्लिट्सविला X6' को लेकर करण कुंद्रा काफी एक्साइटेड हैं। वह पीटीआई से की गई बातचीत में कहते हैं, 'मैं 6 साल बाद एमटीवी पर वापस आ रहा हूं, यह बिल्कुल घर लौटने जैसा है। 'स्प्लिट्सविला' शो तो मुझे हमेशा पसंद है। यह शो मॉर्डन लव की जर्नी को दिखाता है।' करण आगे कहते हैं, 'स्प्लिट्सविला' के नए सीजन को सनी लियोनी के साथ होस्ट करना एक शानदार एक्सपीरियंस होगा। मैं यह देखने के लिए एक्साइटेड हूं कि कंटेस्टेंट्स क्या नए ट्विस्ट शो में लेकर लाते हैं। मुझे भरोसा है कि यह सीजन पहले से ज्यादा बोल्ड होगा, सरप्राइज से भरा होगा।'

क्या है शो का कॉन्सेप्ट

करण कुंद्रा ने तनुज विरवानी को 'स्प्लिट्सविला' के नए सीजन में रिप्लेस किया है। जहां तक शो के कॉन्सेप्ट की बात है तो इसमें यंग लड़के, लड़कियां एक विला में साथ रहते हैं। यहां पर वह किसी खास शख्स के प्यार को पाने की कोशिश करते हैं। शो के दौरान कंटेस्टेंट्स को कई टास्क भी दिए जाते हैं। शो के आखिरी में एक कपल को विनर बनाया जाता है।

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों को लेकर सोनाक्षी सिन्हा ने किया बड़ा खुलासा

साउथ अभिनेता सुधीर बाबू अभिनीत आगामी फिल्म जटाधरा में सोनाक्षी सिन्हा अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री की यह पहली साउथ फिल्म होने वाली है। एट्रेस ने साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम के तरीके पर चर्चा की है।

काम के घंटो को लेकर या बोलीं सोनाक्षी सिन्हा?

सोनाक्षी सिन्हा से हिंदी और तेलुगु इंडस्ट्री के काम करने के तरीके में अंतर के बारे में पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, ज्यादा अंतर नहीं हैं लेकिन उनकी (साउथ) टाइमिंग बहुत अच्छी है, बहुत व्यवस्थित है। वे सिर्फ कुछ खास घंटों के लिए ही काम करते हैं। वहां वर्क-लाइफ बैलेंस बहुत अच्छा है, जो हम उनसे जरूर सीख सकते हैं। मुझे लगता है कि यह उस बारे में सच में बहुत अच्छी बात है। मैं कहूंगी कि यह थोड़ा ज्यादा अनुशासित है।

अलग-अलग भाषाओं में फिल्म करना चाहती हैं अभिनेत्री

अभिनेत्री ने आगे बातचीत करते हुए कहा, मैंने पहले एक तमिल फिल्म (लिंगा) की है और अब यह तेलुगु फिल्म कर रही हूं। मुझे नहीं लगता कि अब भाषा कोई रुकावट है। मैं और भी भाषाओं को एसप्लोर करना चाहूंगी।

निर्देशकों के विजन को फॉलो करती हैं एक्ट्रेस

सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, मैं अपने निर्देशकों के विजन को फॉलो करती हूं क्योंकि वे फिल्म के साथ ज्यादा समय तक रहे हैं। वे राइटिंग प्रोसेस का हिस्सा रहे हैं, इसलिए उन्हें आइडिया होता है। और एक एक्टर के तौर पर, यह मेरा काम है कि मैं उसे पूरा करूं। अगर मुझे लगता है कि मेरे इनपुट की जरूरत है, अगर मैं इसे किसी खास तरीके से निभाना चाहती हूं या कुछ अलग करना चाहती हूं, तो मैं कहती हूं। लेकिन ज्यादातर, मैं वही करने की कोशिश करती हूं, जो मेरे डायरेक्टर का विजन होता है।

'किंग' में दीपिका से रोमांस करेंगे शाहरुख

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में शाहरुख के 60वें जन्मदिन के मौके पर फिल्म से उनका लुक और टाइटल रिवील किया गया। इसने सामने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और व्यूज के मामले में रिकॉर्ड स्थापित कर दिए। वहीं जन्मदिन पर एक फैन मीट के दौरान शाहरुख ने फिल्म से जुड़े कई सवालों के भी जवाब दिए। इसी दौरान शाहरुख ने इशारों-इशारों में ये भी कंफर्म कर दिया कि फिल्म में उनका और दीपिका का लव एंगल होगा।

धीरे-धीरे आपको फिल्म के बारे में मिलेगी जानकारी

फैन मीट के दौरान एक प्रशंसक ने शाहरुख से 'किंग' के कॉन्सेप्ट के बारे में पूछा। हालांकि, इस पर शाहरुख ने साफ कहा कि मैं फिल्म के बारे में अभी ज्यादा कुछ भी आपको नहीं बता सकता हूं। जैसे-जैसे और भी चीजें सामने आएंगी, आपको फिल्म के बारे में अधिक पता चलेगा। फिल्म में कई किरदार हैं। फिल्म का मकसद यह है कि जब हम चीजों को व्यक्तिगत रूप से लेते हैं, तो हम बड़े फैसले लेते हैं। हमें सोचना चाहिए कि हम जो कर रहे हैं वह सही है या नहीं। साथ ही हम किंग में किसी का पक्ष नहीं लेंगे। अगर आपको हमारा आइडिया पसंद आए, तो इसे जरूर अपनाएं। या फिर आप इसकी आलोचना भी कर सकते हैं।

इस इवेंट के दौरान एक प्रशंसक ने चिल्लाकर कहा कि उनके मन में शाहरुख के लिए बहुत सारा प्यार है। इस पर तुरंत ही शाहरुख ने मजेदार अंदाज में कहा कि मेरे साथ फिल्म में दीपिका पादुकोण भी हैं। इसलिए प्यार तो जरूर ही होगा। शाहरुख के इस बयान के बाद ही ऐसे कयास लगाए जाने लगे हैं कि फिल्म में दीपिका और शाहरुख के बीच लव एंगल दिखाया जाएगा। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अभी तक सामने नहीं आई रिलीज डेट

'किंग' अगले साल 2026 में रिलीज होनी है। अभी तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। इस फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। 'किंग' में शाहरुख के साथ उनकी लाडली सुहाना खान भी नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, जयदीप अहलावत, अनिल कपूर, रानी मुखर्जी और जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

एक्टिंग से विराम लिया था, लेकिन दिल हमेशा सिनेमा से जुड़ा रहा

90 के दशक की लोकप्रिय और प्रतिभाशाली अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लंबे अंतराल के बाद वह फिल्म 'जटाधारा' से बड़े पर्दे पर दमदार वापसी कर रही हैं। खास बातचीत में शिल्पा ने अपने इस नए सफ़र, फिल्मों से दूरी और एक नए दौर की शुरुआत को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि विदेश में बसने के कारण उन्होंने एक्टिंग से विराम लिया था, लेकिन उनका दिल हमेशा सिनेमा से जुड़ा रहा। शिल्पा अब एक गहराई भरे निगेटिव किरदार 'शोभा' में दिखेंगी — जो लालच, महत्वाकांक्षा और भीतर की जद्दोजहद से जूझती एक जटिल महिला है।

शिल्पा जी, आपने 90 के दशक में कई फिल्में कीं और फिर अचानक स्क्रीन से गायब हो गईं। दर्शकों ने आपको बहुत मिस किया। उस ब्रेक के पीछे क्या वजह थी?

यह मेरा बहुत ही सोच-समझकर लिया गया फैसला था। शादी के बाद मैंने खुद को एक्टिंग से दूर कर लिया था, क्योंकि हम विदेश चले गए थे। पहले नीदरलैंड, फिर न्यूज़ीलैंड और बाद में लंदन में रहते हुए बॉलीवुड में काम जारी रखना मुश्किल था। हाँ, अगर मैं मुंबई में रहती, तो ज़रूर काम करती रहती, लेकिन विदेश में बसने का मतलब था कि मुझे अपने नए जीवन और परिवार को प्राथमिकता देना, जो मैंने किया।

उस दौर में आपने अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर, गोविंदा, सुनील शेट्टी और मिथुन चक्रवर्ती जैसे बड़े नामों के साथ काम किया। वह अनुभव कैसा रहा?

वो अनुभव मेरे लिए एक आशीर्वाद जैसा था और मैंने उनसे काफी कुछ सीखा। काम से ज्यादा मैंने उन सबसे प्रोफेशनलिज़्म सीखा। हालांकि मैं हमेशा से ही अमिताभ जी की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। इसके अलावा अनिल कपूर, मिथुन दा और सुनील शेट्टी भी मेरे लिए बहुत सपोर्टिव रहे हैं। हालांकि उस दौरान सेट पर एक परिवार जैसा माहौल रहता था। सब एक-दूसरे को प्रोत्साहित करते थे और हर दिन एक नई ऊर्जा के साथ काम होता था।

आपकी फिल्म जटाधारा रिलीज़ होने जा रही है। इस फिल्म से आपकी क्या उम्मीदें हैं?

जटाधारा हम सभी के लिए एक सफ़र जैसा रहा है और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह दर्शकों के लिए भी एक शानदार सफ़र होगा। यह कहानी बहुत अलग और प्रभावशाली है। यह उन फिल्मों में से है, जो देखने के बाद भी आपके साथ रहती है। हमने इसमें दिल से मेहनत की है। हर किरदार की अपनी गहराई और पहचान है, और मुझे यक़ीन है कि दर्शकों को हर किरदार में खुद से जुड़ाव महसूस होगा।

जटाधारा में आपके किरदार की क्या खासियत थी, जिसने आपको यह रोल करने के लिए प्रेरित किया?

उत्तर- इस फिल्म में मैं शोभा का किरदार निभा रही हूं और मुझे उसकी जटिलता ने बहुत आकर्षित किया। वह लालच में डूबी हुई है और अपने सामान्य जीवन से ऊब चुकी है। उसे ऐश्वर्य, ताकत और शोहरत चाहिए। यह मेरा पहला निगेटिव रोल है, और यही चीज़ मुझे सबसे ज़्यादा रोमांचित कर रही थी। मैं ज़्यादा नहीं बता सकती, पर यह ज़रूर कहूंगी कि सभी को यह फिल्म ज़रूर देखनी चाहिए!

जटाधारा में आपके किरदार को लेकर काफी चर्चा है। आप इस फिल्म से कैसे जुड़ीं?

यह सब मेरे बिग बॉस से निकलने के बाद शुरू हुआ। वहां से निकलते ही जटाधारा की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने मुझसे संपर्क किया और इस रोल के बारे में बताया। जैसे ही मैंने किरदार के बारे में सुना, मैं तुरंत उस किरदार की तरफ आकर्षित हो गई। कहानी में एक सच्चाई और कच्चापन था, जो मेरे दिल को छू गई। मैंने बिना वक्त गंवाए अपना काम शुरू कर दिया और सब कुछ बहुत खूबसूरती से जुड़ता चला गया।

इतने सालों बाद एक ऐसी फिल्म के साथ वापसी करना, जो सामाजिक और पौराणिक दोनों पहलुओं को छूती है। क्या आपको कोई दबाव महसूस हुआ?

बिल्कुल नहीं। पहले दिन से ही मुझे इस फिल्म और इसकी कहानी पर पूरा विश्वास था। मेरे को-स्टार्स, निर्देशक और निर्माता सब बहुत सपोर्टिव थे। सच कहूँ तो दबाव की बजाय काफी उत्साह था, क्योंकि मेरे लिए यह बिल्कुल नया अनुभव था।

इस फिल्म के लिए आपने कोई खास तैयारी की थी?

सच कहूं तो शोभा बनने के लिए तैयारी से ज़्यादा, अपने किरदार को समझने की ज़रूरत थी। हालांकि टीम ने इस पूरी प्रक्रिया में मेरी बहुत मदद की। इसके अलावा कहानी इतनी साफ़ और स्पष्ट थी कि सेट पर जाते ही मैं अपने किरदार में ढल जाती थी।

क्या आप भविष्य में फिर से इसी टीम के साथ काम करना चाहेंगी?

बिल्कुल! सोनाक्षी एक शानदार आर्टिस्ट हैं। सेट पर उनके अंदर कोई अहंकार नहीं था। वह पूरी तरह निर्देशक की अभिनेत्री हैं और उनका जोश कमाल का था! आज-कल की भाषा में कहें तो हम दोनों की वाइब काफी मैच करती है, जैसे हम एक जैसी बातें करते हैं, एक जैसी चीज़ें पहनते हैं। पूरी टीम बहुत शानदार है और मैं सभी के साथ दोबारा काम करने का इंतज़ार कर रही हूं।

आपके कमबैक का सबसे बड़ा मंत्र क्या है?

सच कहूं तो कोई ख़ास मंत्र नहीं है। हाँ, यह ज़रूर कहूंगी कि फिल्मों से दूर रहने के बावजूद मेरा दिल हमेशा यहीं था। अब मैंने तय कर लिया है कि कभी कभी नहीं नहीं कहूंगी, बल्कि हर अवसर के साथ खुद को नया बनाती रहूंगी।

आखिरकार ट्रॉफी को छूने का मौका मिला: सीरीज जीत के बाद सूर्यकुमार का एशिया कप विवाद पर मजेदार तंज

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ब्रिस्बेन में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया पांचवां टी20 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, लेकिन भारतीय टीम ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मैच के बाद जब कप्तान सूर्यकुमार यादव को ट्रॉफी सौंपी गई, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, आखिरकार ट्रॉफी को हाथ में लेने का एहसास बहुत अच्छा लग रहा है।

उनकी इस टिप्पणी को सुनकर सोशल मीडिया पर हलचल मच गई, क्योंकि यह बात एशिया कप 2025 विवाद से जोड़कर देखी जा रही है।

सितंबर में खेले गए एशिया कप टी20 फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।लेकिन मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। इसकी वजह थी नकवी का भारत-विरोधी रवैया। परिणामस्वरूप, भारत ने ट्रॉफी अपने हाथों में नहीं ली और अब तक विजेता ट्रॉफी भारत को औपचारिक रूप से नहीं सौंपी गई है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज जीत के बाद सूर्या ने न सिर्फ टीम की सराहना की बल्कि एक हल्के-फुल्के अंदाज में पिछले विवाद पर कटाक्ष भी किया। उन्होंने कहा, 'महिलाओं की वर्ल्ड कप ट्रॉफी हाल ही में भारत लौटी है, और अब हमारी टीम को भी ट्रॉफी थामने का मौका मिला है। वाकई अच्छा लग रहा है।'

उनकी इस बात पर टीम के साथी खिलाड़ी और फैंस दोनों मुस्कराए। सोशल मीडिया पर भी यह बयान तेजी से वायरल हो गया।

दुबई में आईसीसी बोर्ड मीटिंग के दौरान बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया और पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी के बीच अनौपचारिक बैठक हुई। सैकिया ने बताया, 'यह बातचीत सकारात्मक रही। दोनों पक्ष सौहार्दपूर्ण माहौल में मिले और उम्मीद है कि ट्रॉफी विवाद का समाधान जल्द निकल जाएगा।' सूत्रों के मुताबिक आने वाले समय में यह मुद्दा सुलझने की पूरी संभावना है।

सूर्यकुमार ने टीम के प्रदर्शन की भी तारीफ की और कहा कि युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हुए हैं, 'हर कोई अपनी भूमिका समझता है। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और आने वाले टूर्नामेंट में हम यही जोश बनाए रखना चाहते हैं।'

गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड: फिट इंडिया एंबेसडर रोहताश चौधरी ने रचा इतिहास, 1 घंटे में लगाए इतने पुश-अप्स !

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 'पुश-अप मैन ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर फिट इंडिया एंबेसडर रोहताश चौधरी ने एक नया गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर भारत की फिटनेस स्पिरिट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

रोहताश ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में '60 पाउंड वजन के साथ एक घंटे में सबसे ज्यादा पुश-अप्स' करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने एक घंटे में 847 पुश-अप्स पूरे किए, जिससे उन्होंने सीरिया के 820 पुश-अप्स के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

गिनीज़ की आधिकारिक टीम ने मौके पर ही इस रिकॉर्ड की पुष्टि की। यह उपलब्धि फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित कार्यक्रम में हासिल की गई, जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल है।

कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर रोहताश को सम्मानित किया। उन्होंने कहा, 'रोहताश चौधरी फिट इंडिया भावना के सच्चे प्रतीक हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया, स्ट्रॉन्ग इंडिया' के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं।'

रोहताश ने अपनी सफलता को भारतीय सेना और 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित करते हुए कहा, ''पिछले साल मैंने एक पैर पर 704 पुश-अप्स का रिकॉर्ड बनाया था, जो प्रधानमंत्री को समर्पित किया। आज का रिकॉर्ड मैं हमारे सैनिकों और राष्ट्र की एकता को समर्पित करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट ने 'संडे ऑन साइकिल' जैसे अभियानों के ज़रिए देशभर में फिटनेस को एक सामाजिक आंदोलन बना दिया है। इस मौके पर हजारों स्कूली बच्चे, फिटनेस प्रेमी और फिट इंडिया एंबेसडर स्टेडियम में मौजूद रहे और रोहताश के इस अद्भुत प्रदर्शन का गवाह बने।

बीसीसीआई को एशिया कप ट्रॉफी विवाद के शीघ्र हल होने की उम्मीद

–आईसीसी बैठक में बीसीसीआई सचिव सैकिया के सख्त रुख का असर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को अबतक एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिल पायी है पर अब इसके शीघ्र मिलने की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी जीती थी पर उसने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष पाक के मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। उसके बाद नकवी ट्रॉफी लेकर चले गये थे। तभी से ही वह एसीसी मुख्यालय में रखी है। वहीं अब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि दुबई में हुई आईसीसी बैठक के बाद ट्रॉफी से जुड़ा विवाद समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, मैं आईसीसी की अनौपचारिक और औपचारिक बैठकों में शामिल था। वहां पीसीबी और एसीसी अध्यक्ष नकवी भी मौजूद थे। इस दौरान मेरी नकवी से बात हुई थी। इसके बाद लगा कि वह भी अब इस मामले को आगे नहीं खींचना चाहते हैं। ऐसे में हम भी उन्हें अपनी गलती ठीक करने का अवसर देना चाहते हैं जिससे कि ये मामला हल हो सके।

भारतीय कप्तान ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए तीनों मैचों में पाक टीम से हाथ नहीं मिलाय था उससे भी पीसीबी भारतीय टीम से भड़का हुआ था। इस मामले को लेकर पीसीबी ने आईसीसी से भी शिकायत की थी। एशिया कप मैच के बाद अवार्ड समारोह में एसीसी अध्यक्ष नकवी भारतीय टीम को एशिया कप का खिताब देना चाहते थे पर भारतीय टीम ने इंकार कर दिया था। इसके बाद नकवी ट्रॉफ लेकर भाग गये थे। इस मामल की बीसीसीआई ने कड़ी आलोचना की थी।

बुमराह से भी ज्यादा कीमती हैं भारत का ये मिस्ट्री स्पिनर: पूर्व सीएसके स्टार खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को टी20 सीरीज में 2-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की और इस जीत के असली हीरो रहे मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती। पांच मैचों की इस सीरीज में वरुण ने पांच विकेट झटके और अपनी सटीक गेंदबाज़ी से कंगारू बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी सुब्रहमण्यम बद्रीनाथ ने वरुण की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि वह इस वक्त भारत के 'सबसे कीमती' खिलाड़ी हैं – यहां तक कि जसप्रीत बुमराह से भी अधिक। बद्रीनाथ ने कहा, 'नंबर बताते हैं कि वरुण चक्रवर्ती इस समय दुनिया के नंबर-1 टी20 गेंदबाज हैं।

जब रन तेजी से बन रहे हों, चाहे वो पावरप्ले हो या डेथ ओवर्स, वरुण वो गेंदबाज़ हैं जिन पर कप्तान भरोसा करता है। उन्होंने अपने खेल में गजब का सुधार किया है और अब वो पूरी तरह से मैच-विनर बन चुके हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि वरुण की वापसी एक प्रेरणादायक कहानी है, पहले फिटनेस की वजह से टीम से बाहर होना और अब दमदार कमबैक करना। 'ये उनका दूसरा फेज है और उन्होंने इसे एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। वो सिर्फ टीम इंडिया की संपत्ति नहीं बल्कि एक 'हथियार' हैं। आने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की सफलता काफी हद तक इस स्पिनर के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।' सीरीज के दौरान वरुण का इकॉनमी रेट 6.83 और औसत 16.40 रहा, जबकि बुमराह ने पांच मैचों में केवल तीन विकेट झटके। वरुण फिलहाल आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज हैं।

इरफान पठान की चेतावनी : टी20 के शीर्ष खिलाड़ी को हर गेंद पर आक्रामक न खेलने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को उनकी 'ट्रेडमार्क शॉट' रणनीति पर सावधानी बरतने की सलाह दी है। पठान का मानना है कि अगर अभिषेक हर गेंद पर क्रीज से बाहर निकलकर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश जारी रखते हैं, तो टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीमें उनकी रणनीति को भांप सकती हैं। अभिषेक शर्मा इस समय भारत की टी20 टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने एशिया कप 2025 में सर्वाधिक रन बनाकर भारत को खिताबी जीत दिलाई और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भी 163 रन बनाते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब जीता। इरफान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अभिषेक शानदार बल्लेबाज हैं, लेकिन उन्हें समझदारी दिखानी होगी। वर्ल्ड कप में टीमें पहले से तैयार रहेंगी। हर गेंद पर क्रीज छोड़कर शॉट खेलने का मतलब नहीं बनता, उन्हें चुनिंदा गेंदों पर अटैक करना चाहिए।' पठान ने यह भी बताया कि ब्रिसबेन में हुए आखिरी टी20 में अभिषेक नाथन एलिस और बेन ड्वार्शुइस की गेंदों पर संघर्ष करते नजर आए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इस पर अभिषेक के मेंटर युवराज सिंह से बात करेंगे।

भारत ए / साउथ अफ्रीका ए : टीम इंडिया की बढ़ी चिंता, स्टार तेज गेंदबाज ने चोटिल होकर मैदान छोड़ा

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत को एक और बड़ा झटका लगा है। स्टार तेज गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज रविवार को साउथ अफ्रीका 'ए' के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के चौथे दिन हाथ में चोट लगने के बाद मैदान छोड़कर बाहर चले गए।

सिराज फील्डिंग के दौरान अपने दाएं हाथ पर चोट लगा बैठे, जिसके बाद उन्हें दर्द में डगआउट लौटना पड़ा। टीम इंडिया 'ए' के लिए यह सीरीज़ साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज़ की तैयारी का अहम हिस्सा मानी जा रही है। सिराज की यह चोट चिंताजनक है क्योंकि भारत का मुख्य दौरा अब से एक हफ्ते से भी कम समय में शुरू होने वाला है। जानकारी के मुताबिक, चोट सिराज के बॉलिंग हैंड पर लगी है और टीम फिजियो तुरंत मैदान पर पहुंचे। फिलहाल बीसीसीआई की ओर से कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आई है, लेकिन अगर सिराज फिट नहीं होते हैं, तो आकाश दीप को उनका रिप्लेसमेंट माना जा रहा है। सिराज भारत के लिए जसप्रीत बुमराह के बाद दूसरे प्रमुख तेज गेंदबाज़ हैं। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। वहीं, ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल की जोड़ी भी चर्चा में है। जुरेल ने इस सीरीज़ में दो शतक लगाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है, और संभावना है कि वे पहले टेस्ट में पंत के साथ प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनें।

धोनी फैंस के लिए खुशखबरी : 2026 में भी खेलेंगे 'कैप्टन कूल', चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ ने की पुष्टि,

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) काशी विश्वनाथन ने साफ तौर पर कहा है कि टीम को पूरा भरोसा है कि महेंद्र सिंह धोनी अगले सीजन यानी आईपीएल 2026 में भी मैदान पर उतरेंगे। लंबे समय से चल रही धोनी के संन्यास की अटकलों पर अब विराम लग गया है। विश्वनाथन ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, 'यह सही है, एमएस ने हमें बताया है कि वह अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब फैंस लगातार यह सवाल पूछ रहे थे कि क्या धोनी 2025 सीजन के बाद आईपीएल से विदाई लेंगे। फ्रेंचाइजी के सीईओ ने पहले भी एक युवा प्रशंसक से बातचीत में इसी बात की पुष्टि की थी। 2008 में फ्रेंचाइजी की स्थापना से जुड़े काशी विश्वनाथन, सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से हैं।

उन्होंने कहा कि धोनी न केवल टीम के लिए बल्कि पूरी फ्रेंचाइजी की आत्मा बन चुके हैं। गौरतलब है कि धोनी (44) का आईपीएल में भविष्य पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में बना हुआ है, लेकिन अब 2026 तक उनके खेलने की संभावना लगभग तय हो गई है। पिछले सीजन में सीएसके का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा था और टीम निचले पायदान पर रही थी। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अनुपस्थिति में धोनी ने खुद टीम की कमान संभाली थी। क्रिकेट जगत में माना जा रहा है कि वह अपनी शानदार कप्तानी और प्रदर्शन के साथ एक यादगार सीजन के बाद संन्यास लेना चाहेंगे। धोनी ने अब तक 248 मैचों में सीएसके के लिए 4,865 रन बनाए हैं और टीम को पांच बार आईपीएल खिताब (2010, 2011, 2018, 2021 और 2023) जिताया है। अगर वह अगले सीजन में खेलते हैं, तो यह उनके लिए सीएसके का 17वां और आईपीएल करियर का 19वां सीजन होगा। धोनी की वापसी की इस खबर ने फैंस में जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है।

रणजी ट्रॉफी: 8 छक्के और सिर्फ 11 गेंदों में अर्धशतक, मेघालय के इस बल्लेबाज ने तोड़ा 13 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेघालय के बल्लेबाज आकाश कुमार ने रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ महज 11 गेंदों में अर्धशतक जमाकर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे तेज़ पचासा लगाने का नया रिकॉर्ड बना दिया। इस दौरान उन्होंने 8 गगनचुंबी छक्के जड़े और अपनी पारी से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

यह रिकॉर्ड तोड़ पारी दूसरे दिन खेली गई, जब मेघालय की टीम पहले से ही मजबूत स्थिति में थी। राहुल दलाल (144 रन) के आउट होने के बाद आकाश बल्लेबाजी करने उतरे और आते ही गेंदबाजों पर टूट पड़े। उन्होंने स्वस्तिक चेतरी के साथ मिलकर 52 रन की साझेदारी की और टीम का स्कोर 628/6 तक पहुंचा दिया, जिसके बाद मेघालय ने पारी घोषित कर दी। आकाश की स्ट्राइक रेट 300 से भी ज्यादा रही। उन्होंने अरुणाचल के थके हुए गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किया और दर्शकों को टी20 जैसी बल्लेबाजी का मज़ा दिया।

इससे पहले यह रिकॉर्ड 2012 में इंग्लैंड के वेन व्हाइट के नाम था, जिन्होंने 12 गेंदों में पचासा जड़ा था। लेकिन अब आकाश कुमार ने उसे पीछे छोड़ते हुए नया इतिहास रचा है।

25 वर्षीय आकाश ने अब तक 30 फर्स्ट क्लास मैचों में 503 रन बनाए हैं और 87 विकेट भी चटकाए हैं। गेंदबाजी में ज्यादा प्रभावी माने जाने वाले आकाश ने इस सीज़न में बल्ले से भी शानदार प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया है।

एथेंस ओपन : नोवाक जोकोविच ने जीता करियर का 101वां खिताब

एथेंस। सर्बिया के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने एथेंस में आयोजित हेलैनिक चैम्पियनशिप का खिताब जीतकर अपने करियर का 101वां टाइटल अपने नाम किया। 38 वर्षीय जोकोविच ने रोमांचक फाइनल में इटली के लोरेंजो मुसेटी को 4–6, 6–3, 7–5 से हराया। तीन घंटे चले इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार जुझारूपन दिखाया। निर्णायक सेट में ही पांच बार सर्विस ब्रेक हुए और 13 ब्रेक पॉइंट बने। इस जीत के साथ जोकोविच ने हार्ड कोर्ट पर अपने 72वें खिताब के साथ रोजर फेडरर को पछाड़ते हुए ओपन एरा में सबसे ज्यादा हार्ड कोर्ट खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'यह जीत ग्रीस के शानदार लोगों को समर्पित है। आपने हमेशा मेरा समर्थन किया और मुझे घर जैसा महसूस कराया।' हालांकि, फाइनल के तुरंत बाद चोट के चलते जोकोविच ने ATP फाइनल्स से नाम वापस ले लिया। उनकी जगह अब लोरेंजो मुसेटी ट्यूरिन में सीज़न फिनाले में खेलेंगे, जो उनके करियर का पहला ATPफाइनल्स होगा। जोकोविच ने बयान जारी कर कहा, 'मैं ट्यूरिन में खेलने को लेकर बहुत उत्साहित था, लेकिन चोट के कारण अब मुझे हटना पड़ रहा है। सभी फैंस का धन्यवाद, मैं जल्द कोर्ट पर वापसी करूंगा।'

मार्क वुड बोले - ऑस्ट्रेलिया है एशेज का प्रबल दावेदार, लेकिन इंग्लैंड भी जीत के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया अपनी घरेलू परिस्थितियों के कारण आगामी एशेज सीरीज में प्रबल दावेदार रहेगा, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंग्लैंड की टीम आत्मविश्वास और तैयारी के मामले में पीछे नहीं है। इंग्लैंड की टीम 2010-11 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एशेज सीरीज नहीं जीत पाई है, और इस बार उसका लक्ष्य इस लंबे इंतजार को खत्म करने का है।

वुड ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'ऑस्ट्रेलिया निश्चित रूप से इस सीरीज में फेवरेट है, लेकिन हमें भी पूरा भरोसा है कि हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारे पास ऐसा संयोजन है जो किसी भी टीम को चुनौती दे सकता है।' लंबे समय से चोट से जूझ रहे मार्क वुड ने बताया कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं, लेकिन पहले टेस्ट तक खेलने की स्थिति में पहुंचने की उम्मीद रखते हैं। उन्होंने आखिरी बार फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था, जिसके बाद घुटने की चोट ने उन्हें मैदान से दूर कर दिया। वुड इंग्लैंड की गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा हैं और टीम को उनसे काफी उम्मीदें हैं। वुड ने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं शत-प्रतिशत फिट हूं। इतनी लंबी चोट के बाद अभ्यास में हमेशा पूरा दम लगाना आसान नहीं होता, लेकिन मैं धीरे-धीरे अपनी रफ्तार और स्टैमिना दोनों पर काम कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि पहले टेस्ट तक मैं पूरी तरह फिट होकर मैदान में उतरूंगा।' पहला टेस्ट 21 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा, और वुड इस मैदान पर खेलने को लेकर खासे उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ÷पर्थ का विकेट तेज और उछाल भरा है, और मैं इस पिच पर गेंदबाजी करने के लिए बेहद उत्सुक हूं। 2022 टी20 विश्व कप के दौरान मैंने यहां गेंदबाजी की थी और अनुभव शानदार रहा था।'

हालांकि इंग्लैंड को इस बार ज्यादा अभ्यास मैच खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन वुड इससे चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास जैसा कार्यक्रम है, उससे मैं खुश हूं। भारत के खिलाफ पिछली सीरीज से पहले भी हमने ज्यादा अभ्यास नहीं किया था, फिर भी पहला टेस्ट जीतने में सफल रहे थे।

अब घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेगी भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय टीम 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध घरेलू मैदान पर टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी। दोनो ही टीमों के बीच 14 नवंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज कोलकाता में शुरु होगी। वहीं दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। दोनों ही टीमें इसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी। इसका पहला मैच रांची में 30 नवंबर जबकि दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में वहीं अंतिम एकदिवसीय 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

दोनो ही टीमों के बीच 9 दिसंबर से कटक में पहला टी20 मुकाबला खेला जाएगा। वहीं 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में सीरीज का दूसरा व 14 दिसंबर को धर्मशाला में तीसरा मैच खेला जाएगा। 17 दिसंबर को लखनऊ में चौथा टी20 मैच होगा, जबकि 19 दिसंबर को अहमदाबाद में पांचवां मुकाबला होगा। ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए शुभमन गिल की कप्तानी में टीम घोषित कर दी है। चोट से उबर कर वापसी कर रहे ऋषभ पंत इस टीम के उपकप्तान करेंगे। टीम में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल रहेंगे जबकि तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के पास रहेगी। इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करने वाले आकाश दीप को भी टीम में शामिल किया गया है। ये सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए बेहद अहम रहेगी। एकदिवसीय के लिए भी शुभमन ही कप्तानी रहेंगे पर टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव संभालेंगे।

टेस्ट टीम इस प्रकार है : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पहले से की गयी तैयारी का लाभ मिला : अभिषेक

–शीर्ष आक्रमण के सामने अपनी बल्लेबाजी को परखना चाहता था

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निशाने वाले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा है कि उन्होंने इसके लिए पहले से तैयारी की थी जिसका उन्हें लाभ मिला। अभिषेक के अनुसार उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई हालातों में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपने को मानसिक और तकनीकी रूप से बेहतर बनाया था। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में सफल रहे। वह अपनी बल्लेबाजी को ऑस्ट्रेलिया में शीर्ष स्तर के गेंदबाजी आक्रमण के सामने परखना भी चाहते थे।

अभिषेक ने इस सीरीज में पांच मैच में 163 रन बनाए। सीरीज में बारिश के कारण तीन ही मैच हुए जबकि दो मैच रद्द हो गए थे। उन्होंने पांचवें और अंतिम टी20 मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा, 'मैं इस टूर्नामेंट का काफी समय से इंतजार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं तभी से मैं इस दौरे का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। उन्होंने कहा, ''अपने पूरे करियर में मैंने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल है और मैं अपने को इस तरह की गेंदबाजी और हालातों के लिए तैयार करना चाहता था।

उनका प्रयास विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों का सामना करने और ऑस्ट्रेलियाई पिचों के हिसाब से अपने खेल को ढालने पर ध्यान देना भी था। पिछले तीन टी20 मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने के कारण खेलने में हुई आसानी को लेकर अभिषेक ने कहा, 'अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाजों का सामना करना होगा। मैं इस तरह के गेंदबाजों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होते हैं।

वहीं बल्लेबाजी में अति-आक्रामक रवैये को लेकर अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। अभिषेक ने कहा, 'कप्तान और कोच ने मुझे अपने अनुसार खेलने की आजादी दी है। साथ ही कहा कि एक बल्लेबाज के तौर पर जब आप 20 या 30 रन बनाते हैं तो आप जानते हैं कि आप ज्यादा देर तक खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सीरीज ने अगले साल टी20 विश्व कप में जगह बनाने के उनके इरादे को और बेहतर किया है। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे विश्व कप

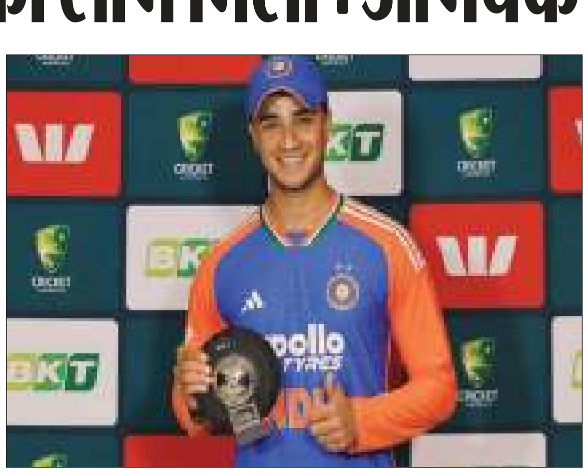

खेलने का मौका मिला तो यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में 800 से ज्यादा उड़ानें रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जारी शटडाउन का बुरा असर विमानन क्षेत्र पर पड़ रहा है। शुक्रवार (07 नवंबर) को पूरे अमेरिका में सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गईं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएफए) एयरलाइंस देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर धीरे-धीरे उड़ानों में कटौती कर रही हैं। आदेश के अनुसार एफएए द्वारा उड़ानों में कटौती के लिए चुने गए 40 हवाई अड्डे दो दर्जन से अधिक राज्यों में फैले हुए हैं। उड़ान व्यवधानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, देश भर में 800 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं, जो कि गुरुवार को रद्द की गई संख्या से चार गुना अधि है। फ्लाइटअवेयर के अनुसार शिकागो, अटलांटा, डेनवर, डलास और फीनिक्स के हवाई अड्डों पर सबसे ज्यादा व्यवधान हुए। एफएफए ने उड़ानों में कटौती की यह कदम एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की कमी को कम करने के लिए उठाया है। बता दें कि कंट्रोलर्स एक महीने से ज्यादा समय से बिना वेतन के काम कर रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन को 60 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगी कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने 60 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने और ट्रंप प्रशासन द्वारा दी गई नागरिक अधिकार कानूनों की व्याख्या को स्वीकार करने पर सहमति जताई है। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय को उसकी फेडरल फंडिंग बहाल हो जाएगी। कॉर्नेल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष माइकल कोटलिकॉफ ने शुक्रवार को इस समझौते की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक स्वतंत्रता को बरकरार रखते हुए सरकार द्वारा रोकी गई 250 मिलियन डॉलर से अधिक की शोध फंडिंग को फिर से चालू करेगा। समझौते के अनुसार, विश्वविद्यालय 30 मिलियन डॉलर सीधे अमेरिकी सरकार को और 30 मिलियन डॉलर अमेरिकी किसानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए देगा।

एक और बंधक के अवशेष गाजा में रेड क्रॉस को सौंपे

गाजा, एजेंसी। इस्राइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि एक बंधक के अवशेष गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिए गए हैं। मौजूदा युद्धविराम की शुरुआत के बाद से हमास ने 22 बंधकों के शव लौटा दिए हैं। अगर यह पुष्टि हो जाती है कि ये शव किसी और बंधक के हैं, तो गाजा में अभी भी पांच अन्य बंधकों के अवशेष बचे रहेंगे। 10 अक्तूबर से शुरू हुए युद्ध विराम का उद्देश्य इस्राइल और फलिस्तीनी उग्रवादी समूह के बीच अब तक लड़े गए सबसे घातक और विनाशकारी युद्ध को समाप्त करना है। हमास की सैन्य शाखाओं ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिणी गाजा के शहर खान यूनिस में एक बंधक का शव मिला।

प्रतिबंध हटा, जापान ने चीन को फिर शुरू किया सीफूड निर्यात

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने शुक्रवार को बताया कि फुकुशिमा परमाणु संयंत्र से उपचारित रेडियोधर्मी पानी छोड़े जाने के कारण लगे प्रतिबंध के दो साल बाद चीन के लिए सीफूड का निर्यात फिर से शुरू हो गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि बुधवार को होक्काइडो से 6 मीट्रिक टन स्कैलप्स चीन भेजे गए। चीन ने अगस्त 2023 में जापानी सीफूड पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। किहारा ने इस कदम को सकारात्मक बताया और चीन से बाकी प्रतिबंधों को भी हटाने का आग्रह किया।

हंगरी को रूस से तेल-गैस खरीदने की मिली छूट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने हंगरी को रूस से तेल और गैस खरीदने पर लगी पाबंदियों से पूरी तरह छूट दे दी है। यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के बाद लिया गया। इस बैठक के दौरान ट्रंप और ऑर्बन ने एक-दूसरे की जमकर तारीफ की। ऑर्बन ने कहा कि यूक्रेन के लिए रूस को हराना चमत्कार जैसा होगा, जिससे यह साफ दिखा कि उनका रुख बाकी यूरोपीय नेताओं से अलग है। ट्रंप ने हंगरी के प्रवासन नीति की भी प्रशंसा की और कहा कि यूरोपीय यूनियन को ऑर्बन का अधिक सम्मान करना चाहिए। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने इस छूट को ऊर्जा सुरक्षा की गारंटी बताया। ट्रंप ने कहा कि हंगरी समुद्र से घिरा देश नहीं है और तेल-गैस पाइपलाइन पर निर्भर है, इसलिए उसे छूट दी गई। ऑर्बन ने पहले ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के लिए बुडापेस्ट में शिखर सम्मेलन की पेशकश की थी।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान शांति वार्ता फिर विफल, सीमा पार आतंक पर नहीं बनी बात

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जारी तीसरे दौर की शांति वार्ता बिना किसी ठोस समझौते के समाप्त हो गई। दोनों देशों के बीच सीमा पार आतंकवाद पर कार्रवाई को लेकर मतभेद कायम रहे। पाकिस्तान की ओर से रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बताया कि वार्ता में कोई लिखित समझौता नहीं हो सका और अब चौथे दौर की कोई योजना भी नहीं है। दो दिन तक चली ये वार्ता बृहस्पतिवार को शुरू हुई थी। पाकिस्तान ने अफगान तालिबान से यह मांग की थी कि वे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के उन आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करें जो अफगान धरती से पाकिस्तान पर हमले कर रहे हैं।

पूरा गतिरोध, अफगान पक्ष नहीं देना चाहता लिखित आश्वासन : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक निजी टीवी चैनल से बातचीत में कहा वार्ता पूरी तरह गतिरोध में है। अफगान पक्ष सिर्फ मौखिक भरोसा देना चाहता था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में मौखिक आश्वासन स्वीकार नहीं किए जा सकते। उन्होंने तुर्किये और कतर के ईमानदार प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया, जो दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए मध्यस्थता कर रहे थे। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान का रुख स्पष्ट है हमारी केवल एक मांग है कि अफगानिस्तान यह सुनिश्चित करे कि उसकी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में न हो। आसिफ ने यह भी कहा कि अगर अफगान धरती से कोई हमला होता है, तो पाकिस्तान जवाब देगा।

सूचना मंत्री का बयान- अब जिम्मेदारी अफगान तालिबान की : पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्ला तारार ने शनिवार सुबह एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा अब जिम्मेदारी अफगान तालिबान की है कि वे आतंकवाद पर नियंत्रण को लेकर अपने अंतरराष्ट्रीय और द्विपक्षीय वादों को पूरा करें, जिनमें वे अब तक असफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अफगान जनता से कोई वैर नहीं है, लेकिन वह किसी भी ऐसी नीति का समर्थन नहीं करेगा जो अफगान लोगों या पड़ोसी देशों के हितों के खिलाफ हो।

तीन दौर की वार्ता और हर बार नाकामी : अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच पहली वार्ता 29 अक्टूबर को दोहा (कतर) में हुई थी, जबकि दूसरी बैठक 25 अक्टूबर को इस्तांबुल (तुर्किये) में आयोजित हुई। दोनों ही वार्ताएं किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचीं। अब तीसरा दौर भी बेनतीजा रहा है। इससे पहले 11 से 15 अक्तूबर के बीच दोनों देशों की सीमा पर सशस्त्र झड़पें हुई थीं, जिनमें दोनों ओर जनहानि हुई थी।

दोहा और इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता दोनों देशों ने 19 अक्तूबर को कतर की राजधानी दोहा में सीजफायर पर सहमति जताई थी, लेकिन शर्तों को अंतिम रूप देने में मतभेद बने रहे। इसके बाद 25 अक्तूबर को इस्तांबुल में दूसरी वार्ता हुई और इसके बाद तीसरे दौर की बातचीत गुरुवार को शुरू हुई है। इस वार्ता में तुर्किये और कतर मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। पाकिस्तान की ओर से बातचीत का नेतृत्व आईएसआई के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मलिक कर रहे हैं, जबकि अफगान पक्ष से जनरल अब्दुल हक वासिक, उप गृहमंत्री रहमतुल्लाह नजीब और प्रवक्ता सुहैल शाहीन शामिल हैं।

तुर्किये की मध्यस्थता से बची वार्ता पिछली बातचीत में स्थिति गंभीर होती दिख रही थी, लेकिन तुर्किये की पहल से तीसरे दौर की वार्ता तय हो सकी। तुर्की विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने सीजफायर जारी रखने और निगरानी तंत्र बनाने पर सहमति जताई है। वहीं पाकिस्तान का कहना है कि अफगान भूमि से उसके खिलाफ आतंकी हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि अफगानिस्तान में टीटीपी के लड़ाकों को पनाह दी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बात से समाधान नहीं निकला तो पाकिस्तान कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

तुर्किये की अदालत ने इस्राइली क्करू नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया गिरफ्तारी वारंट, 37 अन्य लोगों के भी नाम

तेल अवीव, एजेंसी। तुर्किये के इस्तांबुल मुख्य अभियोजक कार्यालय ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत 37 लोगों के खिलाफ जनसंहार के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इन आरोपों का संबंध गाजा में चल रहे युद्ध से है, जिसे इस्राइल ने अक्तूबर 2023 में हमास के हमलों के बाद शुरू किया था। किन-किन लोगों के खिलाफ वारंट जारी? इस्तांबुल अभियोजन कार्यालय के बयान के मुताबिक, जिन लोगों पर गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है, उनमें इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री इस्राइल कैट्ज, आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ एयाल जमीर, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन-गवीर के शामिल हैं। तुर्किये का आरोप क्या है? तुर्किये के अभियोजकों ने दावा किया है कि इस्राइल गाजा में नागरिकों को जानबूझकर निशाना बना रहा है, और यह कार्रवाई जनसंहार की श्रेणी में आती है। उन्होंने 17 अक्तूबर 2023 की अल-अहली बैपटिस्ट हॉस्पिटल की घटना को भी अपने आरोपों का हिस्सा बनाया है। हालांकि, इस्राइल और अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने बाद में यह निष्कर्ष निकाला था कि यह विस्फोट फलस्तीनी आतंकी संगठन इस्लामिक जिहाद के रॉकेट की विफल लॉन्चिंग से हुआ था, न कि इस्राइल के हमले से। तुर्किये का दोहरा रवैया तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन लंबे समय से हमास के समर्थक माने जाते हैं। इसी के साथ, तुर्किये की न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर भी सवाल उठते रहे हैं। अतीत में तुर्किये के कई पत्रकारों और विपक्षी नेताओं, जैसे कि एकरेम इमामओग्लू (जो इस्तांबुल के मेयर और एर्दोआन के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं), के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए जा चुके हैं। तुर्की पर खुद जनसंहार का आरोप बता दें कि 1915 से 1923 के बीच तुर्किये पर अपने ही देश में 15 लाख आर्मेनियाई लोगों के जनसंहार का आरोप है। इस अवधि में लाखों आर्मेनियाई मारे गए या भुखमरी से मर गए, जबकि लगभग पांच लाख लोग रूस की ओर पलायन कर गए। अमेरिका, कनाडा, रूस और यूरोपीय संघ के अधिकांश देश इस आर्मेनियाई जनसंहार को आधिकारिक रूप से मान्यता देते हैं।

हालांकि, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और इस्राइल जैसे देश अब तक इसे औपचारिक रूप से मान्यता नहीं देते, क्योंकि तुर्की के साथ उनके राजनयिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

फादर ऑफ डीएनए प्रसिद्ध नोबेल विजेता जेम्स वॉटसन का निधन, 97 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

वॉशिंगटन, एजेंसी। नोबेल विजेता और दुनियाभर के प्रसिद्ध वैज्ञानिक जेम्स डी वाटसन का 97 साल की उम्र में निधन हो गया। वे 1953 में डीएनए की ट्विस्टेड-लैडर संरचना (डबल हेलिक्स) की खोज के लिए जाने जाते हैं, जिससे चिकित्सा, अपराध जांच, जीनोलॉजी और नैतिकता के क्षेत्र में क्रांति आई।

वाटसन ने फ्रांसिस क्रिक और मॉरिस विल्किन्स के साथ 1962 में नोबेल पुरस्कार साझा किया। उनकी खोज से यह पता चला कि डीएनए कैसे वंशानुगत जानकारी रखता है और कोशिकाएं विभाजन के दौरान इसे कैसे कॉपी करती हैं। डबल हेलिक्स ने विज्ञान और समाज में गहरा प्रभाव डाला और अब यह संरचना विज्ञान का प्रतीक बन गई है।

विज्ञान को किसी पर भी बराबर गोना चाहिएए : हालांकि, जीवन के अंतिम वर्षों में वाटसन विवादित बयान देने के लिए आलोचना और पेशेवर निंदा का सामना कर चुके। उन्होंने अश्वेत लोगों की बुद्धिमत्ता को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। 2007 में विवाद बढ़ने के बाद उन्हें कोल्ड स्प्रिंग हार्बर लैब से निलंबित कर दिया गया। वाटसन ने विज्ञान में और कोई बड़ा प्रयोगात्मक योगदान नहीं दिया, लेकिन उन्होंने प्रभावशाली पुस्तकें लिखीं, मानव जीनोम परियोजना में मार्गदर्शन किया और कई युवा वैज्ञानिकों को बढ़ावा दिया। उनके वैज्ञानिक योगदान और विवादित बयान उनके जटिल विरासत का हिस्सा हैं।

मामले में नस्लवाद टिप्पणी से नाराज : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के डायरेक्टर फ्रांसिस कॉलिंस ने कहा, वाटसन के दृष्टिकोण उनके शानदार वैज्ञानिक ज्ञान के अनुरूप नहीं थे और उनकी नस्लीय टिप्पणियां गलत और हानिकारक थीं। उनकी आत्मकथा 'द डबल हेलिक्स' में उन्होंने विज्ञान में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम, बुद्धिमत्ता और चुनौतियों का सामना करने की सलाह दी।

अमेरिकी चुनाव 2016 विवाद: रूसी दखलअंदाजी मामले में नई जांच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ी रूस जांच को लेकर एक नई जांच शुरू की है। इस जांच के तहत विभाग ने बड़ी संख्या में समन जारी किए हैं। ये समन उस सरकारी जांच से संबंधित हैं जो 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में रूस की दखलअंदाजी को लेकर की गई थी।

क्या है मामला : 2016 के चुनाव में रूस पर आरोप था कि उसने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की थी, ताकि डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिल सके और हिलेरी क्लिंटन को नुकसान पहुंचे। इस आरोप की जांच ओबामा प्रशासन के दौरान अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने की थी और जनवरी 2017 में एक रिपोर्ट जारी की थी। अब ट्रंप प्रशासन उसी रिपोर्ट की दोबारा पड़ताल करवा रहा है। इस बार समन फ्लोरिडा के सदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से जारी हुए हैं। इनका मकसद यह पता लगाना है कि 2017 की उस रिपोर्ट की तैयारी में किन बातों को आधार बनाया गया था और क्या उसमें किसी तरह की राजनीतिक पक्षपात की भूमिका रही थी।

किन लोगों को भेजे गए समन : हालांकि सभी नाम अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन सूत्रों के मुताबिक जिन लोगों को समन मिले हैं उनमें जॉन ब्रेनन, पूर्व सीआईए निदेशक; पीटर स्ट्रजक, एफबीआई के पूर्व काउंटर इंटेलिजेंस अधिकारी; लिसा पेज, एफबीआई की पूर्व वकील शामिल हैं। पीटर स्ट्रजक और लिसा पेज, दोनों रूस जांच में शामिल थे और बाद में ट्रंप के खिलाफ निजी संदेशों के कारण विवादों में आए थे। स्ट्रजक को बर्खास्त किया गया था जबकि पेज ने इस्तीफा दे दिया था। बताया जा रहा है कि करीब 30 समन जारी किए जाने की योजना है।

आरोपों का साफ नकार चुके हैं ट्रंप : ट्रंप पहले भी बार-बार इस जांच को राजनीतिक साजिश करार दे चुके हैं। वे मानते हैं कि यह जांच उनके खिलाफ बनाई गई साजिश थी। म्यूलर रिपोर्ट और अन्य कई सरकारी जांचों में यह पाया गया कि रूस ने अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी, लेकिन ट्रंप या उनके सहयोगियों का रूस के साथ सीधा साजिशी संबंध साबित नहीं हुआ। अब, व्हाइट हाउस में दोबारा लौटने के बाद ट्रंप प्रशासन इस पुराने मामले को फिर से खंगाल रहा है। वर्तमान एफबीआई निदेशक काश पटेल, सीआईए प्रमुख जॉन रैटक्लिफ और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड इस जांच से जुड़े पुराने दस्तावेजों को सार्वजनिक करने के पक्ष में हैं। जुलाई में जारी सीआईए रिपोर्ट में कहा गया था कि 2017 की मूल रिपोर्ट में कुछ तकनीकी खामियां थीं, और स्टील डॉसियर को शामिल करने से विश्लेषण की निष्पक्षता प्रभावित हुई थी।

विदेश मंत्री लावरोव के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मतभेद नहीं.., क्रेमलिन ने अटकलों को किया खारिज

मॉस्को, एजेंसी। क्रेमलिन ने शुक्रवार को उस दावे को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के अब राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मतभेद चल रहे हैं। लावरोव को पुतिन के सबसे वफादार नेताओं में से एक माना जाता है। आज एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, इस तरह की रिपोर्ट में कोई सच्चाई नहीं है कि लावरोव अब पुतिन की पसंद से बाहर हो गए हैं। बेशक, लावरोव अब भी विदेश मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। पांच नवंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की टेलीविजन प्रसारित बैठक में लावरोव गैरहाजिर रहे। जिसके बाद इस तरह के दावे किए जाने लगे किए पुतिन के उनके साथ मतभेद चल रहे हैं। ड्यूमा स्पीकर की पहल पर क्रेमलिन की शीर्ष समिति ने इस संभावना पर चर्चा की कि अगर अमेरिका परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध वाले समझौते से बाहर निकलता है, तो रूस फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने पर विचार कर सकता है। लंदन के फाइनेंशियल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि 20 अक्तूबर को लावरोव और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के बीच बातचीत के बाद रूस-अमेरिका शिखर बैठक और रूस-यूक्रेन के बीच की वार्ताएं रद्द कर दी गईं। रूस के कोमर्सांट बिजनेस डेली अखबार ने पेस्कोव के हवाले से कहा, यूक्रेन और यूरोप की तरफ से की गई उकसाने वाली कार्रवाइयों के कारण बातचीत की प्रक्रिया में बाधा आई है, जिससे समाधान की गति धीमी पड़ गई है। रूस और यूक्रेन के बीच भरोसे की कमी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि हंगरी में रूस-अमेरिका शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए गहन और सावधानीपूर्वक तैयारी की जरूरत है। दोनों पक्ष किसी स्तर पर बुडापेस्ट में वार्ता आयोजित करने में रुचि रखेंगे। पेस्कोव ने कहा कि बुडापेस्ट में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के समय को लेकर की जा रही भविष्यवाणियां बेबुनियाद हैं।

ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में जी20 समिट का किया बहिष्कार, कोई भी अमेरिकी अधिकारी नहीं होगा शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह इस महीने के आखिर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी20 सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे। इसके बाद अब ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की है कि जी20 शिखर सम्मेलन में कोई भी अमेरिकी अधिकारी हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने इसके पीछे का कारण वहां श्वेत किसानों के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार को बताया है। दक्षिण अफ्रीका से नाराज चल रहे डोनाल्ड ट्रंप ने जी20 समिट के बहिष्कार का एलान किया है। ट्रंप पहले ही कह चुके थे कि वे खुद इस महीने के आखिर में होने वाले जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को भेजे जाने की योजना थी, लेकिन अब वे भी दक्षिण अफ्रीका नहीं जाएंगे।

जेडी वेंस भी नहीं जाएंगे दक्षिण अफ्रीका : ट्रंप ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह 22-23 नवंबर को दुनिया की अग्रणी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के राष्ट्राध्यक्षों के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। इसके बाद ट्रंप की जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन वेंस की योजनाओं से परिचित एक व्यक्ति, जिन्होंने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि वेंस अब शिखर सम्मेलन के लिए वहां नहीं जाएंगे।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, ÷यह एक पूरी तरह से अपमानजनक है कि जी-20 शिखर सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जा रहा है।÷ उन्होंने अपने पोस्ट में अफ्रीकानर समुदाय (दक्षिण अफ्रीका के श्वेत किसान) के साथ ÷दुर्व्यवहार÷ का आरोप लगाया, जिसमें हिंसा, हत्या के साथ-साथ उनकी जमीन और खेतों की जब्ती जैसी घटनाएं हो रही हैं।

दरअसल, ट्रम्प प्रशासन लंबे समय से दक्षिण अफ्रीकी सरकार पर अल्पसंख्यक श्वेत अफ्रीकानर किसानों को सताने और उन पर हमले करने की अनुमति देने का आरोप लगाता रहा है। प्रशासन ने शरणार्थियों की वार्षिक संख्या घटाकर 7,500 कर दी थी और कहा था कि इनमें से ज्यादातर ÷दक्षिण अफ्रीका के श्वेत नागरिक÷ होंगे, जिन्हें अपने देश में हिंसा और भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने आरोपों को किया खारिज : हालांकि, दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा था कि उन्होंने ट्रंप को बताया है कि अफ्रीकानर्स पर अत्याचार की सारी खबरें पूरी तरह झूठी हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में श्वेत नागरिकों का जीवन स्तर अब भी देश के अश्वेत नागरिकों की तुलना में कहीं बेहतर हैं। फिर भी प्रशासन ने दक्षिण अफ्रीकी सरकार की आलोचना जारी रखी है। इस सप्ताह की शुरुआत में मियामी में एक भाषण के दौरान ट्रम्प ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को जी-20 से बाहर कर दिया जाना चाहिए।

बीमारी वाले लोगों को नहीं मिलेगा अमेरिका का वीजा? ट्रंप ने अधिकारियों को भेजा संदेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने अपनी वीजा नीति को लेकर नया नियम जारी किया है। इसके तहत कुछ बीमारियों से पीड़ित विदेशी नागरिकों को अब अमेरिका में वीजा नहीं मिलेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर, मोटापा और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों को वीजा देने से मना किया जा सकता है। कारण है ट्रंप प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति भविष्य में सरकारी सहायता (पब्लिक बेनिफिट) पर निर्भर हो सकते हैं। यह कदम इसलिए उठाया गया है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से भेजे गए एक गुप्त संदेश (केबल) में वीजा अधिकारियों से कहा गया है कि वे आवेदनकर्ताओं की स्वास्थ्य स्थिति का गहराई से आकलन करें। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गाइडलाइन में कहा गया है कि हृदय रोग, श्वसन रोग, कैंसर, डायबिटीज, मेटाबॉलिक बीमारियां, न्यूरोलॉजिकल रोग और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं जैसी स्थितियों में वीजा रद्द या अस्वीकार किया जा सकता है। इसमें मोटापा को भी शामिल किया गया है, क्योंकि इससे अस्थमा, नींद में रुकावट और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

क्या कहते है ट्रंप प्रशासन नए निर्देश, समझिए : बात अगर नए निर्देशों की करे तो, इसके तहत वीजा अधिकारियों को यह तय करने को कहा गया है कि क्या कोई व्यक्ति अपने इलाज का खर्च खुद उठा सकता है या उसे अमेरिका सरकार की मदद की जरूरत पड़ेगी। क्या आवेदक के पास इतनी आर्थिक क्षमता है कि वह अपनी पूरी उम्र के इलाज का खर्च खुद उठा सके, बिना किसी सरकारी सहायता के? केबल में यह सवाल पूछा गया है।

इस गाइडलाइन के मुताबिक, अब आवेदक के परिवार के सदस्यों की सेहत भी वीजा प्रक्रिया में देखी जाएगी। संदेश में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि अगर परिवार में किसी को गंभीर बीमारी या दिव्यांगता है, जिससे आवेदक को काम छोड़कर देखभाल करनी पड़े, तो इसे भी निर्णय में शामिल किया जाए।

कानूनी विशेषज्ञों ने इस नीति को बताया चिंताजनक : हालांकि ट्रंप प्रशासन की इस वीजा नीति को लेकर बातचीत भी तेज हो गई है। कैथोलिक लीगल इमिग्रेशन नेटवर्क के वरिष्ठ वकील चार्ल्स व्हीलर ने कहा कि वीजा अधिकारी चिकित्सक नहीं होते, इसलिए वे किसी की बीमारी या उसके भविष्य के प्रभावों का सही अनुमान नहीं लगा सकते। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की इमिग्रेशन वकील सोफिया जेनोवेज ने कहा कि इस नीति से अधिकारी और डॉक्टर दोनों पर यह दबाव बढ़ जाएगा कि वे आवेदकों की बीमारी के खर्च और रोजगार पाने की क्षमता को लेकर अनुमान लगाएं। उन्होंने कहा कि अगर किसी का डायबिटीज या हार्ट की बीमारी का इतिहास है, तो इस पर इतना गहराई से विचार करना बेहद व्यापक कदम है। इससे वीजा प्रक्रिया और भी कठिन हो जाएगी।

ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वालों पर पड़ेगा प्रभाव : इसके साथ ही विशेषज्ञों का ये भी कहना है कि यह नीति मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित करेगी जो अमेरिका में स्थायी रूप से बसने (ग्रीन कार्ड) के लिए आवेदन करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन की यह नीति इमिग्रेशन पर बढ़ती सख्ती का हिस्सा है, जिसमें अब स्वास्थ्य को भी वीज़ा प्रक्रिया का अहम पैमाना बना दिया गया है।

गुजरात एटीएस तीन आतंकियों को पकड़ा, बड़े हमलों को अंजाम देने की फिराक में थे

-सभी आतंकवादी 30 से 35 साल के और पूरी तरह से ट्रेंड, पूछताछ जारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। देश के दुश्मनों द्वारा रची जा रही एक बड़ी आतंकी साजिश को गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने नाकाम कर दिया है। गुजरात एटीएस ने अंतर्राष्ट्रीय आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े तीन ट्रेंड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ये तीनों आतंकी देशभर में बड़े हमलों को अंजाम देने की फिराक में थे। खुफिया जानकारी के आधार पर एटीएस ने इन आतंकियों को उस वक्त पकड़ा, जब वे गुजरात में हथियार एक्सचेंज करने पहुंचे थे। एटीएस पिछले कई महीनों से इन तीनों संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधियों पर नज़र रख रही थी, जिसके बाद पुख्ता इनपुट पर यह गिरफ्तारी की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों का देश के अलग-अलग हिस्सों से कनेक्शन सामने आया है। इन तीनों संदिग्धों में से दो आतंकी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं, जबकि तीसरा आतंकी हैदराबाद का निवासी है। खुफिया सूत्रों का दावा है कि गिरफ्तार सभी आतंकवादी 30 से 35 साल की उम्र के हैं और पूरी तरह से ट्रेंड हैं। इनकी गिरफ्तारी से आईएसआईएस के मॉड्यूल को बड़ा झटका लगा है। यह चिंताजनक है कि आतंकी संगठन देश में नवयुवकों को गुमराह कर उन्हें आतंकवाद के दलदल में धकेलने की साजिशें रच रहे हैं। इससे पहले भी देश में हमले की साजिश रचने वाले कई आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश हो चुका है, जिनमें झारखंड की राजधानी रांची से भी कुछ आरोपियों को पकड़ा था। गुजरात एटीएस अब इन तीनों आतंकवादियों से पूछताछ कर उनके पूरे नेटवर्क, फंडिंग और अगले लक्ष्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

मासूम से करना चाहता था दुष्कर्म, विरोध करने पर पूरे शरीर को दांतों से काटा

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत जिले में एक 9 साल की मासूम के साथ 35 साल के वहशी दरिंदे ने पहले बच्ची से अश्लील हरकत की फिर दुष्कर्म का प्रयास किया। वहीं जब मासूम ने विरोध किया तो उसके चेहरे और शरीर के कई हिस्सों पर दांतों से काट लिया। यह मामला कोतवाली बड़ौत क्षेत्र की एक कॉलोनी का बताया जा रहा है। यहां रहने वाली 9 साल की बच्ची को उसकी दादी ने दुकान से सामान लाने भेजा, लेकिन रास्ते में ही हैवान शख्स ने उसे बहलाकर अपने साथ ले गया। सुनसान जगह पर उसने बच्ची के साथ गंदी हरकत की। जब मासूम ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके शरीर को दांतों से काट कर बुरी तरह घायल कर दिया। जानकारी के मुताबिक बच्ची किसी तरह वहां से भागकर और रोती-बिलखती घर पहुंची। जब दादी ने पूछा तो उसने सारी बात बताई, जिससे परिवार के होश उड़ गए। आरोपी समुदाय विशेष का निकला, जिसके बाद मामले ने साम्प्रदायिक रंग ले लिया। हिंदू संगठनों ने घटना की निंदा की। हिंदू संगठन के नेता ने कहा कि यह कोई सामान्य अपराध नहीं है। मासूम बच्ची के साथ ऐसी दरिंदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी को सख्त से सख्त सजा दिलाकर रहेंगे, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को जिला अस्पताल भेजा, जहां उसका मेडिकल कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

झरने में डूबने से एनआईटी सिलचर के तीन छात्रों की मौत

दीमा हसाओ (एजेंसी)। असम के दीमा हसाओ जिले में स्थित बुलचोल झरने पर घूमने गए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) सिलचर के तीन छात्रों की डूबकर मौत हो गई। यह हादसा शनिवार अपराह्न हरंगाजाओ क्षेत्र के बोल्सोम बागान के पास हुआ। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के सौहार्द राय (20), सर्ववर्तिका सिंह (20) और बिहार की राधिका (19) के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद राहत टीम ने मौके पर पहुंचकर छात्रों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दुर्गम इलाके और खराब मोबाइल नेटवर्क के कारण बचाव कार्य में बाधा आई। प्रशासन ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए लोगों से झरनों या जल स्रोतों के पास सावधानी बरतने की अपील की है।

पांच एकड़ में की जा रही अफीम की अवैध खेती नष्ट

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में पुलिस और सुरक्षा बलों ने पांच एकड़ जमीन पर की जा रही अफीम की अवैध खेती को नष्ट कर दिया। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई सोंगलुंग, ल्हांगजोल और वाफोंग गांवों के आस-पास की पहाड़ी क्षेत्रों में की गई। मौके से आठ खोखे, उर्वरक के बैग और अफीम के बीज जब्त किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दो नवंबर को भी इन्हीं इलाकों में लगभग 30 एकड़ में फैली अफीम की खेती को नष्ट किया गया था। मणिपुर में नशे के कारोबार और अफीम उत्पादन को रोकने के लिए यह अभियान लगातार जारी है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि राज्य के कुछ सीमावर्ती और पहाड़ी इलाकों में अफीम की खेती लंबे समय से स्थानीय गिरोहों और तस्करों की मदद से की जा रही है, जिसे अब पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

गैंगस्टर वेंकटेश गर्ग और भानु राणा जॉर्जिया और अमेरिका में गिरफ्तार

-भारत लाने की तैयारी शुरु, दोनों पर हरियाणा-पंजाब में दर्ज हैं संगीन मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता मिली है। विदेशी धरती पर गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन में भारत के दो मोस्ट वांटेड अपराधी वेंकटेश गर्ग और भानु राणा को जॉर्जिया और अमेरिका में हिरासत में ले लिया है। दोनों पर हरियाणा और पंजाब में कई संगीन मामले दर्ज हैं। सरकार की तरफ से विदेशों में छिपे गैंगस्टरों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हरियाणा का कुख्यात गैंगस्टर वेंकटेश गर्ग जॉर्जिया में पकड़ा गया है। इसे भारत लाने की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक वेंकटेश गर्ग को बहुत जल्द जॉर्जिया से भारत लाया जाएगा। उसे भारत लाने के लिए हरियाणा एसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम जॉर्जिया पहुंच चुकी है।

न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बल्कि हरेक नागरिक का अधिकार

–सीजेआई गवई ने एक कार्यक्रम में पीएम मोदी की मौजूदगी में कही यह बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई बी आर गवई ने कहा है कि न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बल्कि हरेक नागरिक का अधिकार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जजों और वकीलों का यह कर्तव्य है कि वे तय करें कि न्याय का प्रकाश समाज के हाशिये पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। कानूनी सहायता वितरण तंत्र को मजबूत करने पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के बोले हुए जस्टिस गवई ने कहा कि कानूनी सेवा आंदोलन का असली पुरस्कार आंकड़ों या वार्षिक रिपोर्ट में नहीं है, बल्कि उन नागरिकों की शांत कृतज्ञता और नए सिरे से विश्वास में है, जो कभी खुद को अनदेखा महसूस करते थे।

सीजेआई ने कहा कि न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि हरेक नागरिक का अधिकार है और न्यायाधीशों, वकीलों और अदालत के अधिकारियों के रूप में हमारी भूमिका यह तय करने की है कि न्याय का प्रकाश समाज के हाशिये पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। गवई ने कहा कि पीएम मोदी की उपस्थिति कानूनी सहायता और सभी के लिए न्याय तक पहुंच को आगे बढ़ाने में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की साझा जिम्मेदारी की पुष्टि करती है।

उन्होंने कहा कि सफलता का असली मापदंड संख्या में नहीं बल्कि आम आदमी के विश्वास में है, इस विश्वास में कोई न कोई, कहीं न कहीं, उनके साथ खड़ा होने को तैयार है। गवई ने कहा कि और इसीलिए हमारा काम हमेशा इस भावना से निर्देशित होना चाहिए कि हम जीवन बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपकी एक दिन की उपस्थिति, किसी गांव या जेल का दौरा, संकटग्रस्त व्यक्ति से आपकी बातचीत, किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जीवन बदल देने वाली हो सकती है, जिसके लिए पहले कभी कोई मदद के लिए नहीं आया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कानूनी सहायता को प्रतिक्रियात्मक प्रणाली के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत आंदोलन के रूप में देखा जाना चाहिए। पीएम मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे, जिसमें केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, न्यायमूर्ति गवई के उत्तराधिकारी सूर्यकांत और सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश भी शामिल हुए।

दुबई में करतब दिखाएगा भारतीय वायुसेना का सूर्यकिरण विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई में 17 से 21 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय एयर शो का आयोजन किया जाएगा। जिसमें भारत की दो तरफा भागीदारी देखने को मिलेगी। एक ओर भारतीय वायुसेना के कुल 9 सूर्यकिरण विमानों की टीम अपने हवाई करतब से एयर शो में अपना जलवा बिखेरेगी। वहीं, दूसरी ओर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी इस बार इस अंतरराष्ट्रीय वैमानिकी शो में शिरकत करेंगे। रक्षा सूत्रों ने बताया कि वायुसेना के सूर्यकिरण विमानों की एक टीम एयर शो के शुरुआती दो दिनों 17 से 18 तक इसमें शामिल होगी। जबकि भारत की तरफ से रक्षा मंत्री की भागीदारी भी खासी महत्वपूर्ण रहेगी। हर बार की तरह इस बार भी यह एयर शो दुबई के अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आयोजित किया जाए। जिसे दुबई वर्ल्ड सेंट्रल के नाम से भी जाना जाता है। सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम में शामिल 9 रेड और वाइट हॉक मार्क-132 विमान हैं। एचएएल ने इन्हें लाइसेंस के तहत बनाया है। ये भारत की ही नहीं बल्कि एशिया की नौ विमानों की बेहद निकटता से हवाई करतब दिखाने वाली पहली टीम है। जिसमें इनकी हार्ट, डायमंड, लूप और काम्बैट फॉरमेशन चर्चित हैं। वहीं, सारंग की स्थापना 2005 में 151 हेलीकॉप्टर यूनिट के रूप में की गई थी। यह यूनिट 5 संशोधित ध्रुव हेलीकॉप्टर उड़ाती है और इनका मुख्य तैनात एयरबेस कोयंबटूर के पास स्थित सुलूर एयरबेस है। बीते कुछ सालों से दुबई एयर शो में भारत की एक मजबूत और नियमित उपस्थिति देखने को मिल रही है। यह एक द्विवार्षिक यानी दो साल में एक बार होने वाला आयोजन है। 2023 में एयर शो में वायुसेना के दो स्वदेशी हवाई हथियारों और सैन्य उपकरणों ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था।

हरियाणा में अपराधियों की शामत, 2 दिनों में कई जगह हुई छापेमारी में 56 गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा पुलिस ने राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' में सिर्फ दो दिनों में 56 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर कानून का कड़ा संदेश दिया है। इस अभियान का मकसद अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ना, उनकी संपत्तियां जब्त करना और नई वारदातों को रोकना है। जनता-पुलिस की साझी सफलता ने साबित कर दिया है कि हरियाणा अब अपराधियों के लिए ÷नो प्लेस टू हाइड÷ बन चुका है। इस अभियान का नेतृत्व डीजीपी ओपी सिंह कर रहे हैं, और इसकी रणनीति थाना, जिला और राज्य स्तर पर बनाई गई है। हर थाना अपने क्षेत्र के पांच सबसे कुख्यात अपराधियों को निशाने पर रखे हुए है, जबकि हर जिले की टीम 10 टॉप मोस्ट अपराधियों की गिरफ्तारी पर ध्यान दे रही है। एसटीएफ ने राज्यभर के 20 सबसे खतरनाक अपराधियों की सूची तैयार की है, जिन पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

यह अभियान 20 नवंबर तक चलेगा और इसका मुख्य उद्देश्य कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके नेटवर्क को तोड़ना, नई वारदातों को रोकना और सुरक्षा मजबूत करना है। पहले ही दो दिनों में पुलिस ने कुल 56 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया, जबकि 602 अन्य आरोपियों पर भी कार्रवाई हुई है। यह अभियान अपराधियों में डर पैदा कर चुका है और जनता-पुलिस के सहयोग से सफलता की नई मिसाल कायम की है। अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। केवल गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि उनके नेटवर्क को तोड़ना, संपत्तियां जब्त करना, जमानत रद्द करवाना और भविष्य में अपराध रोकना इस अभियान की प्राथमिकता है। पहले ही दो दिनों की सफलता ने दिखा दिया कि हरियाणा अब अपराधियों के लिए ÷नो प्लेस टू हाइड÷ बन चुका है और कानून पूरी तरह अपना नियंत्रण बनाए हुए है। पहले दो दिनों की जबरदस्त सफलता ने दिखा दिया कि ऑपरेशन ट्रैकडाउन कितना असरदार है। 5 नवंबर को एक ही दिन में 32 अपराधियों की गिरफ्तारी की गई, वहीं 6 नवंबर को 24 और कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 252 अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी हुई। इन दो दिनों में 9 हिस्ट्रीशीट भी खोली गईं, जिससे अपराधियों का रिकॉर्ड अपडेट हुआ और भविष्य में उनकी जमानत रद्द करने की प्रक्रिया तेज़ हुई।

सुवेंदु का ममता पर तीखा हमला कहा- बंगाल में दुष्कर्म जैसी घटना को दबाती है पुलिस

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की बदहाली पर नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को असफल करार दिया है। तारकेश्वर में चार वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि बच्ची की जिंदगी बर्बाद हो गई, लेकिन पुलिस एफआईआर दर्ज करने के बजाय अपराध दबाने में लगी है। परिवार पुलिस स्टेशन पहुंचा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं। बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, फिर चंदननगर रेफर कर दिया। सुवेंदु ने सवाल उठाया कि तारकेश्वर पुलिस कानून की रक्षा कर रही है या ममता के चाटुकार बनी हुई है? उन्होंने कहा कि यह ममता बनर्जी के बेलगाम शासन का असली चेहरा है। हर बार एक ही कहानी– बलात्कार, एफआईआर न होना या देरी, अस्पताल रेफर, मीडिया ब्लैकआउट और टीएमसी नेताओं का पर्दाफाश। ममता बनर्जी, आपके राजनीतिक अस्तित्व के लिए और कितनी मासूम बेटियों की जान कुर्बान करनी पड़ेगी?

सुवेंदु ने ममता पर निशाना साधते हुए कहा कि आपके शासन में पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था चरमरा गई है। पुलिस सच्चाई दबाकर राज्य की नकली छवि बचा रही है। तारकेश्वर पुलिस ने अपनी शपथ भुला दी है। यह घटना सिर्फ एक उदाहरण है, जो राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं की पोल खोलती है। इससे पहले सुवेंदु ने कोलकाता नगर निगम (केएमसी) पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि केएमसी अवैध तरीके से जन्म प्रमाणपत्र जारी कर रहा है। इनका मकसद वास्तविक नागरिकों की मदद नहीं, बल्कि उन संदिग्ध व्यक्तियों को फायदा पहुंचाना है, जिनके नाम विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। एक्स पर पोस्ट में सुवेंदु ने चुनाव आयोग से तत्काल जांच की मांग की। उन्होंने लिखा कि यह मतदाता सूची में हेरफेर और लोकतंत्र को कमजोर करने का घोर प्रयास है। जन्म प्रमाणपत्र कानूनी दस्तावेज हैं, जो नवजात शिशुओं या दुर्लभ मामलों में देरी से पंजीकरण के लिए जारी होते हैं। ये राजनीतिक हथियार नहीं, जिनका इस्तेमाल वोट बैंक के लिए जनसांख्यिकी बदलने में हो। भाजपा नेता का कहना है कि टीएमसी सत्ता बचाने के लिए किसी भी हद तक जा रही है। बच्ची बलात्कार जैसी जघन्य घटना में पुलिस की निष्क्रियता और फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों का खेल राज्य में कानून की मौत का प्रमाण है। सुवेंदु ने ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि असफल शासन की यही पहचान है अपराध दबाओ, सच्चाई छिपाओ, वोट बैंक बनाओ। चुनाव आयोग और जनता से अपील की कि ऐसे खेल को रोका जाए। बंगाल की जनता अब जाग रही है और ममता के इस बेलगाम शासन को जवाब देगी।

गुरुग्राम और फरीदाबाद में सांस लेना हुआ दूभर, 350 के पार हो गया एक्यूआई

फरीदाबाद (एजेंसी)। ठंड की शुरुआत होते ही गुरुग्राम और फरीदाबाद में सांस लेना दूभर हो गया है। यहां एक्यूआई 350 के पार हो गया है। मौसम और औद्योगिक गतिविधियों के चलते इन दोनों शहरों की हवा सांस लेने के लिए हानिकारक बनी हुई है। गुरुग्राम में आज का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) औसतन खराब श्रेणी में है, लेकिन अलग-अलग इलाकों में यह स्तर काफी अलग दिख रहा है। उदाहरण के लिए सेक्टर 47 में एक्यूआई 358 दर्ज किया गया है, जो खतरनाक श्रेणी में आता है। वहीं, शहर के अन्य हिस्सों का औसत एक्यूआई 143 के आसपास है जो सामान्य तौर पर खराब माना जाता है। इसका मतलब यह है कि सेक्टर 47 और आसपास के लोग आज अपनी सेहत के प्रति विशेष सतर्कता रखें और लंबी अवधि तक बाहर रहने से बचें। बल्लभगढ़ में आज का एक्यूआई 157 दर्ज किया गया है, जो खराब श्रेणी में आता है। यहां पीएम 2.5 प्रदूषण का स्तर काफी अधिक है। पीएम 2.5 छोटे कण होते हैं जो सांस के रास्ते आसानी से फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं और स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकते हैं। लंबे समय तक ऐसे प्रदूषित वातावरण में रहने से सांस की बीमारी, एलर्जी और हृदय संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग विशेष सतर्कता बरतें और जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।सामान्य लोगों के लिए भी आज मास्क पहनकर बाहर निकलना और व्यायाम या लंबी पैदल यात्रा को सीमित करना बेहतर होगा। घर के अंदर हवा को शुद्ध रखने के लिए एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल और खिड़कियां बंद रखना फायदेमंद हो सकता है। कुल मिलाकर आज गुरुग्राम और फरीदाबाद में वायु गुणवत्ता सामान्य से खराब है और सभी लोगों को अपनी सेहत का खास ख्याल रखना जरूरी है।

यहां एक्यूआई बेहद खराब

वहीं फरीदाबाद की बात करें तो यहां आज का कुल एक्यूआई स्तर अस्वस्थ श्रेणी में है जिसका औसत लगभग 204 है। फरीदाबाद के विभिन्न क्षेत्रों में भी वायु गुणवत्ता में अंतर देखा जा रहा है। उदाहरण के तौर पर सेक्टर 11 का एक्यूआई 275 है, जो खराब श्रेणी में आता है। न्यू इंडस्ट्रियल टाउन और नरेला राजीव नगर में एक्यूआई क्रमशः 230 और 230 दर्ज किया गया है, जो भी खराब श्रेणी के अंतर्गत आता है। इन आंकड़ों से साफ दिखता है कि फरीदाबाद में औद्योगिक गतिविधियों और वाहनों के धुएं के कारण वायु में प्रदूषकों का स्तर काफी अधिक बढ़ गया है।

विपक्ष की लोगों को डराकर वोट हासिल करने की रणनीति और सोच गलत

-चिराग बोले- जब कोई नया बहाना नहीं मिला तो एसआईआर को मुद्दा बना लिया

पटना(एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में दूसरे चरण के मतदान के लिए रविवार को चुनाव प्रचार का शोर थम गया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने राजद नेता तेजस्वी यादव को उनके हालिया बयानों को लेकर उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोगों को डराकर वोट हासिल करने की रणनीति और सोच गलत है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में विपक्षी दलों के नेता मुद्दों से भटक जाते हैं और बेवजह के मुद्दों पर लोगों को गुमराह कर वोट हासिल करना चाहते हैं। विपक्षी दलों की यह सोच अच्छी नहीं है।

चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष चुनाव से पहले एसआईआर जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे, दावा किया जा रहा था कि एसआईआर के जरिए लोगों के वोट काटे जा रहे हैं, क्या आपको कोई ऐसा मतदाता मिला जिसने कहा कि उसका वोट काट लिया गया है? यह लोग ईवीएम को दोषी ठहराते है, जब कोई नया बहाना नहीं मिला तो एसआईआर को नया मुद्दा बना लिया।

चिराग ने आगे कहा कि एसआईआर का न तो सरकार से और न ही हमारे राज्य के लोगों से कोई लेना-देना है। हर चुनाव में विपक्ष ने हमेशा भ्रम फैलाने की कोशिश की है। यह विपक्ष की रणनीति का हिस्सा बन गया है, जब भी चुनाव आते हैं, वे एक झूठी कहानी बनाते हैं, गलत सूचना फैलाते हैं और डर पैदा करने की कोशिश करते हैं। लोकसभा चुनाव में भी देखा गया था कि विपक्ष ने भ्रम फैलाया कि एनडीए की सरकार फिर से आई तो देश में आरक्षण और संविधान खत्म हो जाएगा। पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल को सवा साल से ज्यादा हो गया है। मैं विपक्षी दलों के नेता से पूछता हूं कि क्या संविधान और लोकतंत्र खत्म हो गया।

एसआईआर का जिक्र करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि अगर विपक्षी दलों को लगता है कि एसआईआर उनके लिए मुद्दा है तो एक बार भी अधिकृत आपत्ति दर्ज क्यों नहीं करवाई? अगर आपको चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है तो सुप्रीम कोर्ट जाइए, दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। लोगों को डराकर वोट हासिल करने की सोच गलत है।

बेंगलुरू की जेल में मौज काट रहे आतंकी, मोबाइल पर घंटो बात करते और टीवी देखते हैं कैदी

बेंगलुरू(एजेंसी)। बेंगलुरु की जेल में आतंकियों को घर जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। उनके एशो आराम में कोई कमी नहीं है। खतरनाक आतंकी यहां कभी घंटों मोबाइल पर बात करते हैं तो कभी टीवी देखकर अपना मनोरंजन करते नजर आते हैं। इसी तरह का वीडियो वायरल होते ही कर्नाटक में हड़कंप मच गया है। मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने जांच के आदेश दे दिए हैं। शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए छह वीडियो में आईएसआईएस के हैंडलर जुहाद हामिद शकील मन्ना, सीरियल रेपिस्ट और मर्डरर उमेश रेड्डी जैसे खूंखार कैदी मोबाइल फोन पर बातें करते, टीवी देखते और अन्य सुविधाओं का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। वहीं स्थानीय निवासियों की शिकायत रहती है कि जेल के आसपास लगे नेटवर्क जैमर उनकी मोबाइल सिग्नल बाधित कर रहे हैं, लेकिन कैदी बिना रुकावट फोन चला रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा कि मुझे इसकी जानकारी नहीं थी, लेकिन मैं रिपोर्ट मंगवाऊंगा और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करूंगा। एडीजीपी (जेल) बी दयानंदा ने जांच के आदेश जारी किए हैं। इसमें फोन मुहैया कराने वालों, शामिल अधिकारियों की भूमिका और वीडियो लीक करने वालों की पहचान होगी। एडीजीपी (जेल) पीवी आनंद रेड्डी ने जेल का दौरा किया और कैदियों व स्टाफ से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में वीडियो 2023 और 2025 के पाए गए। वायरल वीडियो में से तीन वीडियो 2023 के बताए जा रहे हैं, जबकि बाकी हाल के हैं। इस सुरक्षा चूक ने न केवल जेल प्रशासन को शर्मसार किया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मामले की गहन जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। वीडियो में आईएसआईएस के कुख्यात हैंडलर जुहाद हामिद शकील मन्ना को स्मार्टफोन और बेसिक हैंडसेट पर बात करते हुए देखा गया है।

महाराष्ट्र में बड़ा सवाल: क्या निकाय चुनावों में टूट जाएगा उद्धव और शरद पवार के साथ कांग्रेस का गठबंधन?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में महाराष्ट्र कांग्रेस अगले सप्ताह यह फैसला करेगी कि राज्य में चुनावों के लिए अन्य दलों के साथ गठबंधन किया जाए या नहीं।

खबरों के मुताबिक यह निर्णय 12 नवंबर को होने वाली महाराष्ट्र कांग्रेस संसदीय बोर्ड की बैठक में लिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि सबसे पहले सभी जिला अध्यक्षों के साथ चर्चा की जाएगी, जिसके बाद राज्य के वरिष्ठ नेता विचार-विमर्श करेंगे और अंतिम फैसला लेंगे। बैठक में यह तय होने की उम्मीद है कि कांग्रेस को अपने महा विकास आघाडी (एमवीए) सहयोगियों शिवसेना (उबाठा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के साथ गठबंधन करना चाहिए या नहीं।

सूत्रों के अनुसार, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ किसी भी तरह के गठबंधन को लेकर पार्टी के भीतर विरोध है। पिछले कुछ महीनों से, शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई एवं मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे आगामी स्थानीय निकाय चुनाव से पहले हाथ मिलाने के संकेत दे रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि उनके जिला संसदीय बोर्ड दो दिसंबर को होने वाले 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के चुनाव के लिए उम्मीदवारों के साक्षात्कार पूरे करने और संभावित उम्मीदवारों की सूची बनाने की प्रक्रिया में हैं। सूत्रों ने बताया, 'ब्लॉक स्तर के नेता स्थानीय स्तर पर चुनाव रणनीति की देखरेख कर रहे हैं और जिला इकाई प्रमुख अपने-अपने क्षेत्रों का प्रबंधन कर रहे हैं, जबकि प्रमुख नेता संभाग स्तर पर गतिविधियों की देखरेख, रणनीति और प्रचार कर रहे हैं।' राज्य निर्वाचन आयोग ने अभी तक 29 नगर निगमों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं किया है, जिनमें मुंबई में बृहन्मुंबई महानगर पालिका, 32 जिला परिषद और 336 पंचायत समितियां शामिल हैं, जहां चुनाव 31 जनवरी, 2026 तक पूरे होने हैं। उन्होंने कहा, हमने अपने स्थानीय नेताओं से कहा है कि वे जमीनी स्तर पर राजनीतिक स्थिति के अनुसार केवल कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन दलों के साथ गठबंधन पर फैसला लें। सूत्रों ने कहा, 'हमें 6,859 सीट के लिए उम्मीदवारों से 35,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।' दो दिसंबर को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू होगी। कांग्रेस के सूत्रों ने दावा किया कि पार्टी के लिए चुनाव में अच्छी संभावना है क्योंकि ग्रामीण मतदाता बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए राहत पैकेज को लेकर सरकार से 'नाराज' हैं। सूत्रों ने कहा कि उनके अनुसार 'वोट चोरी' का उनका मुद्दा जमीनी स्तर पर पहुंच गया है। पार्टी नेताओं के अनुसार, प्रदेश इकाई ने स्थानीय चुनाव की तैयारी के लिए सूक्ष्म स्तर की योजना बनाई है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के बूथ प्रमुखों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे हो चुके हैं।